फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 335 प्रभात जयपुर, सोमवार 7 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT
DAYS AT THE MORISAKI BOOKSHOP
BY SATOSHI YAGISAWA
BOOK READING BY RITA NAYYAR
22 JUNE 5-7 PM
JAIPUR INN

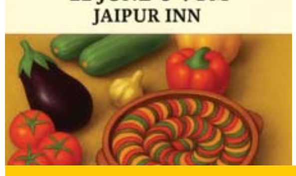

A Ratatouille Rendevous at Jaipur Inn

Both of us were a little nervous, even though I, Pushpendra had organised several events. Rita, because she had never cooked the dish in such a large quantity

Air Pollution Shorten Lives

While smog seems like a difficult problem to tackle, some countries have proven that it's possible to clean up the air.

अरबपति एलन मस्क ने अमेरिका में नई पार्टी बनाई

उन्होंने कहा कि नई पार्टी का मकसद अमेरिका में दो दलीय राजनीति को चुनौती देना है

- मस्क ने कहा कि एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में 12 लाख उत्तरदाताओं में से 65 प्रतिशत ने कहा था कि वे दो-दलीय प्रणाली से स्वतंत्रता चाहते हैं।
- एलन मस्क ने कहा कि उनकी ''अमेरिका पार्टी'' प्रारंभ में दो या तीन सीनेट सीटों व 8 से 10 गृह जिलों पर ध्यान केन्द्रित करेगी।

लॉस एंजिल्स, 06 जुलाई। मशहूर अरबपति एलन मस्क ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से विवाद के कुछ हफ़्तों बाद एलन मस्क ने यह घोषणा की है।

एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने ''अमेरिका पार्टी'' बनाई है। इसका मकसद अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों की दो-दलीय राजनीति को चुनौती देना होगा।

एलन मस्क ने कहा, अमेरिका पार्टी आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए बनाई गई है। सप्ताह की शुरुआत में एलन मस्क ने एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया था जिसमें लोगों ने जबर्दस्त भागीदारी करते हुए एक नई राजनीतिक ताकत के लिए मजबूत समर्थन दिखाया था।

एलन मस्क ने शुक्रवार चार जुलाई को इस सर्वेक्षण की घोषणा करते हुए लिखा, स्वतंत्रता दिवस यह पूछने का सही समय है कि क्या आप दो- दलीय प्रणाली से स्वतंत्रता चाहते हैं। लगभग 12 लाख उत्तरदाताओं में से 65 प्रतिशत से अधिक ने इस विचार का समर्थन किया।

मस्क ने शनिवार को इसके परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए, लिखा आप एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और आपको यह मिल जाएगी! जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है, तो हम एक-पक्षीय प्रणाली में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं।

एलन मस्क ने कहा कि अमेरिका पार्टी दो या तीन सीनेट सीटों और आठ से 10 गृह जिलों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस रणनीति का मकसद कांग्रेस में नियंत्रण हासिल करना है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि क्या इसे चुनाव आयोग में औपचारिक तौर पर पंजीकृत कराया गया है और फिलहाल इसकी कमान किसके हाथों में रहेगी।

इस बीच चुनाव-कानून विशेषज्ञों ने नई पार्टियों की राह में आने वाली अड़चनों का भी जिक्र किया है। कैलिफ़ोर्निया में, आयोजकों को या तो लगभग 75,000 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा या मतपत्रों पर अपनी पार्टी की उपस्थिति के लिए 11 लाख लोगों के हस्ताक्षर युक्त समर्थन पत्र को दर्शाना होगा।

राजनीतिक रणनीतिकारों का सुझाव है कि मस्क की इस घोषणा का उद्देश्य राजनीति में एक टिकाऊ तीसरे विकल्प का निर्माण करने की बजाए सांसदों पर दबाव डालना अधिक प्रतीत होता है। यह कदम राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के वन बिग ब्यूटीफुल बिल के पारित होने के बाद उठाया गया है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन में कटौती की गई है और संघीय खर्च में वृद्धि की गई है। इन उपायों का विरोध एलन मस्क की टेसला कंपनी ने किया है क्योंकि टेस्ला इलैक्ट्रिक व्हीकल सब्सिडी से लाभ उठाती रही है।

विश्लेषकों का कहना है कि मस्क का यह कदम अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था में बड़े बदलाव के बजाए एक सोची समझी रणनीति के तहत सौदेबाजी अधिक दिखाई पड़ता है।

मोदी ने दलाई लामा को जन्म दिन की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, 06 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तिब्बती आध्यात्मिक धर्म गुरू दलाई को उनके 90वें जन्मदिन के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

मोदी ने कहा कि आध्यात्मिक धर्म गुरू दलाई लामा प्रेम,करुणा,धैर्य और नैतिक अनुशासन के चिरस्थायी प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा की है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा, ''मैं 1.4 अरब भारतीयों के साथ मिलकर परम श्रद्धेय

- प्रधानमंत्री ने कहा कि दलाई लामा प्रेम, करुणा, धैर्य व नैतिक अनुशासन के चिरस्थाई प्रतीक रहे हैं।

दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वे प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के चिरस्थायी प्रतीक रहे हैं। उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा की है। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना करते हैं।

गौरतलब है कि दलाई लामा का जन्म 6 जुलाई, 1935 को पूर्वोत्तर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरजेडी ने बिहार वोटर लिस्ट रिविज़न को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

विपक्ष के महागठबंधन ने इस मामले में 9 जुलाई को बिहार में चक्काजाम का एलान किया

पटना, 06 जुलाई। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एसआईआर) को लेकर जमकर विवाद हो रहा है। विपक्ष चुनाव आयोग पर और इस प्रक्रिया की टाइमिंग पर सवाल खड़े कर रहा है। महागठबंधन ने इस मामले को लेकर 9 जुलाई को चक्का जाम का ऐलान भी किया है।

हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया पारदर्शिता के लिए जरूरी है।

दूसरी ओर अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है।

आरजेडी सांसद डॉ. मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने चुनाव आयोग के इस कदम को चुनौती दी है और चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने की मांग की है।

- सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में कहा गया है कि चुनाव आयोग के फैसले के चलते बिहार के लाखों लोगों का मतदान का अधिकार छिन जायेगा।

इससे पहले एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं।

इन याचिकाओं मे कहा गया है चुनाव आयोग का यह फैसला मनमाना है और इसके चलते बिहार के लाखों मतदाताओं का मतदान का अधिकार छीन जाएगा।

बिहार में इसी साल चुनाव होना है। बीते 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार में वोटर लिस्ट के एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) की घोषणा की थी। आयोग के इस फैसले पर कई विपक्षी दल के नेता भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं

इस मामले में चुनाव सुधारों पर नजर रखने वाली संस्था एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। संस्था का कहना है कि, चुनाव आयोग की यह नीति संविधान के खिलाफ है। इससे वो लोग जो गरीब हैं, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।

दिल्ली के कैब ड्राइवरों का सीरियल किलर 24 साल बाद गिरफ्तार

सीरियल किलर अजय लाम्बा 10 साल नेपाल में छुपा रहा था

नई दिल्ली, 06 जुलाई। दिल्ली पुलिस की आर के पुरम क्राइम ब्रांच टीम ने एक सीरियल किलर को गिरफ्तार किया है। यह सीरियल किलर अपने तीन साथियों के साथ मिलकर कैब ड्राइवरों की हत्या कर लाश खाई में फेंक देता था। इस सीरियल किलर की चार हत्याओं का खुलासा हुआ है। सभी कैब ड्राइवर थे और सभी को मारकर उनकी कैब नेपाल में बेच दी गई थी। पुलिस को शक है कि कैब ड्राइवरों के लापता होने के जो दर्जनों मामले दिल्ली में दर्ज हैं,

- सीरियल किलर गैंग किराये पर कैब बुक करके उत्तराखंड की पहाड़ियों में ड्राइवर की हत्या कर गहरी खाई में फेंकता था और कैब को नेपाल में बेच देता था।

उनमें से कई की हत्या कर दी गई है जिसमें इस गिरोह का हाथ है।

बताया गया है कि सीरियल किलर और उसके तीन साथी किराए पर कैब बुक करते थे फिर उत्तराखंड की पहाड़ियों में कैब ड्राइवर को पहले बेहोश करते थे फिर उसका गला दबाकर हत्या कर देते थे। इसके बाद लाश को उत्तराखंड के पहाड़ों से गहरी खाई में फेंक देते थे। कैब ड्राइवर्स की हत्या के बाद चारों सीरियल किलर कैब को नेपाल में बेच देते थे। हालांकि, पुलिस ने केवल एक ही कैब ड्राइवर का शव बरामद किया था, तीन कैब ड्राइवर के शव तक नहीं मिले। आरोपियों ने बताया है कि वे अल्मोड़ा, हल्द्वानी, उधमसिंह नगर में कैब ड्राइवर्स की लाश ठिकाने लगाते थे।

सीरियल किलर्स का ये गैंग 2001 में दिल्ली और उत्तराखंड में एक्टिव था, जिसका मास्टरमाइंड दिल्ली के इंडिया गेट से गिरफ्तार हुआ है। इंडिया गेट से गिरफ्तार हुए सीरियल किलर का नाम अजय लांबा है। वह नेपाल में 10 साल छुपा रहा और नेपाल मूल की लड़की से शादी भी कर ली। इस गिरोह का एक सदस्य पहले ही पकड़ा जा चुका है। हालांकि, एक सदस्य अभी भी फरार है।

अजय लांबा दिल्ली में ड्रग्स के एक मामले में और उड़ीसा में एक बड़ी डकैती के केस में पहले ही जेल जा चुका है। अजय का एक साथी धीरज अभी भी फरार है। धीरेंद्र दिलीप पांडे नाम का आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। धीरेंद्र को कैब ड्राइवर्स की हत्या के मामले में ही गिरफ्तार किया गया था। अब पुलिस धीरेंद्र और अजय को साथ बैठाकर पूछताछ कर सकती है। इस दौरान कई खुलासे हो सकते हैं।

ब्राजील में मोदी का भव्य स्वागत हुआ

रियो डी जेनेरियो/ नयी दिल्ली, 06 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा के चौथे चरण में शनिवार देर रात अर्जेन्टीना से ब्राजील पहुंचे, जहां वे ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

रियो डी जनेरो हवाई अड्डे पर मोदी का पारंपरिक स्वागत किया गया। भारतीय समुदाय के लोगों ने भी प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया।

मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ब्राज़ील के रियो डी जनेरो में उतरा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के लिए

- ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने रियो डी जेनेरो पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका शानदार स्वागत किया।

उनकी राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इस यात्रा के दौरान बैठकों और बातचीत के सार्थक दौर की उम्मीद है। भारतीय समुदाय के शानदार स्वागत से अभिभूत प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , ब्राज़ील के भारतीय समुदाय के सदस्यों ने रियो डी जनेरो में बहुत ही शानदार स्वागत किया। यह आश्चर्यजनक है कि वे भारतीय संस्कृति से कैसे जुड़े हुए हैं और भारत के विकास के लिए कितने लालायित हैं! मोदी ने अपनी पोस्ट में उनके सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह की कुछ झलकियाँ भी साझा की हैं।

म्यांमार से हथियारों की तस्करी की बड़ी साजिश का खुलासा

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के कुछ सदस्य म्यांमार से हथियार मंगवाकर देश भर में सप्लाई करते थे

इंफाल / नई दिल्ली, 06 जुलाई। मणिपुर में सुरक्षा एजेंसियों ने म्यांमार से हथियारों की तस्करी से जुड़ी एक बड़ी साजिश का भंडाफोड़ किया है, जिसका असर पूरे देश में हो सकता है। जांच एक ऐसे मामले पर केंद्रित है जिसमें प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पी) के कुछ सदस्यों पर म्यांमार से हथियार मंगवाकर उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में बेचने का आरोप है।

इस मामले में पुलिस ने बीते जून के आखिरी हफ्ते में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें सबसे अहम नाम सिनम सोमेन्द्रो मैतेई उर्फ रिचर्ड का है, जो खुद को यूएनएलएफ-पी का लेफ्टिनेंट कर्नल और प्रोजेक्ट सेक्रेटरी बताता है। रिचर्ड की गिरफ्तारी इस संगठन की शांति प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रही है।

- अधिकारियों के अनुसार मणिपुर की ढीली सीमा का फायदा उठाकर हथियार लाये जाते थे। फर्जी दस्तावेजों और कुछ रजिस्टर्ड गन हाउसों की मदद से देश के विभिन्न भागों में बेचा जाता था।

यूएनएलएफ-पी ने नवंबर 2023 में सरकार से संघर्षविराम समझौता किया था। लेकिन इसके बाद से न तो संगठन ने अपने हथियार जमा किए हैं, न ही अपने सदस्यों की सूची दी है। इसके विपरीत कुछ सदस्य अब भी उगाही और अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जा रहे हैं।

24 जून को इंफाल क्षेत्र में हथियारों की तस्करी से जुड़े एक गिरोह की जानकारी मिली। इसके आधार पर लोंचनबा नोंगथोंबम नामक गन हाउस के मालिक को हिरासत में लिया गया। उससे मिली जानकारी से रिचर्ड की भूमिका उजागर हुई।

अधिकारियों के अनुसार, हथियार म्यांमार से भारत लाए जा रहे थे, खासकर मणिपुर की ढ ीली सीमा का फायदा उठाकर। फिर इन्हें फर्जी दस्तावेजों और कुछ रजिस्टर्ड गन हाउसों की मदद से भारत के अलग-अलग हिस्सों में बेचा जा रहा था। एक ऐसा मामला पंजाब में भी पकड़ा गया है। जांच देश के अन्य हिस्सों में भी की जा रही है।

रिचर्ड के घर छापेमारी में चार अमेरिकी हथियार, एक ऑस्ट्रियाई रिवॉल्वर, एक भारतीय पिस्तौल, कई गोलियां, वायरलेस सेट और महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए।

अवैध बंगलादेशियों को वापस भेजने के लिये त्रिपुरा से दिल्ली पैदल मार्च

अगरतला, 06 जुलाई। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए सरकार की सहयोगी पार्टी टीआईपीआरए मोथा, ने 1971 के बाद यहां आकर "जाली" दस्तावेजों के साथ यहां रह रहे अवैध बंगलादेशी नागरिकों को तत्काल वापस भेजने की मांग को लेकर दिल्ली तक पैदल मार्च शुरू किया है। टीआईपीआरए मोथा नेताओं के एक समूह ने शहर के उत्तरी द्वार से अपना मार्च शुरू किया जो दिल्ली के जंतर मंतर पर

- मार्च का नेतृत्व कर रहे डेविड मुरासिंह ने कहा कि बंगलादेशी घुसपैठ अंतर्राष्ट्रीय समस्या है।

समाप्त होगा। टीआईपीआरए मोथा को उम्मीद है कि इस मार्च के जरिये जनता को जागरूक किया जा सकेगा। यह मार्च कई राज्यों और शहरों से गुजरेगा और अवैध बंगलादेशी घुसपैठियों के प्रति लोगों को जागरूक करेगा।

दल का नेतृत्व कर रहे टीआईपीआरए मोथा नेता डेविड मुरासिंह ने कहा, बंगलादेशी घुसपैठ एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इसे हल करने में त्रिपुरा सरकार की भूमिका प्रभावी नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कटरा में हेलिकॉप्टर सेवा तीसरे दिन भी स्थगित रही

जम्मू, 06 जुलाई। घने कोहरे और खराब मौसम होने के कारण जम्मू के पास त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के तीर्थयात्रियों के लिए संचालित हेलिकॉप्टर सेवा रविवार को लगातार तीसरे दिन स्थगित रही।

माता वैष्णो देवी के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालु जम्मू के पास कटरा कस्बे से सांझी छत तक हेलिकॉप्टर से सफर करते हैं। एक अधिकारी ने बताया, रियासी जिले के इस तीर्थ स्थल में मौसम खराब और घना कोहरा होने के कारण कटरा से सांझी छत तक की हेलिकॉप्टर सेवा तीसरे दिन भी स्थगित रही। उन्होंने कहा कि

- वैष्णो देवी मंदिर के लिये संचालित हेलिकॉप्टर सेवा घने कोहरे और खराब मौसम के कारण स्थगित की गई।

तीर्थयात्री पैदल और पिट्ठू, पालकी तथा टट्टू सेवाओं के जरिए भवन तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मौसम में सुधार होने के बाद ही हेलिकॉप्टर सेवा फिर से शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिए श्राइन बोर्ड के कर्मचारियों को भी मार्ग पर तैनात किया गया है।

वर्तमान में, 12,000 से 15,000 तीर्थयात्री प्रतिदिन कटरा बेस कैम्प में भवन तक पहुंचने और पवित्र मंदिर में पूजा करने के लिए पहुंच रहे हैं।

नवम्बर 24 में रिटायर हुए मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अधिकारिक बंगला खाली नहीं किया

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केन्द्र सरकार को पत्र लिख कर बंगला खाली कराने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 6 जुलाई। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ का सरकारी बंगले में ज्यादा दिन तक रुकना अब विवाद का कारण बन गया है। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि 5, कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला तुरंत खाली करवाया जाए। यह बंगला देश के मुख्य न्यायाधीश का आधिकारिक निवास है। चंद्रचूड़ नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे, लेकिन अब तक वहीं रह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि देश के पूर्व मुख्य न्यायधीश चंद्रचूड़ तय समय से ज्यादा दिन बंगले में रह रहे हैं। नियम के मुताबिक रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायधीश छह महीने तक टाइप-सात बंगले में रह सकते हैं। लेकिन चंद्रचूड़ टाइप-आठ बंगले में आठ महीने से रह रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है।

इस मुद्दे पर चंद्रचूड़ ने कहा कि यह देरी उनके पारिवारिक कारणों की वजह से हुई। उन्होंने बताया कि उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है और उनके लिए उपयुक्त घर ढूंढ ना आसान नहीं था। सरकार ने उन्हें किराए पर दूसरा घर दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही वह शिफ्ट हो जाएंगे।

दिलचस्प बात यह है कि चंद्रचूड़ के रिटायरमेंट के बाद दो मुख्य

- पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है। सरकार ने किराये पर दूसरा मकान दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही शिफ्ट हो जाऊंगा।

न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला लेने से इन्कार कर दिया। दोनों ने अपने पुराने आवास में ही रहना पसंद किया। इसी वजह से चंद्रचूड़ को बंगले में अतिरिक्त समय मिलने में आसानी हुई।

सुप्रीम कोर्ट की तरफ से चंद्रचूड़ को पहले ही अप्रैल 2025 तक बंगला रखने की अनुमति दी गई थी। बाद में मई 2025 तक मौखिक रूप से मोहलत भी मिली। लेकिन अब वह समय भी बीत चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब और इंतजार नहीं किया जा सकता क्योंकि कई जजों को आवास की जरूरत है।

चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों का एहसास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कुछ ही दिनों में बंगला छोड़ देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले कई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों को भी परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त समय दिया गया है। वह यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के साथ पहले ही साझा कर चुके हैं।

यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा कम ही देखा गया है जब अदालत को अपने आधिकारिक निवास को खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को लिखित रूप से कहना पड़े। आमतौर पर ऐसे मामलों में अंदरखाने समाधान निकाल लिया जाता है। लेकिन मौजूदा हालात में अदालत को सख्त कदम उठाना पड़ा, जिससे यह मामला और ज्यादा सुर्खियों में आ गया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों का पहला जत्था गुंजी बेस कैंप पहुँचा

नैनीताल, 06 जून। कैलाश मानसरोवर यात्रियों का पहला जत्था रविवार को सकुशल सीमांत गुंजी पहुंच गया है।

पिथौरागढ़ के धारचूला के उप जिलाधिकारी जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि यह जत्था आज धारचूला से चल कर पहले आधार शिविर गुंजी पहुंच गया है। गुंजी में श्रद्धालुओं का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया।

उन्होंने बताया कि आज सुबह धारचूला तवाघाट मार्ग पर भारी भूस्खलन के कारण कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग बाधित हो गया था। भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और जिला प्रशासन की टीम

- गुंजी में श्रद्धालुओं का पारंपरिक रुप से स्वागत किया गया।

तत्काल मौके पर पहुंची और दोपहर तक मार्ग को पूरी तरह से चालू कर दिया गया इससे कैलाश यात्रियों को कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा।

वहीं दूसरी ओर कैलाश यात्रियों का जत्था आज धारचूला में रंग संग्रहालय पहुंचने पर रंग महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा में स्वागत किया। कैलाश यात्रियों को रं संस्कृति की जानकारी दी। कैलाश यात्रियों के दल ने रंग संग्रहालय को 10,000 की राशि भेंट स्वरूप दी।

विचार बिन्दु

दीपक सोने का हो या मिट्टी का, मूल्य दीपक का नहीं उसकी लौ का होता है, जिसे कोई अँधेरा नहीं बुझा सकता। –विष्णु प्रभाकर

हिंदी की स्वीकार्यता बनाम उसका विरोध

भारत सरकार ने हिंदी को अपनी राजभाषा घोषित कर रखा है और हिंदी के प्रति दक्षिण के कुछ राज्यों के प्रारंभिक विरोध के बाद हिंदी की स्वीकार्यता को लेकर स्थितियां लगभग सामान्य होने लगी थीं। हिंदी पढ़ने-बोलने और उसका प्रयोग करने से मिलने वाली सुविधाओं और लाभों के कारण उन क्षेत्रों के लोग भी हिंदी सीखने में रुचि लेने लगे थे जहां सामान्य जीवन में हिंदी का प्रयोग नहीं या बहुत कम होता था। हिंदी फ़िल्मों की लोकप्रियता, कुछ हिंदी धारावाहिकों की अत्यधिक लोकप्रियता और पर्यटन में वृद्धि की वजह से हिंदी के प्रयोग में खूब वृद्धि हुई है। अब देश का शायद ही कोई हिस्सा ऐसा हो जहां आपको केवल हिंदी जानने के कारण किसी बड़ी असुविधा का सामना करना पड़े। जिन्हें धंधा करना है वे अन्य कारणों पर अपने व्यावसायिक हितों को तरज़ीह देते हैं, इसलिए हिंदी करीब-करीब पूरे भारत में समझी जाने लगी है। भारत के बाहर, विदेशों में भी अनेक कारणों से हिंदी का प्रयोग बढ़ा है। जिन देशों में भारतीय अधिक संख्या में हैं वहां स्वभावतः हिंदी का चलन भी अधिक है। ऐसे कई देशों के बाज़ारों में तो आपको यह तक भ्रम होने लगता है कि आप उत्तर भारत के किसी शहर में हैं।

लेकिन इधर दक्षिण के कुछ राज्यों से एक बार फिर हिंदी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। यह बात समझने में अधिक कठिनाई नहीं होनी चाहिए कि विरोध के इन स्वरों के मूल में राजनीति है। सन् साठ के दशक में दक्षिण के कुछ राज्यों में हिंदी का जो विरोध हुआ था, उसके मूल में भी राजनीति ही थी। असल में भाषा के मामले में दो चीज़ें काम करती हैं। एक उससे मिलने वाले अवसरों की बात और दूसरे उसके विरोध से होने वाला राजनीतिक लाभ। लोग किसी भाषा के प्रति यह जानकर सबसे ज़्यादा आकृष्ट होते हैं कि उससे रोज़गार मिलने की संभावना कितनी बढ़ रही है। भारत में अंग्रेज़ी की स्वीकार्यता और लोकप्रियता के मूल में यह अकेली सबसे बड़ी बात है। अगर कल को किसी जादू से अंग्रेज़ी से रोज़गार मिलने की संभावनाएं क्षीण हो जाएं तो आप पाएंगे कि लोग अपने बच्चों को अंग्रेज़ी की शिक्षा दिलवाने के बारे में इतने उत्साही भी नहीं रह जाएंगे। यही बात अभी बहुत सारी प्रांतीय भाषाओं के बारे में भी सच है। भले ही उन्हें अपनी मातृभाषा के रूप में पसंद करने वाले और उन भाषाओं के प्रति प्रगाढ़ अनुराग रखने वाले खूब कोशिश कर रहे हैं, शिक्षण संस्थाओं में इन भाषाओं की लोकप्रियता परवान नहीं चढ़ पा रही है। वजह वही कि हम अमुक भाषा को पढ़ तो लेंगे, लेकिन वह हमें रोज़गार दिलाने में तो सहायक नहीं होगी। इसलिए उसे पढ़ें भी क्यों! ज़ाहिर है कि ऐसे मामलों में भावुकता बहुत दूर तक आपका साथ नहीं देती है। इसी तरह किसी भाषा के विरोध के पीछे सबसे कारण उस विरोध से मिलने वाला राजनीतिक लाभ होता है।

इधर भारत में भाजपा के वर्चस्व वाली सरकार है और भाजपा की भाषा नीति सर्व विदित है। वह हिंदी की पक्षधर है। भाजपा के बड़े नेता, जिनमें सरकार की बड़ी शख़्सियतें भी शामिल हैं, समय-समय पर हिंदी के पक्ष में बयान देते रहते हैं। ऐसा करके वे कुछ भी ग़लत नहीं करते हैं। हिंदी हमारे देश के संविधान के अनुसार हमारी राजभाषा है और सभी को इसे इस रूप में स्वीकार करना भी चाहिए। वैसे भी भारत जैसे बहु भाषा भाषी देश में किसी एक ऐसी भाषा की ज़रूरत बहुत ज़्यादा है जो पूरे देश को एक सूत्र में बांध सके, और जो अलग-अलग भाषा बोलने वालों के बीच पुल का काम कर सके। उदाहरण के लिए अगर एक बांग्ला भाषा भाषी को किसी तेलुगु भाषा बोलने वाले से संवाद करना हो तो वह किस भाषा में करेगा? कहना अनावश्यक है कि इन दोनों के बीच संवाद की वह भाषा हिंदी ही हो सकती है। बहुत लोग यह हक़ अंग्रेज़ी को देना चाहते हैं और एक संपर्क भाषा के रूप में वे इसका प्रयोग करते भी हैं। लेकिन इस बात को स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि अपनी अत्यधिक स्वीकार्यता के बावज़ूद अंग्रेज़ी हमारी भाषा नहीं है। शायद यही सोच उन लोगों का भी रहा होगा जिन्होंने हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए भाषा नीति तैयार की, और उसमें तीन भाषाओं की शिक्षा का प्रावधान रखा।

वैसे भी भारत जैसे बहु भाषा भाषी देश में किसी एक ऐसी भाषा की ज़रूरत बहुत ज़्यादा है जो पूरे देश को एक सूत्र में बांध सके, और जो अलग-अलग भाषा बोलने वालों के बीच पुल का काम कर सके। उदाहरण के लिए अगर एक बांग्ला भाषा भाषी को किसी तेलुगु भाषा बोलने वाले से संवाद करना हो तो वह किस भाषा में करेगा? कहना अनावश्यक है कि इन दोनों के बीच संवाद की वह भाषा हिंदी ही हो सकती है।

सन् 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार हर विद्यार्थी को तीन भाषाएं सीखनी होती हैं और इससे भारत की भाषा बहुलता और राष्ट्रीय एकता के सुदृढ़ होने की अपेक्षा की गई थी। इसी भाषा नीति को 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी बरकरार रखा गया है। तो यही भाषा नीति दक्षिण के राज्य कर्नाटक में भी लागू है। इधर अख़बारों में एक ख़बर छपी है कि मार्च अप्रैल 2024 में आयोजित हुई एसएसएलसी (एएथ्थ) परीक्षा में लगभग 1.42 लाख विद्यार्थी हिंदी के कारण अनुत्तीर्ण हुए, और इस बात से राज्य में असंतोष का माहौल है। कर्नाटक में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू है और वहां के विद्यार्थियों को छठी कक्षा से तीन भाषाएं पढ़नी होती हैं। पहली भाषा के रूप में वे आम तौर पर कन्नड को चुनते हैं। दूसरी भाषा अंग्रेज़ी होती है और तीसरी भाषा के रूप में वे सामान्यतः हिंदी को चुनते हैं। वैसे वे हिंदी की बजाय संस्कृत, उर्दू, तमिल, तेलुगु या मराठी को भी चुन सकते हैं, लेकिन चुनाव की यह सुविधा बहुत कम स्कूलों में उपलब्ध है। अब जो आधिकारिक आंकड़े हमारे सामने हैं उनके अनुसार इस परीक्षा में 7,21,782 विद्यार्थी शामिल हुए थे और उनमें से 5,79,382 अर्थात 80.27 प्रतिशत उत्तीर्ण हो गए। शेष 1,42,400 अर्थात लगभग बीस प्रतिशत विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए, और बताया जा रहा है कि उनके अनुत्तीर्ण होने का कारण हिंदी है। जो बात नहीं कही गई वह यह कि इन विद्यार्थियों के अनुत्तीर्ण होने की एक बड़ी वजह ख़ुद राज्य सरकार भी है। यह बात सर्व विदित है कि कर्नाटक में हिंदी शिक्षकों की कमी है। यह तथ्य है कि यहां हिंदी शिक्षकों के जो 5060 पद स्वीकृत हैं उनमें से केवल 3532 पदों पर ही शिक्षक कार्यरत हैं और शेष 1,528 हिंदी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। अब यह बात समझ में आ जानी चाहिए कि ये जो 1,42,400 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए हैं इनके अनुत्तीर्ण होने के मूल में हिंदी नहीं, हिंदी शिक्षकों की कमी है। लेकिन ठीकरा हिंदी के सर फोड़ा जा रहा है! इधर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने एक बयान देकर तीन भाषा वाले फॉर्मूले की जगह दो भाषाओं वाला फॉर्मूला लागू करने की बात कही है। वे तीसरी भाषा (मुख्यतः हिंदी) को पढ़ाना अनावश्यक मानते हैं।

यह बात समझने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि देश के बहुत सारे राज्यों की तरह कर्नाटक में भी अपनी भाषा के प्रति अनुराग बहुत ज़्यादा है और इधर तो वहां अन्य भाषा बोलने वालों को छिटपुट हिंसा का सामना भी करना पड़ा है। स्थानीय अस्मिता के आग्रह अन्य भाषाओं की स्वीकार्यता को चुनौती देते हैं और स्वाभाविक ही है कि स्थानीय सरकार भी इस आग्रह के पक्ष में खड़ी नज़र आती है। अगर कर्नाटक सरकार समुचित संख्या में हिंदी शिक्षक नियुक्त नहीं करती है तो उसकी उदासीनता को समझा जा सकता है। लेकिन जब समाचार माध्यम हिंदी को अपना निशाना बनाते हैं तो मन दुखी होता है। लेकिन इस सबके बीच यह जानना सुखद भी है कि कर्नाटक के निजी स्कूलों के शिक्षकों के संगठन ने मुख्यमंत्री जी की इस मंशा से असहमति व्यक्त करते हुए त्रिभाषा फॉर्मूले की उपादेयता को रेखांकित किया है।

मुझे हमेशा लगता है कि भाषा के दो पक्ष हैं। एक सैद्धांतिक और दूसरा व्यावहारिक। सैद्धांतिक पक्ष यह है कि हमारे संविधान के अनुसार हिंदी इस देश की राजभाषा है तो हम सबको बिना किसी ना-नुकर के उसे स्वीकार करना चाहिए। लेकिन ईमानदारी की बात यह है कि सैद्धान्तिक बात व्यवहार में भी लागू होती हो यह ज़रूरी नहीं। क्या यह याद दिलाने की आवश्यकता है कि देश का एक बड़ा संगठन लंबे समय तक देश के राष्ट्र ध्वज से ही परहेज़ करता रहा है। क्या यह भी याद दिलाने की ज़रूरत है कि बहुत सारे लोग देश के राष्ट्रगान के रूप में गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर रचित जन गण मन को खुले मन से स्वीकार नहीं कर पाते हैं! ऐसे में अगर कुछ लोग हिंदी को भी उसी तरह स्वीकार नहीं कर पाते हैं तो यह एक यथार्थ है, भले ही यह हमारा सोच न हो। दूसरा पक्ष जो व्यावहारिक है वह सीधे भाषा की उपादेयता से जुड़ा है। लोग अपने आप वह भाषा सीख लेते हैं जिससे उनका काम चलता है और जिससे उनको फायदा होता है। हममें से बहुतों ने अंग्रेज़ी को इसी तर्क की वजह से अपनाया है, भले ही हम इसे ग़ुलामी की भाषा कहकर इसके प्रति अपना रोष भी व्यक्त करते रहे हैं। और इसी तरह आज पूरे देश में किसी न किसी रूप में हिंदी भी बोली-पढ़ी जाने लगी है। हम सबका प्रयास यही होना चाहिए कि हिंदी की स्वीकार्यता बढ़े और ऐसा हर काम करने से हमें बचना चाहिए जो हिंदी का विरोध करने वालों को अपने प्रयास तेज़ करने का मौका दें। यह समझा जाना ज़रूरी है कि किसी भी भाषा को, चाहे उससे हमारा कितना ही लगाव क्यों न हो, बल पूर्वक स्वीकार्य नहीं बनाया जा सकता।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

सीडीएसएल और एनएसडीएल का विलयः अब देरी नहीं, जरूरी है बदलाव

सुनील दत्त गोयल

कई बार ऐसा होता है कि एक व्यवस्था, जो कभी देश की ज़रूरत थी, समय के साथ अनावश्यक बोझ बन जाती है। भारत के पूंजी बाजार में सीडीएसएल (सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज़ (इंडिया) लिमिटेड) और एनएसडीएल (नेशनल सिक्योरिटीज़ डिपॉजिटरी लिमिटेड) भारत के दो पंजीकृत प्रतिभूति डिपॉजिटरी (सिक्योरिटीज़ डिपॉजिटरीज़) हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक रूप में शेयर, बॉन्ड्स आदि प्रतिभूतियों को संठाहित करने वाली ;सुरक्षित तिजोरियाँ; हैं, ठीक वैसे ही जैसे बैंक धन रखता है।

इनकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारतीय शेयर बाजार को पुरानी कागजी व्यवस्था से निकालकर सुरक्षित, तीव्र और डिजिटल प्रणाली में बदलना था। पूर्व में शेयर भौतिक प्रमाणपत्रों के रूप में होते थे, जिनमें खोना, जलना, चोरी, नकली हस्ताक्षर या डिलीवरी में हफ्तों की देरी जैसी समस्याएँ आम थीं। डिपॉजिटरी ने इन जोखिमों को समाप्त कर शेयरों को डीमैट रूप में परिवर्तित किया, जिससे लेनदेन की गति बढ़ी (अब T+2 सेटलमेंट यानी ट्रेड के 2 दिन में हस्तांतरण), निवेशक सुरक्षा सुनिश्चित हुई (इलेक्ट्रॉनिक स्वामित्व से धोखाधड़ी व ;खराब डिलीवरी; का अंत), लागत घटी (स्टाम्प ड्यूटी, डाक खर्च में 90 प्रतिशत कमी), और बाजार वैश्विक मानकों के अनुरूप हुआ (विदेशी निवेशकों के लिए विश्वसनीयता)।

सीडीएसएल (1999 में स्थापित) और एनएसडीएल (1996 में भारत की पहली डिपॉजिटरी) में कुछ प्रमुख अंतर हैं:–प्रमोटर्स: सीडीएसएल को बीएसई, एसबीआई, एलआईसी आदि तथा एनएसडीएल को एनएसई, आईडीबीआई, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक जैसे संस्थानों का समर्थन प्राप्त है।

ग्राहक आधार: सीडीएसएल अधिकतर छोटे निवेशकों व ब्रोकर्स को सेवा देती है, जबकि एनएसडीएल संस्थागत निवेशकों (जैसे म्यूचुअल फंड, एफआईआई) पर केंद्रित है।

दावा क्या था, हक़ीकत क्या है?

दोनों डिपॉजिटरीज़ – सीडीएसएल और एनएसडीएल – ढोंग करती हैं कि वे ;प्रतिस्पर्धा; लाती हैं।

लेकिन 2024 के आंकड़े इस झूठ को बेनक़ाब कर देते हैं:

प्रतिशत सीडीएसएल का बाज़ार हिस्सा: 76 प्रतिशत (सक्रिय खाते: 11.27 करोड़)

एनएसडीएलका बाज़ार हिस्सा: मात्र 24 प्रतिशत (सक्रिय खाते: 3.54 करोड़)

यह कैसी ;प्रतिस्पर्धा;? यह तो एक स्पष्ट एकाधिकार (सीडीएसएल) है, जिसके साथ एक दयनीय, कमज़ोर दूसरा खिलाड़ी (एनएसडीएल) खींचा जा रहा है! इसे बनाए रखना सरकारी और निजी संसाधनों की सीधी बर्बादी है – और कोई नहीं।

वित्तीय बर्बादी: आँखें खोलने वाले आंकड़े

एनएसडीएलका लागत ढांचा: एफवाइ 24 में एनएसडीएलने सीडीएसएल(221.6 करोड़) से ज़्यादा लेनदेन राजस्व कमाया (308.6 करोड़), लेकिन फिर भी उसका ईबीआईटडा (382.49 करोड़) सीडीएसएल(584.43 करोड़) से काफ़ी पीछे रहा। सीधा मतलब? एनएसडीएलका संचालन बेहद अक्षम, फूहड़ और महंगा है। उसका पूरा मॉडल ही घाटे का सौदा लगता है!

दोहराव का अंत क्यों ज़रूरी है?

सीडीएसएल और एनएसडीएल, दोनों एक जैसी सेवाएं देती हैं – डिमैट, रीमैट, ई-वोटिंग, सिक्योरिटी ट्रांसफर वगैरह। इन कार्यों के लिए अलग-अलग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना, अलग टीमें रखना और अलग तकनीकी व्यवस्थाएं चलाना – यह सब उस समय में हो रहा है जब हम डिजिटल इंडिया की बात करते हैं। यूरोपीय संघ से लेकर नॉर्वे, स्वीडन और यूके तक – सभी ने समय रहते फाइनेंशियल सेक्टर में एकीकरण की राह अपनाई और बेहतर परिणाम पाए। जब ये विकसित राष्ट्र एक नियामक मॉडल की ओर बढ़ सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं?

विलय के संभावित लाभ

1. लागत में भारी कमी: एकीकृत सिस्टम में स्केल की अर्थव्यवस्था मिलती है। क्लाउड आधारित संचालन से 40प्रतिशत तक लागत घटाई जा सकती है।

2. बेहतर जवाबदेही और पारदर्शिता: एक डिपॉजिटरी होने से जवाबदेही तय होगी, कार्यों में स्पष्टता आएगी और निवेशकों को भ्रम नहीं रहेगा।

3. निवेशक सेवा में सुधार: एक ही प्लेटफॉर्म से सभी सेवाएं मिलने पर निवेशकों को आसानी होगी। एकल पोर्टल से पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

4. तकनीकी लाभ: ए आई, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक तकनीकी उपायों का बेहतर और केंद्रीकृत इस्तेमाल संभव हो पाएगा।

5. जोखिम प्रबंधन में सुधार: दो अलग-अलग सिस्टम्स के बजाय एक सिस्टम में जोखिम का मूल्यांकन और नियंत्रण बेहतर हो सकेगा।

प्रतिस्पर्धा का भ्रम

कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि दो संस्थाएं प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं। लेकिन यह बात यहां लागू नहीं होती। असली प्रतिस्पर्धा डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के स्तर पर होती है, न कि खुद डिपॉजिटरी संस्थानों में। जब 76 प्रतिशत का एकाधिकार पहले से ही मौजूद हो, तो प्रतियोगिता की बात करना केवल दिखावा है।

क्या होना चाहिए आगे का रास्ता?

सरकार और नियामक संस्थाओं को अब इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। पर यह बदलाव अचानक नहीं होना चाहिए। इसके लिए एक सुव्यवस्थित और चरणबद्ध योजना जरूरी है:–चरणबद्ध तकनीकी एकीकरण, ताकि ट्रांजिशन स्मूथ रहे। कर्मचारियों की सुरक्षा, ताकि संस्थाओं के मौजूदा कर्मचारियों की नौकरियां सुरक्षित रहें। 2-3 वर्षों का ट्रांजिशन पीरियड, ताकि कोई व्यवधान न हो। स्पष्ट और सशक्त कानूनी ढांचा, जिससे भविष्य में किसी तरह का कानूनी भ्रम न रहे।

निष्कर्ष:– यह एक बहुत ही ज़रूरी और विचारणीय मुद्दा है। हमारे देश में सीडीएसएल और एनएसडीएल दो डिपॉजिटरी संस्थाएं हैं जो निवेशकों के लिए लगभग एक जैसी सेवाएं देती हैं, लेकिन इनके काम करने के तरीके, प्रक्रियाएं और शुल्क एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। अगर किसी व्यक्ति को इनमें से किसी एक में खाता खोलना हो, तो उसे अलग-अलग फॉर्म, अलग एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर), अलग केवाईसी और अलग शुल्क जैसी प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है। जबकि इन दोनों पर सरकार का पूरा नियंत्रण है, फिर भी इनके सिस्टम इतने अलग क्यों हैं – यह समझ से बाहर है।

मैं स्वयं पिछले 45 वर्षों से शेयर बाजार से जुड़ा हूं और मेरे अनुभव के आधार पर कहना चाहूंगा कि आज भी अगर कोई निवेशक एक डिपॉजिटरी से दूसरी में खाता ट्रांसफर करना चाहे, तो उसे काफी कठिनाई झेलनी पड़ती है। ऐसे में ज़रूरत है कि इन दोनों संस्थाओं को पूरी तरह डिजिटल किया जाए ताकि खाता खोलने से लेकर बंद करने और लेनदेन तक कोई भी प्रक्रिया कागज़ों पर आधारित न हो। मानव हस्तक्षेप भी खत्म हो जाए – तभी डिजिटल भारत और पेपरलेस प्रोसेस का सपना पूरी तरह साकार होगा। अब सवाल यह है कि क्या इन दोनों का विलय होना चाहिए? तो मेरा मानना है – बिल्कुल होना चाहिए। भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, और ऐसी संस्थाएं जो एक जैसे काम कर रही हैं, उनका पुनर्गठन या विलय जरूरी है ताकि दोहराव से बचा जा सके और संसाधनों की बचत हो। कुछ लोगों को चिंता हो सकती है कि इससे एक संस्था की मोनोपोली हो जाएगी, लेकिन जब इनका संचालन सरकार के नियंत्रण में है तो ऐसी आशंकाएं बेबुनियाद हैं।

इसके उलट, यदि यह दोनों संस्थाएं एक हो जाती हैं, तो उनकी मार्केट वैल्यू और निवेशकों का भरोसा और बढ़ेगा। यह हमारे देश को आर्थिक दृष्टि से और मज़बूत बनाएगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक बड़ी छलांग साबित होगा। भारत ने जब यूपीआई, डिजिटल पेमेंट और जीएसटी जैसे बड़े बदलाव सफलतापूर्वक अपनाए हैं, तब सीडीएसएल और एनएसडीएल का एकीकरण भी असंभव नहीं है। अब समय आ गया है कि भारत अपने पूंजी बाजार को मज़बूत करने के लिए यह कदम उठाए – ताकि निवेशकों को सरल, पारदर्शी और एकीकृत सेवाएं मिल सकें। सीडीएसएल और एनएसडीएल का विलय – यह अब एक विकल्प नहीं, बल्कि समय की मांग है।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

अपने-अपने गांधी, अपने-अपने राम

राम निवास बैरवा

श्रद्धा का सैलाब आस्था का शिखर होता है। विचार-विवेक उन्हें गिरा-ढिगा नहीं पाते। बल्कि विचार-विवेक उन्हें उग्र बना देता हैं। अपनी श्रद्धा के शिखर पुरूष की अतिमानवीय छवि की रक्षा करने पर उतारू उस जन सैलाब में अपने-अपने स्वार्थों के कारण धर्मों, जातियों और नस्लों के रूप में उप-विभाजन कर दिया जाता है। तब विचारों और विवेक को पीछे हटना पड़ता है, क्योंकि उस शिखर पुरूष के इर्द-गिर्द जमा स्वार्थ सिद्ध करने वाले अपने लक्ष्य की प्राप्ति में ही लगे रहते हैं। अपने उन प्रचारकों के बीच आस्था के शिखर पुरूष के विचारों से असहमति जताकर भी वह अपने अनुगामी लोगों के समूह को देखकर भाव विभोर हो जाता है। जनता समूह और सत्ता के गलियारों में भी उसको पूजनीय बना दिया जाता है। इस प्रकार किसी भी संस्था या आन्दोलन में दो या दो से अधिक शिखर-पुरुष अवतरित हो जाते हैं।

सच्चाई बहुत ही हठीली चीज है, वह कभी भी, किसी भी रूप में बाहर आ ही जाती है। सच्चाई को बाहर लाने वाले पहले चार्वक कहे जाते थे और आज वामपंथी। वामपंथी इसलिए कि संसदों में सत्ता पक्ष दार्यी तरफ की कुर्सियों पर बैठाये जाते हैं तथा विरोधियों को बार्यी तरफ की कुर्सियों पर। और सत्ता पक्ष का विरोध करता है, इसलिए वामपंथी कहलाते हैं। सत्ता पक्ष, जैसे भी संभव हो सरकारी हिंसा और राजनीतिक हिंसा का सहारा लेकर विपक्ष को, वामपक्ष को, वामपंथ को दबाने की कोशिशें करता है। ऐसे में वे, उपनिषदों के नेति-नेति के सिद्धांत पर चलते हुए, अपने अपने विचारों, अपने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हैं। ये उनके अपने विचार, उनकी अपनी-अपनी मान्यताएं हैं। ये ही उनके अपने अपने गांधी होते हैं और अपने अपने राम होते हैं।

भगवान सिंह ने वर्षों पहले एक उपन्यास लिखा था, 'अपने अपने राम'। राम एक आदर्श पुरूष के रूप में स्थापित चरित्र है। राम को कई मिथकों, कई कथाओं, कई उप-कथाओं के माध्यम से मर्यादा की प्रतिमूर्ति, पुरूषोत्तम से उठा कर किसी अदृश्य शक्ति 'विष्णु' का अवतार बनाकर अपौरूषेय बना दिया गया। इस प्रकार राम की सामाजिक आदर्श-चरिता को अतिमानवीय रूप दे दिया गया। इन्हीं के बीच भगवान सिंह ने राम के सामाजिक एवं मानवीय रूप को बताने की कोशिश की थी। वह भी शायद श्रद्धा के उस सैलाब का कोप-भजन बन सकता था, अतः अपनी कृति, अपने विचारों को "अपने अपने राम" शीर्षक दिया था। वस्तुतः पूरी राम कथा अ-ब्राह्मण ऋषि विश्वामित्र और ब्राह्मण ऋषि वशिष्ठ के बीच तत्कालीन समाज का जाति व्यवस्था में संक्रमण के संघर्ष की कथा कही गई है, 'राम' को उसका नायक बताया गया है।

दशरथ की तीन पत्नियों का चार पुत्रों को नियोग की खीर खाकर जन्म देने से, राम और लक्ष्मण विश्वामित्र के शिष्यत्व में रहे और भरत और शत्रुध्न वशिष्ठ के शिष्यत्व में। ऋषि परम्परा को मानने वाले विश्वामित्र ने लांछित अहिल्या को राजकुमार राम के माध्यम से सम्मान दिलवाना, अकाल में त्याग दी गयी लड़की सीता को जनक द्वारा पुत्री की तरह राजकुमारी बनाकर सक्षम राजकुमार राम से विवाह कराने में भी विश्वामित्र की भूमिका रही थी, क्योंकि बिना कुल गौत्र की लड़की से किसी भी राजकुमार से विवाह को रक्त की शुद्धता के पक्षधर उर्वशी नंदन वशिष्ठ की टीम कैसे स्वीकार कर सकती थी? बिना कुल गौत्र की सीता विवाह के बाद महारानी कैसे बन सकती थी, सो राम को सीता के साथ विश्वामित्र के अन्य शिष्य लक्ष्मण को भी वनवास दिलवाया गया। अन्त में गर्भवती सीता के वनवास को भी विश्वामित्र द्वारा संरक्षित और सुरक्षित बनाया गया था। इस कथानक के अलावा आपके अपने भी राम हो सकते हैं, मेरे अपने भी राम हो सकते हैं? लेकिन राजनीतिक हित साधकों के बीच राम को सही तरह से पहचानना मुश्किल है, क्योंकि उनके पीछे-पीछे चलने वाला जन-सैलाव किन्हीं लोगों के राजनीतिक सत्ता प्राप्ति का माध्यम है, राम को मर्यादा पुरूषोत्तम कम, लेकिन राजनीतिक सत्ता प्राप्ति का माध्यम ज्यादा माना गया है।

आधुनिक भारत के इतिहास में भी सत्ता के शिखर पर पहुँचने वालों ने मोहनदास गांधी को राष्ट्रपिता बना दिया और उन्हें कानूनी रूप से किसी भी प्रतिक्रिया और आलोचना से परे रखा गया है। गांधीजी के अलावा और भी कई लोगों को किसी भी तरह की आलोचना से परे रखा गया है जो कि गांधीजी के समकालीन हैं और विचार-चिंतन में उनके आलोचक भी रहे हैं। राम को भी किसी आलोचना से परे रखने का रिवाज चल रहा है।

गांधीजी, हालांकि किसी अन्तर महाद्वीपीय राजहंस की पीठ पर सवार होकर भारत नहीं आये थे, बल्कि वाया लंदन किसी मिशन को पूरा करने के लिए भारत आये थे। 1915 में उनके भारत आगमन के बाद अगले तीन महिनों में ही हरिद्वार में हिन्दू महासभा बनाने वालों के समूह में शामिल रहे। बाद में 1920 में नागपुर के कांग्रेस अधिवेशन में अपनी प्रतिबद्धताओं को अमल में लाना शुरू किया। लेकिन यह सब पर्याप्त नहीं था। अतः, नैतिक आदर्शों की पैरवी करने वाले के रूप में 1924 से स्वयं में परिवर्तन किया, जिससे उन्हें महात्मा का दर्जा दे दिया गया। उसी महात्मा के चारों और भारत की संत-पूजक जनता सिमटती गई और राजनीतिक सीढ़ियां चढ़ने वालों ने सत्ता के शिखर तक पहुँचने का रास्ताबना लिया था। सत्ता प्राप्ति के बाद गांधीजी के ग्राम स्वराज वाले राम राज्य के बदले 'लोकतन्त्र' का रास्ता अपनाया गया। इस लोकतन्त्र में अन्य सहभागियों का हिन्द स्वराज्य, हिन्दू राज्य आदि पीछे छूट गये। मुस्लिम-स्वराज का पाकिस्तान बना दिया गया। उम्मीद की गई थी कि मुसलमान पाकिस्तान में चले जायेंगे तब विशुद्ध हिंदू ही भारत में रह जायेंगे। परंतु, पाकिस्तान के हिस्से में जितने मुसलमान बसे उनसे ज्यादा तो भारत में रह गये। इसी लोकतन्त्र की व्यवस्था ने गांधीजी के पूजकों को सत्ता तो मिली ही, महात्मा गांधी के विरोधियों को भी सत्ता के शिखर तक पहुँचाने का मार्ग निर्धारित कर दिया था। और, वे सत्ता के शिखर तक पहुंच भी गये, परन्तु गांधीजी के राष्ट्रपिता के दर्जे को वापस लेने स्थिति में इस लोकतान्त्रिक व्यवस्था में कोई नहीं आ सकता। बेशक चाहे कोई महात्मा गांधी की सैकड़ों बातों को लेकर आलोचना कर सकते हों, चर्चिल का गांधी अलग था, इरविन का अलग, नेहरू का अलग गांधी था तो सावरकर का अलग। सबके अपने अपने गांधी रहे हैं और हैं भी। लेकिन वे गांधीजी के राष्ट्रपिता के आभामंडल से, उनके प्रभामंडल से बाहर नहीं निकल सकते। चाहे राम को 'राम-राम' के स्वाभाविक अभिवादन से निकाल कर "जय सिया राम" और "जय श्री राम" केजयघोष तक ले आये हों, महात्मा गांधी को उनकी अपनी स्थिति से डिगाने की कोशिश में हो सकते हों, परन्तु राष्ट्रपिता घोषित हो जोने के बाद गांधी अडिग है। अपने-अपने गांधी होने का यही फलसफा है।

–राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

झुंझुनूं शहर में जलभराव की समस्या को लेकर कलेक्टर ने नाराजगी जताई

झुंझुनूं, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने झुंझुनूं शहर में जलभराव की समस्या पर नाराजगी जाहिर की है।

■ **नगर परिषद के अधिकारियों को फटकार लगाई**

रविवार को झुंझुनूं में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. अरूण गर्ग ने कहा कि उन्होंने भी रोड नंबर तीन पर होने वाले जलभराव की समस्या को खुद देखा है। इसके बाद उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए इसके स्थायी समाधान के लिए प्लान बनाने और साथ ही साथ नगर परिषद में एक क्विट रेस्पोंस टीम बनाने के निर्देश दिए हैं। डॉ. गर्ग ने कहा कि यह बात सही है कि नगर परिषद ने नालों की सफाई करने में देरी की है, जिसके कारण वर्तमान में हो रही बारिश के कारण जगह-जगह पर जलभराव की समस्या पैदा हो रही है, लेकिन हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर कहा कि जिले में अब तक किए गए दौरों और आमजन से हुई बातचीत में सामने आया है कि जिले में रास्तों की समस्या, एक बड़ी समस्या है। और जिलों में भी रास्तों की समस्या है, लेकिन झुंझुनूं में यह समस्या अन्य जगहों से ज्यादा है। रास्तों के लिए वर्तमान में राज्य सरकार का अभियान चल रहा है, लेकिन इसके बाद भी इसे लेकर प्लान बनाकर काम होगा। एक सवाल का जवाब देते हुए डॉ. अरूण गर्ग ने कहा कि झुंझुनूं शहर में अस्थायी अतिक्रमणों से जाम की स्थिति और पार्किंग की समस्या को लेकर भी वे सोमवार को मंडे मिटिंग में अधिकारियों से सवाल जवाब करेंगे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 7 जुलाई, 2025

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 1:12 तक, शुभ योग रात्रि 10:02 तक, बव करण दिन 10:13 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:15 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:25 तक, शुभ 9:07 से 10:49 तक, चर 2:14 से 3:56 तक, लाभ-अमृत 3:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:20

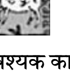

मेष

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

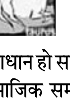

वृष

परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

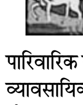

सिंह

घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

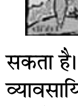

कन्या

आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

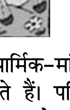

तुला

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मकर

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा।

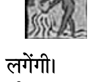

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

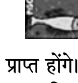

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

रोड कट रिपेयर करने में धांधली, करोड़ों रुपए की बर्बादी

मामला महेश नगर 80 फीट रोड के रोड कट रिपेयर का है

जयपुर। राजधानी में जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स घटिया सड़क बनवा कर जेडीए की करोड़ों रुपए की बर्बादी कर रहे हैं। इस कारनामे से आमजन की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि ना जाने बारिश में कब, कौनसी सड़क धंस जाए।

ताजा मामला जेडीए के जोन 5 के महेश नगर 80 फीट रोड के रोड कट रिपेयर और नवीनीकरण का है। यहां पर करोड़ों रुपए का काम दो-दो फर्मों ने किया था। इनमें एक कृतिका कंस्ट्रक्शन और दूसरी श्री कृष्णा इन्फ्रा है। इनके काम की क्वालिटी इस कदर घटिया है कि सड़क एक बरसात के बाद ही जगह जगह से बैठ गई। उसमें खड्डे हो गए और पानी भर गया। अब जीएसबी का मसाला भर कर अपनी गलती को छिपाया जा रहा है।

सूत्रों की माने तो महेशनगर 80 फीट रोड पर गत दिनों राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने भूमिगत केबल का काम किया था। इसके लिए पूरी सड़क की दो-दो मीटर खुदाई कर दी थी। रोड कट का पैसा भी प्रसारण निगम ने जमा करा दिया था। इसके बाद जेडीए ने रोड कट रिपेयर करने का टेंडर किया जो कृतिका कंस्ट्रक्शन और श्री कृष्णा इन्फ्रा के नाम पर खुला। उसके दस दिन में ही रोड के नवीनीकरण का टेंडर भी खोल दिया जो दीपक कंस्ट्रक्शन के नाम पर खुला। अब करोड़ों रुपए का एक ही काम दो-दो फर्म कर रही है। मौके पर हालात कुछ अलग ही कहानी कह रहे हैं।

मिट्टी पूरी नहीं, रोलर नहीं चला, सड़क पोली:- जिस फर्म ने ग़ोड कट का काम किया उसने पहले गड्ढो को मिट्टी से भर दिया लेकिन उसमें पानी नहीं छोड़ा ढंग से रोलर नहीं चलाया जिससे मिट्टी बैठ नहीं पाई। इससे सड़क पोली रह गई बरसात का पानी जाने से यह जगह जगह से बैठ गई। कई जगह खड्डे हो गए जिन्हें अब जीएसबी से भरा जा रहा है।

- **बारिश में कई जगह धंस गई सड़कें, ठेकेदारों को करोड़ों रुपए का फायदा और जेडीए को नुकसान**

इस तरह काम होना था:- कृतिका और श्री कृष्णा इन्फ्रा ने यहां काम किया। जीएसबी डब्लूएमएम डालनी थी जो पूरी नहीं डाली। यह डेढ फुट तक डालनी थी लेकिन पूरी तरह नहीं डाली। इसके बाद डब्लूएमएम को रोड से 90 एमएम नीचे रखना था।

पूर्व बनी हुई रोड से। वो काम भी नहीं किया। इसके बाद डीबीएम 50 एमएम डालनी थी जो नहीं डाली। डीबीएम में डामर भी मामूली सी थी। इसमें बिटुमिन कंक्रीट निर्धारित मात्रा में नहीं डाली।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए अकादमी का संभाला पदभार

जयपुर। राज्य सहकारिता विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन हेतु गठित आरसीए एडहॉक कमेटी ने आज सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पहुंच विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभाला। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए एकेडमी थर्ड फ्लोर स्थित आरसीए ऑफिस में कमेटी सदस्यों धनञ्जय सिंह खींवसर , पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवारी व मोहित यादव के साथ विधिवत रूप आरसीए एडहॉक कमेटी का पदभार संभाला। कुमावत ने आरसीए एडहॉक कमेटी के पदभार ग्रहण समारोह में मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री ने आरसीए एडहॉक कमेटी को राज्य में क्रिकेट के विकास व संचालन की जो जिम्मेदारी दी है,उसे समस्त आरसीए पूर्ण लगन व निष्ठां से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे।

वाहन अलग इंसान अलग। एक तरफ विकाश के साथ साथ लोगो की दो पहचान बन गई एक अमीर एक गरीब। अमीर अपनी हैसियत के आधार पर सुविधाओ का स्तेमाल करता है और अपने जीवन को खुशियों से भरता है दूसरी तरफ गरीब भी अपनी स्थिति के अनुसार सुविधाओं की व्यवस्था कर उनके जरिए अपने जीवन को आसान बनाने की कोशिश करता है। विद्याधर नगर में एक कीमती गाड़ी में सफर करता एक इंसान व उसके साथ ही दूसरा इंसान अपने परिवार के बच्चों को एक हाथ गाड़ी में खुशी खुशी सफर करते हुए।

महिला की चेन लूट भागे बाइक सवार बदमाश

जयपुर। विद्याधर नगर थाना इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने मॉर्निंग वॉक पर निकली एक बुजुर्ग महिला की चेन लूट ली। पुलिस जानकारी में सामने आया कि छीना-झपट्टी के दौरान झटका लगने से महिला रोड पर गिर गई। महिला हाथ में फ्रैक्चर और गले में चोट लगने से घायल हो गई। जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं पुलिस फुटेज के आधार पर बाइक सवार लुटेरों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि चेन स्नेचिंग की वारदात विद्याधर नगर के सेक्टर-7 निवासी अचला गुप्ता (70) के साथ हुई। जो सुबह मॉर्निंग वॉक पर घर से निकली थी। घर से कुछ दूरी पर पैदल घूमते जाते समय बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए। बदमाशों ने अचला के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ ली। छीना-झपट्टी के दौरान झटका लगने से अचला रोड पर गिर गई। जिसे देखते हुए बदमाश तेजी से बाइक लेकर फरार हो गए।

सुपुर्द ए खाक हुए ताजिये, कत्ल की रात को मनाया मातम

जयपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम रविवार को पूरे राजस्थान में अकीदत और गमगीन माहौल के बीच मनाया गया।

राजधानी जयपुर में इस अवसर पर 300 छोटे-बड़े ताजियों का जुलूस निकाले गए। इसमें सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। इससे पहले शनिवार की रात कत्ल की रात के रूप में मनाई गई। विभिन्न इलाकों से ताजियों को बाहर लाया गया। ढोल-नगाड़ों और मातमी धुनों के साथ यह ताजियों को देर रात तक गलियों और चौपड़ों में भ्रमण कराया गया।

कत्ल की रात में मातम मनाया गया। रामगंज, भट्टा बस्ती, जालूपुरा, एमडी रोड, शास्त्री नगर, चार दरवाजा, ईदगाह रोड, संसार चंद्र रोड सहित अन्य इलाकों में ताजियों की रौनक देखते ही बन रही थी। इन ताजियों में विश्व प्रसिद्ध मस्जिदों और दरगाहों की कलाकृतियां दर्शाई गई। रविवार को यौमे आशुरा पर शहर के अलग-अलग मोहल्लो से करीब 300 छोटे-बड़े ताजियों का मातमी धुनों पर जुलूस निकला, जो कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किए गए।

- **मातमी धुनों के साथ यह ताजियों को गलियों और चौपड़ों में भ्रमण कराया गया**
- **300 छोटे-बड़े ताजियों का जुलूस निकाले गए। इसमें सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे**

इसमें बगरू वालों का रास्ता, पन्नीगरान, हांडीपुरा, नीलगरान, चौकड़ी रामचंद्रजी, सीर की गरान, सीलावटान, नीलगरान नाहरगढ़, बड़वाली मस्जिद बाबू टीबा, यजदानी शास्त्रीनगर के ताजिए खास हैं।

ऐसे ही मोहल्ला तवायफान से 20 फीट ऊंचा ताजिया निकला। खास बात यह है कि यहां हर साल अभ्रक, मखमली कपडे, बांस और प्लास्टिक शीट से ही ताजिये बनाया गया। इस बार ज्यादातर ताजियों की ऊंचाई 15 फीट से अधिक रही।

बगरू वालों के रास्ते का 21 फीट ऊंचा ताजिया सबसे बड़ा रहा। कोविड के दौरान ऊंचाई कम की गई थी। जयपुर पुलिस ने इस धार्मिक अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। क्यूआरटी, ईआरटी, एसटीएफ, ट्रैफिक पुलिस, होमगार्ड सहित विशेष दस्तों को संवेदनशील इलाकों में लगाया गया।

शिविर आयोजित

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला जयपुर, युवा इकाई,राजस्थान एवं भारतीय जनता पार्टी जिला जयपुर इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर शनिवार को य, विद्याश्रम स्कूल के पास, दैनिक भास्कर कार्यालय के सामने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया।103 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ओर सचिव संजय पाबूवाल ने बताया कि षिविर में मुख्य अतिथि भाजपा के जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल रहे।

बिहाणी ने व्यस्तता की वजह से दिया इस्तीफा : कुमावत

जयपुर। नई एडहॉक कमेटी के कन्वीनर कुमावत ने कहा कि मुझसे पहले एडहॉक कमेटी के कन्वीनर रहे जयदीप बिहाणी विधायक भी हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी व्यस्तता के चलते कन्वीनर पद से इस्तीफा दिया था। आरसीए में किसी तरह के विवाद की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे जयदीप बिहाणी और धनंजय सिंह ने एक दूसरे के लिए कहा था, अब तक इस बारे में नहीं पता है। अगर फिर भी पहले कोई विवाद था तो मुझे उसकी जानकारी नहीं है। लेकिन भविष्य में कोई विवाद नहीं होगा हम सभी मिलकर काम करेंगे।

इसके बाद रविवार दोपहर में एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने बैठक कर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की पूर्व एडहॉक कमेटी द्वारा किए गए फैसलों को लेकर बैठक की। इसमें पूर्व कमेटी द्वारा गठित कमेटियों को रद्द करने का फैसला किया गया। कुमावत ने कहा कि भले ही सरकार ने हमें राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने के लिए यह जिम्मेदारी दी है। लेकिन इस बीच क्रिकेट गतिविधियों का संचालन भी बेहद जरूरी है। इसलिए हम उनके संचालन के लिए भी काम करेंगे। रणजी मैच से लेकर अंडर - 23, 19 और 16 जैसे तमाम टूर्नामेंट का आयोजन बेहद जरूरी है। उनके लिए ग्राउंड से लेकर अन्य संचालन गतिविधियों के साथ ही जिला संघों के चुनाव जैसी तमाम प्रक्रिया को अब हम पांच एडहॉक कमेटी के सदस्य मिलकर ही चलाएंगे।

साइबर ठग अब कॉल फॉरवर्डिंग का इस्तेमाल कर लोगों कर रहे है ठगी

जयपुर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने साइबर अपराधियों द्वारा अपनाई जा रही एक नई और खतरनाक साइबर ठगी की तकनीक के बारे में आम जनता को आगाह किया है। अपराधी अब "कॉल फॉरवर्डिंग" का इस्तेमाल कर लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उनके बैंक खाते और सोशल मीडिया तक पहुंच बना रहे हैं।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार अपनी रणनीति बदल रहे हैं, और इस बार उन्होंने सोशल इंजीनियरिंग का सहारा लिया है। वे सोशल मीडिया से आपकी निजी जानकारी जैसे जन्मदिन या एनिवर्सरी (शादी की सालगिरह) निकालकर आपको फोन या व्हाट्सएप कॉल करते हैं। वे अक्सर किसी सामान या पार्सल डिलीवरी का बहाना बनाते हैं और आपसे ओटीपी पूछने की कोशिश करते हैं।

कैसे करते हैं अपराधी यह धोखाधड़ी : धोखाधड़ी की इस कड़ी में साइबर ठग आपसे एक विशेष नंबर डायल करने के लिए कहते हैं। यह नंबर 21 से शुरू होता है और उसके बाद ठग द्वारा बताया गया नंबर होता है, और के साथ समाप्त होता है। जैसे ही आप यह नंबर डायल करते हैं, आपके मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो जाती है। इसका मतलब है कि आपके सभी आने वाले कॉल साइबर अपराधी के नंबर पर फॉरवर्ड हो जाएंगे। इस चाल से अपराधियों को आपके कॉल और एसएमएस/ओटीपी तक पूरी पहुंच मिल जाती है। वे इसका उपयोग आपके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए करते हैं और फिर आपके परिचितों से किसी भी बहाने से पैसे की मांग करते हैं।

राजस्थान पुलिस ने इस नई साइबर अपराध तकनीक से बचाव के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं: अपने जीमेल और व्हाट्सएप में तुरंत टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू करें। यह आपकी सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत है, अनजान नंबरों से आने वाली कॉल से बचें ।

दो लाख रुपये लूटने की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो लाख रुपये की लूट की झूठी सूचना देने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार शुदा आरोपित सट्टे में 1.60 लाख रुपए हारने पर लूट की झूठी कहानी रची थी। पुलिस कंट्रोल रुम को फोन कर लूट की सूचना दी कि दो गाड़ियों में आए बदमाश मारपीट कर दो लाख रुपए से भरा बैग छीन ले गए। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) राशि डोगरा डूडी ने बताया किजयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो लाख रूपये की लूट की झूठी सूचना देने के मामले में आरोपित सियाराम मीणा (32) निवासी लक्ष्मीनारायणपुरी दिल्ली बाईपास रोड गलता गेट को गिरफ्तार किया है। जिसने शनिवार शाम को पुलिस कंट्रोल रुम को सूचना दी कि दो गाड़ियों में आए बदमाशों ने उसकी बाइक का रुकवाकर मारपीट करते हुए दो लाख रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। इस पर मामला संदिग्ध मानते हुए सख्ती से पूछताछ करने पर सियाराम ने लूट की झूठी सूचना देना स्वीकार किया।

विद्यार्थियों का कराया विद्यारंभ संस्कार

जयपुर। शिक्षा के साथ विद्या का समन्वय स्थापित करने और भारतीय संस्कृति के मूल विद्यारंभ संस्कार को पुनर्स्थापित करने की दिशा में ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी की ओर से रविवार रामगंज चौपड़ स्थित मुरली मनोहर जी मंदिर में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विद्यारंभ संस्कार महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्थापक मणि शंकर पाटीदार के निर्देशन में गायत्री कचोलिया, गायत्री तोमर एवं डॉ. अजय भारद्वाज ने वैदिक मंत्रों, प्रेरक गीतों और उद्बोधनों के साथ यज्ञ विधिपूर्वक सम्पन्न कराया। गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र के साथ देवशयनी एकादशी के अवसर पर विष्णु गायत्री महामंत्र से विशेष आहुतियां प्रदान की गई। कार्यक्रम की विशेष कड़ी के रूप में पहली बार विद्यालय जाने वाले बालकों के लिए निःशुल्क विद्यारंभ संस्कार कराया गया। बच्चों ने मां सरस्वती का पूजन कर "ॐ" लेखन किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। बच्चों को गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका निशुल्क दी गई। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी दीपक नंदी ने बच्चों को प्रेरणा दी पुस्तक भेंट कर ज्ञानप्रसाद स्वरूप शुभकामनाएं दीं। ज्यादातर पुस्तक के देश दुनिया के उन महापुरूषों पर आधारित थी जिन्होंने अपने व्यक्तित्व से कुछ कर दिखाया और दूसरों के लिए प्रेरक बने। सभी बच्चों को पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ इन पुस्तकों का अध्ययन करने का भी संकल्प कराया। यज्ञ से पूर्व ठाकुर श्री गोविंद देवजी, मुरली मनोहर जी, वेदमाता गायत्री एवं गुरु सत्ता का पूजन विधिपूर्वक किया गया। पंचकुंडी गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति के रूप में सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में पंडित रमेश शर्मा ने यज्ञ समापन पर सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार प्रकट किया तथा घोषणा की कि प्रत्येक माह मंदिर में नियमित रूप से गायत्री महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर गीता गायत्री मंदिर के पंडित राजकुमार चतुर्वेदी, महंत संजय गोस्वामी, मेहंदीपुर बालाजी मंदिर समिति के शिक्षा सचिव सुदीप तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

एक हथियारबंद बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने वैशाली नगर थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए हथियारबंद एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक देसी कट्टा और दो कारतूस सहित एक चौपहिया वाहन(कार) भी बरामद की है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित लक्की रानोली सक्रिय गैंग का सदस्य है। जो व्यापारियों में हथियार से भय दिखा कर अवैध वसूली और लडाई-झगडा करता है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सीएसटी ने वैशाली नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए आर्म्स एक्ट में आरोपित अरसलान शेख (28) निवासी भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा और दो कारतूस सहित एक चौपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस आरोपित से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

'पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की तुलना में कई गुना हुआ काम'

जयपुर । राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने अपने 18 महीनों के कार्यकाल में विकास की रफ्तार को एक नया आयाम दिया है। चाहे बात किसान-कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़कों के निर्माण या फिर औद्योगिक विकास की हो, प्रत्येक मोर्चे पर सरकार ने कांग्रेस शासन की तुलना में ज्यादा तेज और असरदार काम करके दिखाया है। भजनलाल सरकार ने 34.76 लाख महिला किसानों को निःशुल्क बीज वितरित किए, जो कांग्रेस सरकार के पहले 18 महीनों में महज 2.58 लाख थे। खेत, तालाब निर्माण में भी 30,464 यूनिट पूरे किए गए, जबकि कांग्रेस ने पूरे 5 साल में कुल 29,430 ही बनाए थे।

भाजपा सरकार ने डेढ़ साल में 11,743 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जबकि पिछली सरकार पूरे 5 साल में 14,877 मेगावाट ही जोड़ पाई। कुसुम योजना सी कम्पोनेन्ट के तहत 2,091 एलओए जारी किए, जबकि कांग्रेस कार्यकाल में यह संख्या मात्र 57 थी।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में 26.92 लाख लोगों को कैशलेस इलाज की सुविधा दी गई, जबकि गहलोत सरकार के शुरुआती डेढ़ साल में केवल 10.60 लाख लाभार्थियों को कैशलेस इलाज की सेवा उपलब्ध करवाई गई। नए अस्पतालों और उप स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण में भी पिछली सरकार की तुलना में वर्तमान सरकार तेजी से काम कर रही हैं।

पीडब्ल्यूडी विभाग ने 12,336 किमी सड़कों का निर्माण करवाया, जबकि कांग्रेस ने इसी अवधि में 3,478 किमी ही सड़कों पर काम किया। वर्तमान सरकार ने सड़कों के निर्माण पर कुल 20 हजार 597 करोड़ रुपए व्यय किए, जबकि गत सरकार द्वारा इस अवधि में सड़कों पर समग्र व्यय मात्र 8 हजार 356 करोड़ रुपए ही किया।

मनरेगा में 4.43 लाख कार्य पूरे किए गए और 13,205 करोड़ रुपए का व्यय हुआ, जबकि गहलोत सरकार के शुरुआती 18 महीनों में यह खर्च 10,315 करोड़ रुपए रहा। भाजपा सरकार बनने के बाद पेपरलीक के मामलों में तेजी से कार्रवाई करते हुए 309 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया राज्य में 22 नए पुलिस थाने, 35 चौकियां सृजित की गई।

प्रदेश कांग्रेस के नए भवन का निर्माण शुरू, डेढ़ साल में तैयार होगा पांच मंजिला भवन

जयपुर। डेढ़ साल बाद कांग्रेस को राजस्थान प्रदेश का नया कार्यालय मिल जाएगा। जयपुर के मानसरोवर स्थित शिप्रा पथ पर रविवार से पार्टी के नए भवन का निर्माण शुरू हो गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, मुख्य सचेतक रफीक खान, विधायक रोहित बोहरा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष बीडी कल्ला सहित पार्टी नेताओं की मौजूदगी में भवन की नींव रखी।

कांग्रेस पार्टी नेताओं की मौजूदगी में भवन की नींव रखी।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि आज कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक दिन है। हमारी सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूडीएच मंत्री रहे शांति धारीवाल और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रयास से 6000 वर्ग मीटर जमीन अलॉट की गई थी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने यहां आकर शिलान्यास भी किया था, लेकिन उसके बाद विधानसभा और लोकसभा चुनाव के चलते समय नहीं मिल पाया।

अब काम शुरू हुआ है और इस पांच मंजिला इमारत में दो मंजिल बेसमेंट और तीन मंजिल बनेंगी। पार्टी के अग्रिम संगठन, विभाग व प्रकोष्ठों के ऑफिस इसी बिल्डिंग में रहेंगे, यानी पूरी कांग्रेस यहीं से चलेगी।

प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि चांदपोल में कांग्रेस का पुराना भवन काफी भीड़भाड़ वाले इलाके में है, जहां पार्किंग समस्या रहती है। ऐसे में अब सब कुछ यहीं से चलेगा। एक साल में भवन का स्ट्रक्चर खड़ा हो जाएगा। 4-5 माह फिनिशिंग में लगेंगे और लगभग डेढ़ साल के बाद भवन पूरी तरह तैयार हो जाएगा। भवन निर्माण का भुगतान ऑनलाइन किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता, नेता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के खाते में ही पैसा देंगे और वहीं से पैसा कंस्ट्रक्शन पर खर्च होता रहेगा।

इसी के साथ डोटासरा ने यह भी कहा कि पार्टी चाहती है कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस के भवन बने। राजसमंद, श्रीगंगानगर में कांग्रेस के भवन का निर्माण शुरू हो चुका।

- **सभी संगठन एक जगह से संचालित होंगे**
- **मानसरोवर स्थित शिप्रा पथ पर रविवार से पार्टी के नए भवन का निर्माण शुरू हुआ**

अध्यक्ष खड़गे ने साल 2025 को संगठन को समर्पित किया है, इसलिए संगठन की मजबूती के साथ कार्यकर्ताओं के बैठने के लिए भवन बने, इसी भी दिशा में हम काम कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है। इस भवन निर्माण में एक-एक कार्यकर्ता का योगदान रहेगा। सामूहिक चंदे से भवन बनाएंगे। कांग्रेस जनता की पार्टी है, इसलिए यह ऑफिस जनता का भी रहेगा।

मादक पदार्थ की सप्लाई करने आया तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने सांगानेर थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 90 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 18 लाख रुपये आंकी है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित झालावाड़ से जयपुर में मादक पदार्थ की सप्लाई करने आया है। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने सांगानेर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले कमलेश तंवर (21) निवासी अकलेरा जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को तलाशी में उसके पास 90 ग्राम स्मैक मिली है कीमत करीब 18 लाख रुपए है। आरोपित अपने भाई रामविलास तंवर से इस स्मैक की सप्लाई लेकर सांगानेर सदर के वाटिका में पवन गुर्जर को स्मैक देने आया था।

'सस्टेनेबल और ईको-फ्रेंडली वेडिंग ट्रेंड्स बन रहे नई पीढ़ी की पसंद'

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्लूटीसी) 2025 का शानदार और भव्य शुभारंभ हुआ। फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) द्वारा होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित इस दो दिवसीय आयोजन में भारत और विदेशों से 500 से अधिक वेडिंग प्लानर, इवेंट एक्सपर्ट और हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स शामिल हुए हैं। कॉन्क्लेव का विधिवत उद्घाटन होटल क्लार्क ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर, अपूर्व कुमार, फोरम के प्रेसिडेंट मोहित माहेश्वरी, इवेंट गुरु, अरशद हुसैन और जाने-माने इवेंट एक्सपर्ट, ऋतुराज खन्ना द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में अरशद हुसैन ने कहा, "राजस्थान की अर्थव्यवस्था में वेडिंग टूरिज्म की बड़ी भूमिका है। राजस्थान की जीडीपी में टूरिज्म, विशेषकर वेडिंग टूरिज्म, का लगभग 12 योगदान है। ऐसे में इस क्षेत्र को सस्टेनेबल और इनोवेटिव बनाना समय की माँग है। नई पीढ़ी अब पर्यावरण के अनुकूल शादियों को प्राथमिकता दे रही है, और यही ट्रेंड आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा तय करेगा।" इस वर्ष आईडब्लूटीसी का

कॉन्क्लेव का विधिवत उद्घाटन होटल क्लार्क ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर, अपूर्व कुमार, फोरम के प्रेसिडेंट मोहित माहेश्वरी, इवेंट गुरु, ऋतुराज खन्ना ने किया।

मुख्य फोकस सस्टेनेबल और ईको-फ्रेंडली इवेंट्स पर है। विशेषज्ञों ने बताया कि ग्रीन वेडिंग, प्लास्टिक-फ्री डेकोर, रीयूजेबल मटीरियल्स, स्थानीय कारीगरों का सहयोग, और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे उपाय अब शादियों में आम होते जा रहे हैं। कॉन्क्लेव ने यह भी दिखाया कि कैसे पर्यावरण के अनुकूल सोच न केवल ज़रूरी है, बल्कि इससे वेडिंग इंडस्ट्री को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिल सकती है।

छोटे शहरों और दूर-दराज़ स्थलों में शादियाँ पर एक विशेष चर्चा करते हुए प्रेजिडेंट, तेलंगाना चैम्बर ऑफ़ इवेंट इंडस्टी, बलराम; प्रेसिडेंट, फोरम, मोहित माहेश्वरी; प्रेजिडेंट, वेस्टर्न महाराष्ट्र इवेंट फेडरेशन, श्यामा बसरानी; प्रेजिडेंट, सेंट्रल इंडिया इवेंट मैनेजर्स अस्सोसिएटिओ, मैनेजर्स असोसिएशनऑफ अजमेर के प्रेजिडेंट, अनिल भाटी ने कहा कि हाल के वर्षों में, कपल्स अब महानगरों से हटकर शांत, सांस्कृतिक और किफायती स्थानों को चुन रहे हैं।

कोटा में अनाधिकृत रूप से बेचे जा रहे जैव उर्वरक और लिक्विड जब्त

4900 लीटर लिक्विड जैव उर्वरक, 9800 किलो पाउडर जैव उर्वरक व सिटी कम्पोस्ट जब्त किया

कोटा में कृषि विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में जैव उर्वरक और लिक्विड जब्त किया।

■ मौके से 15 तरह के उर्वरक को जब्त किया, जिनमें दानेदार, पाउडर और लिक्विड उर्वरक शामिल है

कोटा, (निसं)। प्रदेश में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा नकली उर्वरकों और पेस्टिसाइड पर कार्रवाई कर रहे हैं। नकली बीज बेचने वाले भी किरोड़ीलाल मीणा के निशाने पर हैं। इसी बीच कोटा में भी कृषि विभाग ने अनाधिकृत रूप से बेचे जा रहे जैव उर्वरक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कोटा के संयुक्त निदेशक अतीश कुमार शर्मा के निर्देशन में की गई है। करीब 12 घंटे से भी ज्यादा समय तक यह कार्रवाई चली है जिसमें हजारों लीटर लिक्विड और हजारों किलो पाउडर उर्वरक जब्त किया गया है।

कोटा के संयुक्त निदेशक आतिश कुमार शर्मा ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि श्रीनाथपुरम स्टेडियम के पास श्याम नगर में बिना विभाग को सूचना के अनाधिकृत गोदाम बना हुआ था। यहां पर किसानों को माल भी बेचा जा रहा था। यह पूरी तरह से गैरकानूनी और अनाधिकृत था। मौके से 15 तरह के उर्वरक को जब्त किया है जिनमें दानेदार, पाउडर और लिक्विड उर्वरक शामिल हैं। वहीं, 8 तरह के उर्वरक के नमूने लिए हैं।

अतीश कुमार शर्मा ने बताया कि यह करीब 4900 लीटर लिक्विड जैव उर्वरक और 9800 किलो पाउडर जैव उर्वरक व सिटी कम्पोस्ट जब्त किया है। इस पूरे माल को जब्त कर केवीवीएस कोटा को सुपुर्द कर दिया गया है। मौके से नमूने भी लिए गए हैं। इस मामले में निरीक्षक जल्द ही विपणन करता फर्म के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करवाएगी। संयुक्त निदेशक शर्मा का कहना है कि उन्होंने पूरे मामले में कार्रवाई के लिए एक जॉइंट टीम बनाई हुई है। इसमें डिप्टी डायरेक्टर सत्येंद्र पाठक, सहायक निदेशक उमाशंकर व नरेश शर्मा, निरीक्षक जुगल किशोर व प्रदीप मीणा और कृषि पर्यवेक्षक सहित अन्य शामिल रहे। हम कार्रवाई करने के लिए शनिवार पांच बजे पहुंच गए थे जिसके बाद यह कार्रवाई रविवार सुबह छह तक चली है। इस पूरे माल को ट्रक में भरकर लाया गया है।

हाड़ौती किसान आंदोलन ने संभाग में नकली खाद, बीज व कीटनाशक के खिलाफ कार्रवाई और जांच शुरू करने के लिए अभियान चलाया हुआ है। आंदोलन के संयोजक कुंदन चीता ने बताया कि प्रदेश में कई जगह नकली खाद, बीज और कीटनाशक के लिए छापे मारे गए हैं जबकि हाड़ौती में भी किसानों में नकली खाद-बीज और कीटनाशक दवाइयों को लेकर भय व भ्रम की स्थिति है। ऐसे में नकली खाद-बीज और कीटनाशक के खिलाफ छापेमारी होनी चाहिए। इस संबंध में आंदोलन के प्रवक्ता श्याममनोहर हरित, भगवती प्रसाद मीणा, मंजूर तंवर, गिरिराज गुप्ता व शीतल मीणा सहित अन्य लोग कृषि विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों से भी मिल रहे हैं।

एक करोड़ रुपये का अवैध डोडा-चूरा मय वाहन जब्त

■ तस्कर फरार, वाहन से पिस्टल व चार कारतूस बरामद

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान एक करोड़ रूपये का अवैध डोडा-चूरा मय वाहन तथा एक पिस्टल मय चार कारतूस जब्त कर तस्करों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। वहीं मौके से तस्कर फरार हो गये।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित दल ने प्रतापनगर टी पोईंट पर नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान चित्तौड़ की तरफ से आ रहे पिकअप वाहन चालक ने पुलिस को देख वाहन लेकर देबारी मेघवालोक की घाटी की तरफ लेकर भागा। इस पर पुलिस दल ने पिछा किया लेकिन तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए। मौके पर पहुंच कर तलाशी ली तो पिकअप वाहन में एक पिस्टल मय चार कारतूस, 68 प्लास्टिक के कट्टों में एक करोड़ रूपये का 1395 किलो अवैध डोडा-चूरा मिला। इस पर पुलिस ने अवैध डोडा-चूरा मय माल व हथियार जब्त कर तस्करों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

50 लाख का डोडा-पोस्त बरामद

■ लूणी थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में 331 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया

जोधपुर, (कांस)। जोधपुर के लूणी थाना पुलिस ने तस्करी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत अलग-अलग कार्रवाई की। इस दौरान 331 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है।

डीसीपी वेस्ट राजर्षि राज ने बताया कि शहर को नशा मुक्त करने के अभियान के तहत लूणी, विवेक विहार थाना पुलिस की टीमों का गठन किया गया। टीम ने मादक पदार्थ तस्करी को लेकर अलग-अलग कार्रवाई की। पहली कार्रवाई करते हुए रोहिचा कला गांव में एक संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोकने का इशारा किया गया। इसके बाद भी चालक भगाकर ले गया। चालक ने कार को खेत की बाड़ में घुसा दिया और अपने साथियों के साथ भाग गया। कार की तलाशी में 45 किलो 300 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया गया। दूसरी कार्रवाई लूणी थाना क्षेत्र के पीसावास के पास की गई। यहां एक लोडिंग टैंपो संदिग्ध हालत में खड़ा मिला। टीम ने मौके पर पहुंचकर टेंपो से 58 किलो 790 ग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया।

तीसरी कार्रवाई विवेक विहार थाना क्षेत्र में की गई। टीम ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार श्यामलाल विश्नोई के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान 26 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया गया। मौके से आरोपी श्यामलाल को पकड़ा गया। श्यामलाल पूर्व में विवेक विहार थाने में दर्ज मादक पदार्थ तस्करी के मामले में फरार चल रहा था। टीम ने चौथी कार्रवाई पिपरली गांव में की। यहां खिलेरियों की ढाणी में स्कॉर्पियो गाड़ी से डोडा-पोस्त के कट्टे उतारे जा रहे थे। टीम को देखकर आरोपी स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए। कट्टों में तलाशी के दौरान 202 किलो डोडा बरामद किया गया।

सोलर प्लांट की जमीन पर खेजड़ी के 23 पेड़ काटे

बीकानेर, (निसं)। करणीसर भाटियान में खेजड़ी के पेड़ काटने की घटना के बाद पटवारी और वन विभाग ने मौके का सर्वे किया है। इस दौरान एक गिरगिट की मौत होने पर इसकी सूचना वाइल्ड लाइफ डीएफओ दी गई है। उधर पर्यावरण प्रेमियों ने कालासर गांव में आयोजित शिविर में उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर खेजड़ी का कटाई पर पूर्ण रूप से रोक लगाने की मांग की है।

करणीसर भाटियान में रात करीब दो बजे सोलर प्लांट के लिए खेजड़ी के पेड़ काट का पिकअप में ले जाए जा रहे थे। सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने घेर लिया। अंधेरे का फायदा उठाते हुए पेड़ काटने वाले दो गाड़ियों सहित फरार हो गए। रास्ते में गाड़ियों में भरे कटे हुए पेड़ भी गिरा दिए। एक पिकअप वहीं रह गई। सूचना मिलने के बाद सुबह पूगल पुलिस, पटवारी और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पटवारी की मौका रिपोर्ट के अनुसार करणीसर के खसरा नंबर 33/5/838 तथा 33/6/838 की भूमि मेसर्स अवाड़ा आरजे बीकानेर प्राइवेट लिमिटेड खातेदार के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। इस जमीन पर से खेजड़ी के कटे हुए पेड़ों के 23 ठूंठ बरामद हुए हैं। राजस्व और वन विभाग की टीम ने शनिवार को दोबारा जमीन का सर्वे किया। खेजड़ी के कटे हुए पेड़ों से भरी गाड़ी बरजू बराला की कांकड़ में बरामद हुई, लेकिन पेड़ों के अवैध परिवहन को लेकर फोरेस्ट एक्ट के तहत कोई मुकदमा अब तक दर्ज नहीं हो पाया है।

पूगल पुलिस के हवलदार मनोहर सिंह को सुबह पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर परिवाद भी दिया था। पूगल एसएचओ का कहना है कि उनका एरिया नहीं है। उधर, वन विभाग के रेंजर महावीर सिंह ने बताया कि मौके पर गिरगिट मरा हुआ होने के कारण उसकी रिपोर्ट वाइल्ड लाइफ शाखा को दे दी गई है।

सोलर के नाम पर खेजड़ी के पेड़ों की अवैध कटाई के विरोध में ग्रामीणों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना शिविर में प्रदर्शन किया। पर्यावरण प्रेमी मोखराम धारणिया, जेठाराम लाखूसर, प्रभुराम, मोहनराम, शीशपाल, हड़ मान नाई, रामलक्ष्मण, भैरा राम डोंगीवाल आदि ने उपखंड अधिकारी के नाम कर्मचारियों ने सोलर कंपनियों के विरुद्ध नारेबाजी की तथा उपखंड अधिकारी के नाम कर्मचारियों को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि लाखूसर में 800 से अधिक पेड़ काट डाले। करणीसर भाटियान की रोही में देर रात खेजड़ी पर कुल्हाड़ी चली, लेकिन प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। पुलिस और वन विभाग सोलर कंपनियों के दबाव में है। पेड़ों की अवैध कटाई के कारण वन्य जीवों के ठिकाने उजड़ रहे हैं। मोखराम ने कहा कि एक गिरगिट की मौत हो गई, जो भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची में सूचीबद्ध है।

मंदिर में चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित मंदिर से चोर सामान चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर पीड़ित किशोरसिंह देवड़ा पुत्र लालसिंह देवड़ा निवासी देबारी फलरा नोहरा प्रतापनगर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 11 जून रात में अज्ञात चोर घाटावाली माताजी मंदिर में घुस कर पीतल की दो धुपनी चुरा ले गए तथा दानपात्र का ताला तोड़ने का प्रयास किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई पर्वतसिंह कर रहे हैं।

वहीं उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने हृदय कोपरेटिव सोसायटी प्रबंधन के खिलाफ नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित खुशबू चौहान पत्नी राघवेन्द्रसिंह निवासी आचार्य मार्ग ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि गत दिनों मैने एजेंट के जरिये हृदय कॉपरेटिव सोसायटी में निवेश के लिए 1 लाख 50 हजार रूपये जमा करवाए थे। निर्धारित समय पर रूपये नहीं मिले। इस पर कार्यालय में संपर्क किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं मिला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जोधपुर : आई.आई.टी. भर्ती प्रक्रिया में धांधली सामने आई

■ कार्यवाहक कुलसचिव ने दो असिस्टेंट रजिस्ट्रार और सुपरिटेंडेंट के खिलाफ मामला दर्ज कराया

■ अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग करते हुए निजी लाभ के लिए अनुचित रूप से निर्णय लिए

जोधपुर, (कांस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर में भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इसको लेकर कार्यवाहक कुलसचिव ने आईआईटी के दो असिस्टेंट रजिस्ट्रार और सुपरिटेंडेंट के खिलाफ करवड़ थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है।

आईआईटी जोधपुर के कार्यवाहक कुलसचिव अंकुर गुप्ता ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि आईआईटी जोधपुर में दिसंबर 2019 से अगस्त 2023 तक आयोजित की गई भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। भर्ती प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही एवं नियमों की अवहेलना की गई है। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा। इसमें अयोग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया जबकि योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर बाहर कर दिया गया।

भर्ती कार्यालय में शामिल असिस्टेंट रजिस्ट्रार लक्ष्मण सिंह व प्रशांत भारद्वाज और जूनियर सुपरिटेंडेंट रॉबिन सिंह कांतुरा ने कार्यों में धोखाधड़ी, आधिकारिक प्रक्रिया का उल्लंघन, लाभ के लिए पदों की मनमानी की हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सीवीओ द्वारा तैयार रिपोर्ट, एफएफसी रिपोर्ट और आधिकारिक जांच रिपोर्ट में नियुक्तियों में अनियमिततायें मानी गई है। अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग करते हुए निजी लाभ के लिए अनुचित रूप से निर्णय लिए। भर्ती की लिखित परीक्षा प्रक्रिया में नियमानुसार प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इस पूरे मामले में धोखाधड़ी एवं अनुचित लाभ की आशंका है, जिसमें सार्वजनिक हित प्रभावित हुआ है।

उन्होंने पुलिस को बताया कि उपरोक्त आरोपों को लेकर उनके पास कुछ प्राथमिक साक्ष्य एवं दस्तावेज भी उपलब्ध है, जो जांच के दौरान प्रस्तुत किए जा सकते हैं। ऐसे में मामले में धोखाधड़ी एवं अनुचित लाभ की आशंका जताते हुए जांच की मांग की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच उपनिरीक्षक महेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

करवड़ थाने में दर्ज एफआईआर के बाद थानाधिकारी लेखराज सियाग ने बताया कि आईआईटी के कार्यवाहक कुलसचिव अंकित गुप्ता ने रिपोर्ट दी है और जो दस्तावेज दिए हैं उनकी जांच की जा रही है। साथ ही एफएसएल में भेजकर भी इसकी जांच करवाई जाएगी। जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में जांच एसआई महेंद्र कुमार की तरफ से की जा रही है।

पंजाब निर्मित अवैध शराब बरामद

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने रविवार को अवैध पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के 54 कार्टन एवं अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन इनोवा क्रिस्टा कार को जब्त किया। जब्तशुदा अवैध शराब एवं वाहन की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रूपये आंकी गई है ।

जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार पुनमाराम सउनि मय जाब्ता द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना अनुसार रवाना होकर सरहद जाखल नर्मदा नहर के खाले के आगे नाकाबंदी कर वाहन इनोवा क्रिस्टा कार को रूकवाने हेतु ईशारा किया गया। वाहन चालक वाहन को भगाकर आगे जुताई किये हुए खेत मे रात्रि होने से अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन को छोड़कर भाग गया।

कार की तलाशी ली गई तो उसमें पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 54 कार्टन भरे हुए पाये जाने पर उक्त शराब व वाहन को जब्त कर अज्ञात मुलजिम के विरूद्ध मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है।

पड़ौसी युवकों ने नाबालिग से घर से जेवर पार कराये

अजमेर, (कासं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र के कोटड़ा इलाके में नाबालिग ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर घर की अलमारी से 9 लाख रुपये कीमत के सोने-चाँदी के जेवरात चुरा लिए। पिता की शिकायत पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित पिता विनोद ने घर पर रखी अलमारी जब खोली तो उसमें से सोने- चांदी के आभूषण गायब मिले। इस पर घर के सदस्यों से पूछताछ की गई तो नाबालिग बेटे ने चोरी करना कबूल कर लिया। पीड़ित ने बताया कि पड़ौस में रहने वाले मनीष उर्फ मोनू और सागर ने उसके नाबालिग बेटे को डरा-धमकाकर कर अलमारी से जेवरात निकाल लिए और फिर उसे सुनार को बेच दिया। पीड़ित ने घटना के सात दिन बाद हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। थानाधिकारी ने बताया कि चोरी हुए आभूषणों की अनुमानित कीमत नौ लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नाबालिग और उसके साथी पहले से ही सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देने की योजना बना चुके थे। वारदात के तुरंत बाद आभूषण सुनार को बेच दिए। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मकान में चोरी

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना क्षेत्र में खिडकी की ग्रील तोड़कर मकान में घुस कर चोर जेवरात चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार चार जुलाई रात में प्रेमराज उर्फ प्रेमा पुत्र नाथू डांगी निवासी काटका कुआ महाराज की खेड़ी के मकान के पिछवाड़े में खिडकी की ग्रील तोड़ कर अज्ञात चोर सोने का नैकलेस, चेन, अंगूठी, चांदी का कंदोरा चुरा ले गए। दूसरे दिन इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। वारदात के दिन पीड़ित व उसकी पत्नी मकान के आंगन में सोए थे एवं पुत्र अपने परिवार सहित वल्लभनगर करणपुर पीहर गए थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

विदेश भेजने के नाम पर आठ लाख की ठगी, मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। न्यूजीलैंड में वर्क वीजा पर भेजने के नाम पर लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। चूनावढ़ पुलिस ने पीड़ित के परिवाद पर दो युवकों पर मुकदमा दर्ज किया है।

जांच अधिकारी ने बताया कि गांव नेतेवाला निवासी अर्जुन कुमार मेघवाल ने परिवाद में बताया है कि वह साल 2024 में स्टेनफोर्ड पीटीई सैंटर से आईलेट्स की तैयारी कर विदेश में पढ़ाई करने जाने वाला था। इसी दौरान परिवादी के साथ पढ़ाई कर रहे रविंद्र उर्फ रमन से मुलाकात हुई। उसने खाजूवाला निवासी राजेश गोरा पुत्र मोहनलाल जाट के बारे में बताया कि राजेश लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। इस दौरान उसने किसी जैशन नाम के व्यक्ति से बात करवाई तो उसने बताया कि ऑकलैंड में अंगूर के खेत हैं। वहां पर वह उसे काम दिला देगा। राजेश जाट और जैशन ने न्यूजीलैंड की फाइल लगवाने के बदले में लगभग 10 लाख रुपए खर्चा होने की बात कही। इनकी बातों पर विश्वास होने पर उसने अलग-अलग समय में 8.6 लाख रुपए आरोपितों के खाते में डाल दिए। इतने रुपए मिलने के बावजूद भी पांच लाख रुपए और मांगे। इस पर परिवादी ने कहा कि वह अब तक 8 लाख 6 हजार रुपए दे चुका है। यह सुनकर आरोपी राजेश गुस्सा हो गया। परिवादी ने उसके व्यवहार को देखते हुए अपने दिए हुए रुपए वापस मांगे तो आरोपी ने रुपए लौटाने से साफ इनकार कर दिया।

बाइक के बैग से नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। खेरवाड़ा बस स्टैण्ड पर खड़ी बाइक से अज्ञात चोर नकदी चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पोगरा कला निवासी लक्ष्मणलाल बाइक पर 27 जून को खेरवाड़ा एसबीआई बैंक से नकदी लेकर बस स्टैण्ड पर की तरफ गया था, जहां बाइक खड़ी कर खरीददारी करने लगा। इस दौरान मौका देखकर अज्ञात चोर बाइक के बैग में रखे 90 हजार रूपये नकदी चुरा ले गया। इसका पता चलने पर तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

प्रो. सांवरलाल जाट ने हमेशा किसानों के लिये संघर्ष किया : राजे

जनसभा को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने संबोधित किया।

■ अजमेर जिले के सिरोंज गांव में प्रो. सांवरलाल जाट की मूर्ति का अनावरण किया

अंराई, (निसं)। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि मौसम और इंसान कब बदल जाए, कोई भरोसा नहीं। आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं, एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं, पर प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे। वे मरते दम तक मेरे साथ थे। उन्होंने कहा कि भैरों सिंह शेखावत, प्रो. सांवरलाल जाट और डॉ. दिगंबर सिंह के चले जाने से नुकसान हुआ। आज वे होते तो राजस्थान की राजनीतिक हालत कुछ और ही होती। प्रो. सांवरलाल जाट ने हमेशा किसानों के लिए संघर्ष किया था। वसुंधरा राजे अजमेर जिले के सिरोंज गांव में पूर्व मंत्री प्रो.जाट की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि उनकी तरह प्रो. जाट भी राजनीति में पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत की स्कूल के छात्र थे। उनकी अजमेर लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं थी, पर अनुशासित होने के कारण लड़े और जीते। राजे ने कहा कि उन्होंने 2018 में जब किसानों का 50 हजार तक का कर्जा माफ किया, तब सांवरलाल जाट होते तो बहुत खुश होते। अजमेर में बीसलपुर का पानी उन्होंने ही पहुंचाया। उनके निधन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा और राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया था। उनके पुत्र विधायक रामस्वरूप लांबा उनकी सोच को आगे बढ़ा रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों ने हमेशा मुझे पद पर रहते हुए भी और पद पर न रहते हुए भी बहुत प्यार दिया।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रो सांवरलाल जाट किसानों के मसीहा थे, साथ ही उन्होंने सरकार में रहते हुए किसान आम गरीब की आवाज को लोकसभा और विधानसभा में पहुंचाई। इससे पूर्व प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अंराई पहुंचने पर रीकों के सामने केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने चुनरी ओढाकर स्वागत किया।

इस दौरान कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भगीरथ चौधरी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, विधायक रामस्वरूप लांबा, विकास चौधरी, भैराराम सियोल, शंकर सिंह रावत, यूनुस खान, प्रधान सीता पूनिया, प्रेम एम आर बेनीवाल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत, डेयरी चेयरमैन ओम पूनिया, सरपंच रामलाल मीणा आदि सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

दुकान से कपड़े चोरी, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना पुलिस ने शटर ऊंचा कर दुकान से कपड़े चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार सात जून को पीड़ित सायरा थाना क्षैत्र बरवाड़ा निवासी अशोक गवारिया पुत्र मन्नाजी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। वरवाडा ढुण्डी रोड़ पर स्थित पदमनाथ वस्त्र भंडार नाम से मेरी कपड़ों की दुकान है, जिसका अज्ञात चोर शटर ऊंचा कर कपड़े चुरा ले गए। प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में एएसआई राजेन्द्रसिंह मय टीम ने मौके से एवं पीड़ित से की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर मोहन सिंह पुत्र विजयसिंह राजपूत , मनोहरसिंह पुत्र रूपसिंह को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया माल बरामद किया।

वहीं उदयपुर के एमबी चिकित्सालय में उपचारत अज्ञात वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिनों चांदपोल स्थित सुन्दरसिंह भंडारी चिकित्सालय में अज्ञात वृद्ध को उपचार के लिए भर्ती करवाया था, जिसकी तीन जुलाई को मौत हो गई। शिनाख्तगी नहीं होने पर अम्बामाता थाने के हेड कांस्टेबल रमाशंकर ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा वैकुंठ धाम सोसायटी की मदद से मृतक का अंतिम संस्कार करवाया।

रोडवेज बस में दो यात्रियों से 15 लाख की चांदी जब्त

पुलिस ने बस में यात्री से चांदी की सिल्ली जब्त की।

■ परिवहन के संबंध में बिल पेश नहीं करने पर कार्रवाई की

टोंक, (निसं)। एसपी विकास सांगवान के निर्देशन में वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी के एवं मेहन्दवास थानाधिकारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित थाना टीम ने नाकाबंदी में मुखबिर की सूचना पर एनएच-52 स्थित डारडा कट पर रोडवेज बस को रोककर तलाशी ली।

इस दौरान कैलाशचंद पुत्र दुर्गालाल खटीक निवासी खटीकों का मोहल्ला जहाजपुर जिला भीलवाड़ा के पास मिले बैग में एक चांदी की सिल्ली वजन 8.23 किलोग्राम एवं नाथू लाल पुत्र नन्दलाल दर्जी निवासी जहाजपुर के पास भी बैग में एक चांदी की सिल्ली जिसका वजन 7.252 किलोग्राम मिली, जिसको रखने व परिवहन के संबंध में बिल पेश नहीं करने पर उक्त चांदी को चोरी का माल या चोरी से खरीदा हुआ माल होने का अंदेशा होने पर उक्त चांदी को जप्त किया गया। दोनो चांदी की सिल्लियों का कुल वजन 15.275 किलोग्राम है, जब्त चांदी का बाजार कीमत 15 लाख बताई जा रही है। मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसधांन जारी है।

उएयपुर में मशीन खरीदने का झांसा देकर नकदी हड़पी : उदयपुर के पाटिया थाना पुलिस ने मशीन खरीदने का झांसा देकर पीड़ित से नकदी हड़पने वाले पिता-पुत्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित कोकिला देवी पत्नी मनोज कुमार निवासी कानपूर पाटिया ने आरोपी जागनगर कलावाणा गुजरात निवासी अश्विन भाई उर्फ मुकेश पुत्र कानजी भाई व पुत्र यश के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि अगस्त 2024 में बोरवेल मशीन खरीदने के लिए संपर्क किया तो आरोपियों ने 60 लाख में मशीन दिलाने की बात कहते हुए इसके लिए 8 लाख 50 हजार रूपये अग्रिम देने पर शेष नकदी का ऋण कराने का आश्वासन दिया।

इस पर आरोपियों को नकदी का अग्रिम भुगतान कर दिया। इसके बाद आज दिन तक न तो मशीन दिलाई न नकदी लौटाई। इस संबंध में संपर्क किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

देवशयनी एकादशी पर गोविंद देवजी मंदिर सहित समस्त वैष्णव मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सागर

जयपुर। छोटी काशी जयपुर में रविवार को देवशयनी एकादशी के पावन पर्व पर श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। शहर के प्रमुख वैष्णव मंदिरों, विशेष रूप से गोविंद देवजी मंदिर में, दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर पूजा-अर्चना की, भगवान विष्णु को शयन के लिए विदा किया और दान-पुण्य के कार्यों में भाग लिया।

■ **दो लाख श्रद्धालुओं ने किए ठाकुरजी के दर्शन, 11 घंटे खुले रहे मंदिर के पट, दर्शन व्यवस्था रही सराहनीय**

चार माह तक चलने वाले चातुर्मास की शुरुआत के साथ ही भगवान श्रीहरि विष्णु ने क्षीरसागर में योगनिद्रा में प्रवेश कर लिया है, और सृष्टि संचालन का दायित्व भगवान शिव को सौंपा गया। यह पर्व वैष्णव परंपरा में विशेष महत्त्व रखता है और पूरे देश में विशेष रूप से मनाया जाता है।

गोविंद देवजी मंदिर में, दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही।

देवशयनी एकादशी के अवसर पर गोविंद देवजी मंदिर में परंपरागत रीति से भक्ति और उल्लास से पर्व मनाया गया। प्रातः काल ठाकुर श्री गोविंद देवजी का वेद मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके पश्चात उन्हें नवीन लाल रंग की नटवर पोशाक धारण करवाई गई। ठाकुरजी का रत्नजड़ित आभूषणों एवं पुष्पों से भव्य श्रृंगार कर उन्हें रथ पर विराजित कर तुलसी मंच तक ले जाया गया, जहाँ मंदिर के महंत आचार्य अंजन कुमार गोस्वामी ने विधिवत पूजन, तुलसी सेवा, भोग अर्पण, चार परिक्रमा एवं महाआरती संपन्न कराई। बाद में ठाकुरजी को पारंपरिक रूप से खाट पर विराजमान कर निज मंदिर की परिक्रमा कराते हुए गर्भगृह में विश्राम हेतु विराजित किया गया। श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने इस वर्ष झांकियों के समय में विस्तार किया।

सुबह मंगला झांकी से लेकर रात की शयन झांकी तक मंदिर के पट लगभग 11 घंटे खुले रहे। हर दर्शन के बीच मात्र 15 मिनट के पट मंगल (अंतराल) के कारण दर्शन में व्यवधान नहीं हुआ। श्रद्धालुओं को औसतन 2 मिनट से अधिक समय तक ठाकुरजी के दर्शन प्राप्त हुए। रविवार को करीब दो लाख श्रद्धालु गोविंद देवजी मंदिर पहुंचे। इतनी बड़ी संख्या को सुव्यवस्थित ढंग से संभालने हेतु डीसीपी राशि डोगरा स्वयं सुबह मंगला झांकी के समय पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचीं और दर्शन व्यवस्था का जायजा लिया।

पूरे दिन मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल, होमगार्ड एवं स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाली। इस वर्ष लोहे की बैरिकेडिंग की जगह कपड़े की बैरिकेडिंग की गई जिससे वातावरण खुला और सहज बना रहा।

श्रद्धालुओं के ठहरने की मनाही ने दर्शन प्रक्रिया को तीव्र और सुविधाजनक बनाया, जिसका असर यह रहा कि मंदिर के बाहर कोई यातायात जाम नहीं हुआ। जलेब चौक और गुरुद्वारे के पास की पार्किंग व्यवस्था भी सुचारु रही।मंदिर परिसर में दिनभर कीर्तन, सत्संग और भजन मंडलियों का आयोजन होता रहा।

सत्संग भवन में श्रद्धालु कीर्तन में लीन रहे। मंदिर के स्वयंसेवकों ने पुलिस के साथ मिलकर दर्शनार्थियों की सेवा की।

हेरिटेज निगम आयुक्त ने किया देर रात औचक निरीक्षण

जयपुर। जयपुर शहर को सफाई व्यवस्था का हाल जानने के लिए हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल लगातार फील्ड निरीक्षण कर रही है। शनिवार को देर रात निगम आयुक्त ने रेलवे जंक्शन के बाहर सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। जहां दुकानों के बाहर गंदगी देख आयुक्त निधि पटेल नाराज हो गई। उन्होंने मौके पर ही स्वास्थ्य निरीक्षक को बुलाकर फटकार लगाई और जोन उपायुक्त सुनील कुमार को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल पिछले तीन दिनों से लगातार रात में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर रही है। इस दौरान आयुक्त निधि पटेल ने बताया कि हेरिटेज निगम की स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी भी लगातार फील्ड में सक्रिय होकर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ कर रहे हैं। इसके अलावा आयुक्त खुद भी देर रात विभिन्न जगहों पर औचक निरीक्षण कर रही है। जिसमें लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों को नोटिस देकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जयपुर शहर को वर्ल्ड हेरिटेज का खिताब दिया जा चुका है। दूर दूरी लोग शहर की की खूबसूरती को निहारने आ रहे है। ऐसे में वे अपनी यादों में शहर की सुंदरता सजा कर ले जाएं।

सार-समाचार

अवैध मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाली महिला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाली एक महिला तस्कर को पकडा है और उसके पास से 5.55 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपी महिला तस्कर से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाली महिला तस्कर 22 वर्षीय अंजली सांसी निवासी अहमद गढ जिला संगरूर (पंजाब)हाल जवाहर नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 5.55 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की है। पुलिस आरोपित महिला तस्कर से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे मे जानकारी कर रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में रविवार को एक युवक ने शर्ट से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। युवक का शव पेड़ से लटका मिलने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। थानाधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिवदासपुरा के प्रहलादपुरा स्थित फैक्ट्री एरिया में रविवार सुबह पेड़ पर फंदे से एक युवक का शव लटका मिला। पेड़ से शव लटका होने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका-मुआवना कर शव को फंदे से नीचे उतारा। मृतक की पहचान के प्रयास किए,लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी।पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र करीब 35 साल है। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। मृतक ने अपनी शर्ट से फंदा लगाकर आत्महत्या किया है। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे है, जिसके बाद ही सुसाइड के कारण का पता चल सकेगा।

पुलिस पर फायरिंग मामले में संदीप राज गैंग का एक बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। भट्टाबस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुलिस पर फायरिंग मामले से जुड़े संदीप राज गैंग के एक बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गैंग सट्टा,ब्याज व भू माफियाओं से रंगदारी वसूलने का काम करती है। गैंग की ओर से टारगेट तय कर धमकी देकर रंगदारी वसूली जाती,रुपए नहीं देने पर फायरिंग की जाती है। पुलिस ने बदमाश से मिले अवैध हथियार जब्त किए हैं। पुलिस फरार गैंगस्टर व उसके साथियों की तलाश कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) राशि डोगरा डूडी ने बताया कि ट्टाबस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुलिस पर फायरिंग मामले से जुड़े एक गैंग के बदमाश राजेश स्वामी (24) निवासी करधनी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि वह संदीप राज गैंग का सक्रिय बदमाश है। गैंग के बदमाशों को शरण देने,रुपयों की व्यवस्था और हथियार दिलाने का अहम काम वही करता है। गैंगस्टर संदीप राज के इशारे पर सट्टा कारोबारी, भूमाफिया, ब्याज माफियाओं को टारगेट तय कर रंगदारी मांगी जाती है। धमकी के बाद भी रुपए नहीं देने पर फायरिंग कर डराया जाता है। गौरतलब है कि एक जून को गैंगस्टर संदीप राज ने रामनगरिया इलाके में पुलिस पर फायरिंग की थी। पुलिस पर फायरिंग में यूज स्कॉर्पियों गाड़ी को भी राजेश ने चौमूं में छिपा दिया। इसके बाद दूसरी गाड़ी से गैंगस्टर संदीप राज को फुलेरा रेलवे स्टेशन तक छोड़कर आया था।

यात्रियों का मोबाइल चोरी करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैम्प थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बस स्टैंड पर यात्रियों का मोबाइल चोरी करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चुराए गए मोबाइल भी बरामद किए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सिंधी कैम्प थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बस स्टैंड पर यात्रियों का मोबाइल चोरी करने वाले कोतवाली थाना का हिस्ट्रीशीटर आरिफ निवासी कल्याण जी का रास्ता कोतवाली जयपुर और सलाउद्दीन उर्फ छोटा भाई निवासी कोतवाली जयपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से सिंधी कैंप बस स्टेण्ड से यात्रियों के चुराए गए मोबाइल बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । यह शिविर स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर, सीतापुरा एवं पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सीतापुरा के संयुक्त तत्वावधान में अटल सेवा केंद्र विधानी ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें निःशुल्क परामर्श, दवाइयां, सामान्य जांच - बी.पी., ब्लड ग्रुप, शुगर, आँखों की जांच रक्तक्षमता आदि सेवाएँ प्रदान की गई स्वास्थ्य कल्याण होम्योपथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के चिकित्सक, वरिष्ठ आचार्य एवं ट्रस्ट सदस्य व मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। टीम द्वारा हर व्यक्ति की व्यक्तिगत जांच कर उन्हें उचित सलाह व चिकित्सा प्रदान की गई। इस अवसर पर कौशल सत्यार्थी,दुर्गा वर्मा, डॉ. नुपुर जैन, डॉ. वृंदा राना, डॉ. फाल्गुनी लबाना, डॉ. श्रिया स्वामी, डॉ. मधु कुमावत, डॉ. अदिति माथुर, डॉ. सिमरन बेग,डॉ. वीना नेवानी, डॉ. हुमेरा परवीन, दिनेश आलोरिया, धर्मेन्द्र आलोरिया, आकांशा, नितेश, युवराज मुंडोतिया सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

स्वर्गीय राहुल तंवर की जयंती धूमधाम से मनाई

जयपुर। आज जयपुर शहर में युवा नेता(पूर्व सचिव-राजस्थान प्रदेश काँग्रेस कमेटी) एवं पूर्व अध्यक्ष मुहाना मंडी स्वर्गीय राहुल तंवर की जयंती धूमधाम से मनाई गई ।गतवर्ष ही उनका कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उनका निधन हुआ था ।

आज उनके साथी, समर्थक, मंडी परिवार के सदस्य, माशाखोर, किसान, परिजन, दोस्तों ,शुभचिन्तकों ने विभिन्न कार्यक्रम जयपुर शहर में उनकी याद में आयोजित किए। स्वर्गीय राहुल तंवर सामाजिक राजनीतिक और व्यापारिक स्तर पर बेहद सक्रिय थे उन्होंने अपने अध्यक्ष काल में मुहाना मंडी के विकास में कई कार्य करवाए। इसके अलावा। सामाजिक रूप से और राजनीतिक रूप से भी वे आम जनता के समसामयिक मुद्दों को उठाते रहते थे। योगेश तंवर अध्यक्ष - जयपुर फल व सब्जी थोक विक्रेता संघए बताया की कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में सर्वप्रथम शुरुआत दुर्गापुरा स्थित गौशाला में गायों को परिवारजन और मित्रो द्वारा हरा चारा खिला कर किया गया। उसके पश्चात मुहाना मंडी परिसर में जयपुर फल सब्जी थोक विक्रेता संघ के बैनर तले सतीश रावत ,सुरेन्द्र सैनी,इमरान कुरेशी ,सुनील गोयल, जितेंद्र सैनी, संजय तारानगर, राजेश जी आदि द्वारा 5 अलग अलग जगहों पर फलो का वितरण किया गया। जयपुर शहर की अलग-अलग जगहो पर युवा साथियों द्वारा उनकी याद में वृक्षारोपण एवं फल वितरण भी गया किया गया जिसमें प्रमुख रूप से ललित जावा और साथियो ने नेहरू बाल उद्यान ,टोंक रोड ,सौरभ कटारिया और साथियो द्वारा स्वेज़फार्म पार्क, गणेश पार्क, निक्की, मोहित गुर्जर और साथियो द्वारा आनंदपुरी पार्क में आम, अशोक ,चीकू ,शीसम, जामुन, कनेर , चाँदनी के बड़े पेड़ लगाने का कार्य संपन्न हुआ। इसके अलावा जेके लॉन हॉस्पिटल,जवाहर लाल नेहरू मार्ग में रोगियो और परिजनो को फल वितरण किए गए।

■ **स्वर्गीय राहुल तंवर सामाजिक राजनीतिक और व्यापारिक स्तर पर बेहद सक्रिय थे**

'किसान केंद्रित राजनीति एवं गांव आधारित अर्थरचना ही किसानो की समृद्धि का आधार'

जयपुर। फसलों की हानि के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्लेम प्राप्त करने हेतु ग्राम बिहारीपुरा, जिला जयपुर में किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई जिसमें उन्होंने किसानो को संबोधित करते हुए किसानों की समृद्धि के लिए किसान केंद्रित राजनीति एवं गांव आधारित अर्थरचना को अपरिहार्य बताया।

उन्होंने ने कहा कि निंदा आधारित राजनीति से सत्ता परिवर्तन संभव हो सकता है किंतु व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं है अपितु सुधार की संभावनाएं भी नगण्य रहती हैं। इस हेतु से सकारात्मक किसान केन्द्रित राजनीति तथा ग्राम आधारित अर्थरचना की आवश्यकता है। सही दिशा खेत को पानी, फसल को दाम, युवाओं को काम सुनिश्चित करेगा। इसी से समाज की सुखी, समृद्ध बनने की इच्छा पूरी होगी। वर्तमान में राज प्राप्ति ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसीलिए जाति, दल, पंथ की रणनीति कारगर रूप से काम में ली जा रही है। राजनीतिक दल मूल विषयों की अनदेखी कर इन्हीं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

■ **'सिंधु जल समझौते' का पानी पाकिस्तान जा रहा है। अनेकों वर्षों से राजस्थान की धरती की प्यास बुझाने का सपना ही दिखाया जा रहा है**

उन्होंने बताया कि राजस्थान में उपलब्ध भूभाग देश के भौगोलिक क्षेत्र का 10.4 है जबकि पानी की उपलब्धता लगभग एक प्रतिशत ही है। चंबल नदी से प्रतिवर्ष 20,000 मिलियन घनलीटर पानी बहकर समुद्र में चला जाता है।

'सिंधु जल समझौते' का पानी पाकिस्तान जा रहा है। अनेकों वर्षों से राजस्थान की धरती की प्यास बुझाने का सपना ही दिखाया जा रहा है। 30 वर्ष पूर्व का 'यमुना जल समझौता' भरतपुर जिले में 20 से कम पानी दिला पाया है तथा सीकर, झुंझुनू, चूरू में 30 बूंद भी पानी नहीं दे सका है। 1966 में हुए समझौते के अनुसार वर्ष 2006 के बाद अभी तक माही का संपूर्ण पानी राजस्थान को प्राप्त नहीं हुआ है। 'शारदा-साबरमती-यमुना लिंक परियोजना' अभी कागजों की ही शोभा बढ़ा रही है। राजस्थान को पानी की उपलब्धता 'दूर की कौड़ी' बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार खेती करने वाले 58.2 है। खेती के सहायक धंधों में रत ग्राम वासियों की जनसंख्या को उसमें सम्मिलित करने पर यह लगभग 75 है। इससे स्पष्ट है कि किसानों के सहयोग एवं समर्थन के बिना कोई भी दल या दलों का समूह सरकार नहीं बना सकता। फिर भी इनके कारण बनने वाली सरकार की नीतियां कृषि एवं किसान हितों के विपरीत बनती है। इसी का परिणाम है कि अधिकांश किसानों को उनके उत्पादों के लागत मूल्य भी प्राप्त नहीं होते हैं।

जय क्लब में 'महाराणा प्रताप द इनविंसिबल वॉरियर' पुस्तक पर विशेष सत्र

जयपुर। जय क्लब में इतिहास जीवंत हो उठा जब प्रसिद्ध इतिहासकार और लेखिका डॉ. रीमा हूजा ने अपनी पुस्तक 'महाराणा प्रताप: द इनविंसिबल वॉरियर' पर आधारित एक विचारोत्तेजक संवाद में भाग लिया। वर्ल्ड ऑफ वर्ड्स (वाओ) द्वारा आयोजित इस विशेष सत्र में इतिहास और साहित्य प्रेमियों ने अंतर्दृष्टि, आत्मचिंतन और पुनः खोज की एक रोचक शाम का अनुभव किया।सत्र का संचालन वरिष्ठ जनसंपर्क कर्मी, जगदीप सिंह द्वारा किया गया। इस संवाद में भारत के सबसे प्रतिष्ठित योद्धाओं में से एक, महाराणा प्रताप की गाथा और उनकी विरासत को गहराई से समझने का प्रयास किया गया। डॉ. हूजा ने उनके प्रारंभिक जीवन, पराक्रम, हल्दीघाटी के युद्ध और उनके गुरिल्ला योद्धा के रूप में बिताए वर्षों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुग़ल कभी भी उन्हें पराजित नहीं कर सके और महाराणा प्रताप ने किसी भी प्रकार की संधि को स्वीकार नहीं किया।

दोस्ती कर मिलने बुलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में स्थित एक गेस्ट हाउस में युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पहले आरोपित ने दोस्ती कर मिलने बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर शादी करने का झांसा देकर साल तक देहशोषण भी करता रहा। इस संबंध में पीडिता थाने पहुंची और आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि फुलेरा की रहने वाली 23 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ समय पहले आरोपी से उसका संपर्क हुआ था। बातचीत के दौरान दोनों के बीच जान-पहचान होने पर दोस्ती हो गई। आरोप है कि जुलाई-2024 में आरोपी ने उस पर मिलने का दबाव बनाकर जयपुर बुलाया। मिलने आने पर आरोपी बजाज नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में ले गया। गेस्ट हाउस में आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर शादी करने का झांसा दिया। शादी करने का झांसा देकर एक साल तक देह शोषण करता रहा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर देश के प्रथम उद्योगमंत्री व भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शर्मा ने राष्ट्र निर्माण में डॉ. मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया।

■ **डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन किया समर्पित : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. मुखर्जी एक विचारक ही नहीं, बल्कि महान कर्मयोगी थे। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शर्मा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श और सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर हम एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

डॉ. मुखर्जी जी अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक संघर्षरत रहे

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती के अवसर पर आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. मुखर्जी की पावन स्मृतियों को नमन किया ।

मदन राठौड़ ने कहा कि अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों और कार्यों से माँ भारती को गौरवान्वित करने वाले महान विचारक, कार्यकर्ताओं के प्रेरणापुंज, विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तम्भ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म-जयंती पर उन्हें नमन करता हूँ ।

राठौड़ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से दो विधान, दो निशान और दो प्रधान समाप्त करने के लिए श्रद्धेय डॉ. मुखर्जी जी अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक संघर्षरत रहे। माँ भारती की एकता, अखंडता और सम्मान के लिए दिया गया अमर बलिदान अनंतकाल तक देशवासियों को राष्ट्रसेवा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, एस टी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा , कार्यालय सह प्रभारी रजनीश चनाना सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

■ **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पुष्पांजलि कर किया नमन**

"अपने हक और अधिकार के लिए जमीनी संघर्ष ही यूनियन का अस्तित्व सुनिश्चित करता है"

जयपुर। भारतीय मजदूर संघ, राजस्थान की दो दिवसीय प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यसमिति बैठक दिनांक 5-6 जुलाई 2025 को जयपुर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह डाबी ने की, जिसमें उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के संगठन मंत्री सी.वी. राजेश, असंगठित क्षेत्र के अखिल भारतीय सह-प्रभारी जयंतीलाल, तथा प्रदेश महामंत्री श्री हरिमोहन शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन की रीति-नीति, गतिविधियों, कार्यकर्ता प्रवास, नियमित बैठकों एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बीएमएस की स्थापना के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित आयोजनों पर भी चर्चा हुई।

प्रदेश महामंत्री श्री हरिमोहन शर्मा ने जानकारी दी कि राजस्थान में देशभर में सर्वाधिक 45 नई यूनियनों का पंजीकरण हुआ है, जो संगठन की सशक्त उपस्थिति का प्रमाण है।

कार्यसमिति बैठक दिनांक 5-6 जुलाई को जयपुर में सम्पन्न हुई।

राजस्थान के 4 लाख घरों पर "मेरा घर बीएमएस घर" अभियान के अंतर्गत बीएमएस के ध्वज लगाए जाएंगे।

■ **बैठक में संगठन की रीति-नीति, गतिविधियों, कार्यकर्ता प्रवास, नियमित बैठकों एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की**

इंदिरा गांधी स्टेडियम, दिल्ली में बीएमएस 70 के समापन कार्यक्रम में परम पूज्य सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। राजस्थान से 2000 कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। दिसंबर माह में जयपुर में "हुंकार रैली" का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 1 लाख कार्यकर्ताओं की भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित है। यह रैली राज्य सरकार की श्रमिक-विरोधी नीतियों के विरोध में आयोजित की जाएगी। 13-14 सितंबर को खाटूश्यामजी में महिला अभ्यास वर्ग एवं प्रदेशभर में संभागवार युवा अभ्यास वर्ग आयोजित किए जाएंगे। जुलाई माह में जिलावार "परिचय वर्गों" के माध्यम से संगठन विस्तार का कार्य किया जाएगा। अपने हक और अधिकार के लिए जमीन पर संघर्ष करने से ही यूनियन का अस्तित्व टिकता है।"अंत में प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह डाबी ने सभी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सक्रिय सहभागिता का आव्हान किया।

जयपुर जिले के कार्यकर्ताओं द्वारा बैठक की सफलता हेतु किए गए प्रबंधों के लिए श्री कैलाश जी शर्मा, जिला अध्यक्ष रणजीत गुर्जर, जिला मंत्री महेन्द्र सैनी, राष्ट्रीय पदाधिकारी मालीराम स्वामी, फेडरेशन प्रतिनिधि हेमशंकर कुमावत एवं जिला मीडिया प्रभारी अक्षय कुमार को साधुवाद ज्ञापित किया गया।

घर से बैटरी ई-रिक्शा चुराने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घर के बाहर से बैटरी ई-रिक्शा चुराने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चुराया गया एक बैटरी ई-रिक्शा भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने का आदि है और नशा पूर्ति के लिए चोर की वारदात करता है।

फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। घर के बाहर से बैटरी ई-रिक्शा चुराने वाले मोहसिन उर्फ अरबाज उर्फ तिरंगा निवासी ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर पूर्व को मनोचिकित्सालय केन्द्र सेठी कॉलोनी के बाहर गोविन्द मार्ग से चोरी किये गये बैटरी ई रिक्शा को बेचने की फिराक में घूमते हुए पकड़ा है। आरोपित पूर्व में चालान शुदा अपराधी है। तथा स्मैक के नशे के आदि है। आरोपित द्वारा रात्री व दिन के समय सुनसान जगहों पर, मकानो में सामानों एवं वाहनों को व इलाका थाना में बस स्टैंड व चौराहों पर बाहर से आये लोगो से उनका सामान लूटकर लेकर भाग जाता है।

Eating the 'Yummy Chocolate'

Today is the true, definitive, purist 'World Chocolate Day,' so, celebrate with some of the high cocoa, rich, dark chocolate that makes you go tingly inside. World Chocolate Day is nothing short of a special tribute to mankind's greatest culinary invention. (Sorry Bread or even Pizza!) Chocolate can enhance and help to create the most luxurious desserts and can even be enjoyed and indulged on its own. We don't need to tell you what to do to celebrate this day, do we? Eat Chocolate! Also, you will find many bakeries, individuals, and candy stores joining in on the celebrations.

#ENVIRONMENT

Air Pollution Shorten Lives

While smog seems like a difficult problem to tackle, some countries have proven that it's possible to clean up the air.

We can't always see the consequences of air pollution around us, but it's taking years off our lives. According to a new Air Quality Life Index report from the Energy Policy Institute at the University of Chicago (EPIC), air pollution is taking 2.2 years off the average global life expectancy.

In some of the most polluted regions in the world, residents are expected to lose an average five years of their lives, if the current high levels of pollution persist.

While smog seems like a difficult problem to tackle, some countries have proven it's possible to clean up the air. In the past seven years, China has reduced air pollution as much as the United States has, in the past three decades. And since India's Gujarat state launched the world's first clean air market in 2019, they've been successful in cutting particulate pollution by at least 20%.

A Ratatouille Rendevous at Jaipur Inn

It's a story narrated in first person by Takako, a young girl living and working in Tokyo. Her longtime boyfriend has decided to marry another girl at their common workplace. Heartbroken, and unable to face them daily, she quits her job. But with a rent to pay and other expenses, she is at a loss. Her mother arranges for her to go and stay with her uncle, Saturo, at his bookshop.

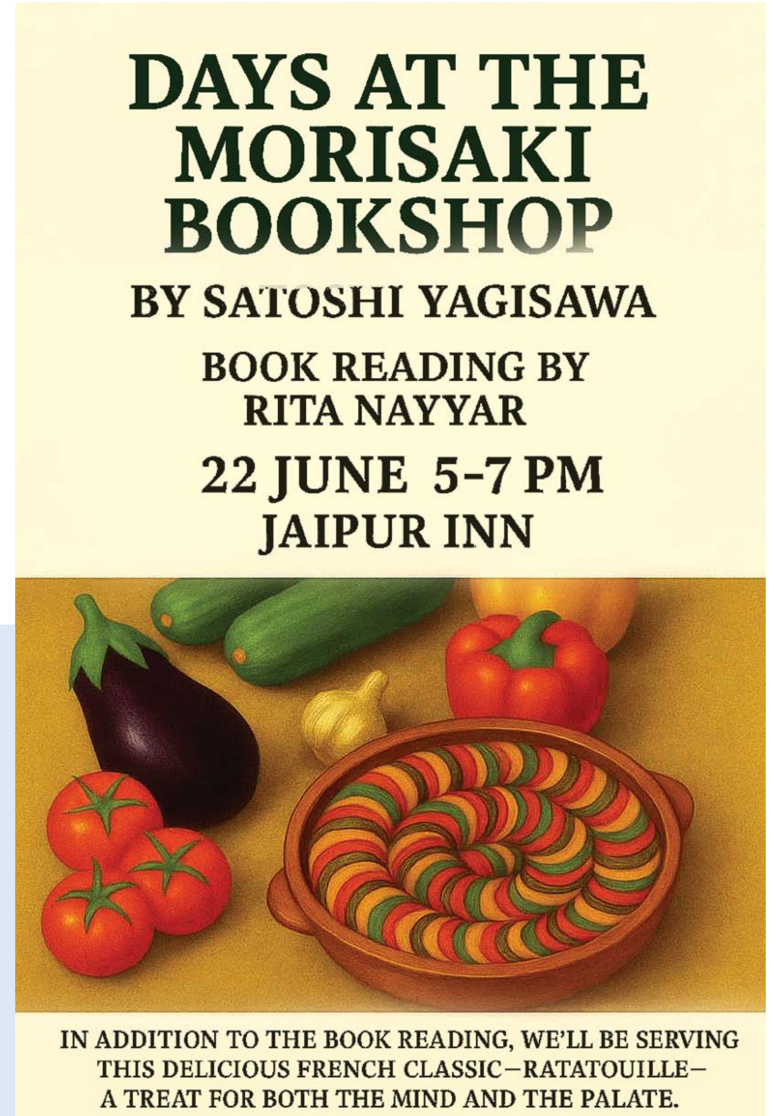

● Rita Nayyar and Pushpendra Bhargava

Reading and eating are the two basics of our lives, apart from sleeping. When brought together with a motley crowd, it can create magic and a dream well lived. It was my dream to have my wife, Reetika's mami, cook a French vegetarian dish at Cafe Jai, as well as read from a book of her choice. Even with both of us willing, it took years before this 'dream' actually materialised on June 22, 2025.

We worked on the invites together, but all the organisation was on the hosts, including Reetika. Finally, on the humid rainy evening, we were all there awaiting our guests.

Both of us were a little nervous, even though I, Pushpendra had organised several events. Rita, because she had never cooked the dish in such a large quantity.

We were all busy with last minute preparations, dealing with the demands in the kitchen, getting the evening tea organised, as Harish watched the match, and Vijay, the Nayyars' help and Jaipur Inn's Bahadur, helped us prepare the many vegetables required for the in-house version of Ratatouille. We were so happy that all the many ingredients could be procured, and there was nothing missing.

And then, our guests arrived, all in time, and after introductions, we settled down soon for the reading session.

The book chosen was, 'My days at the Morisaki Bookshop,' written by Satoshi Yagisawa, translated from the Japanese by Eric Ozawa.

It's a story narrated in first person by Takako, a young girl living and working in Tokyo. Her longtime boyfriend has decided to marry another girl at their common workplace. Heartbroken, and unable to face them daily, she quits her job. But with a rent to pay and other expenses, she is at a loss. Her mother arranges for her to go and stay with her uncle, Saturo, at his bookshop.

She has not been in touch with her uncle as an adult, but has beautiful childhood memories with him. Four passages were read out to show how her uncle gently helps her to come out of her loneliness and dejection, and how after outright rejecting it at first, it's reading that finally brings her solace.

The reading was amazing, with the rapt attention of the listeners, even with some stumbling on the reader's part. Overall, it was an enjoyable experience for all. We had among our guests, Dr. Rekha Mathur, who has been a professor in Kanodia college, who talked about her PhD thesis and her book, 'Dhulichitra,' on the home and wall art done by women all over India, which goes by different names, 'Mandana,' 'Kollam,' 'Alpana' et al in different states. She told us interesting stories, one related to the Indian religious symbol 'satiya,' the Swastika, and how it is created by the rotation of the constellation 'Sapta Rishi Mandal,' the Great Bear, and that the materials used in these decorations are for the birds and insects to consume. It's a beautiful book, with illustrations and Rekhaji's input of colour combinations.

And then, we finally commenced the cooking. The preparations were already done. Some of the ladies joined in, despite the sweltering humidity, and Megha, Rekhaji's daughter-in-law, an architect herself, was the most enthusiastic and hands on. So in went the olive oil, onions, part of the garlic, the green and red peppers, followed by chopped *baigan*. We covered the pot and went out to get a breather from the heat while Vijay stayed inside to stir the dish and tell us when the *baigan* was soft.

Bahadur, meanwhile, made tea and coffee for everyone.

The *chikni torai*, a substitute for Zucchini, went in next with a generous helping of *saunf*, as a substitute for the fennel bulb. Tomatoes went in next, along with *tulsi*, instead of the basil in the original recipe.

Once the veggies were cooked enough, but not lost their originality, we transferred them into baking dishes, in went a touch of sugar and vinegar, 'to enhance the flavour of the veggies, not to make a sweet and sour dish,' as the recipe says. Stirred in some more garlic and basil, added the parsley and put it in the oven for 15-20 minutes. We put the smaller dish in the microwave, so that people could begin eating. It was served with toasted garlic bread with garlic butter on the side.

There were other goodies, the best *dhokla* in Jaipur from *Ghee walon ka rasta*, neither overly sweet and nor soaked in water, scrumptious *Lapsi*, with the goodness of *gud* and *desi ghee*, made from a Diggi Palace recipe, and assorted roasted namkeens.

We served the microwaved dish first, and then insisted that everyone take a second helping of the baked dish too. I think everyone enjoyed the food, and of course the company, as conversations flowed seemlessly. Though most of us were new acquaintances, we all got along like old friends.

Reetika graciously took care of all our guests. Jai Bhargava, joined us too, briefly, and missed Zoya Bhargava, she designed the beautiful invites.

It was a great first time experience for me, Rita Nayyar, who is grateful to Pushpendra for giving her the opportunity of sharing her passion for reading, and love for cooking with this wonderful group. We are going to put down this recipe of *Ratatouille*, taken from 'The Vegetarian Bistro' by Marlena Spieler, with changes to suit the availability of ingredients here, in the book, in making of handwritten recipes, where guests who have cooked while staying at Jaipur Inn, have written the recipes in their own handwriting.

#SUMMER DAYS

Our motely group — Standing L to R: Harish, Rohit, Shivani, Megha, Divij, Pushpendra, Alok
Sitting L to R: Reetika, Charu, Rita, Seema, Shivani, Rekhaji
On the floor: Jai

> The reading was amazing, with the rapt attention of the listeners, even with some stumbling on the reader's part. Overall, it was an enjoyable experience for all. We had among our guests, Dr. Rekha Mathur, who has been a professor in Kanodia college, who talked about her PhD thesis and her book, 'Dhulichitra,' on the home and wall art done by women all over India, which goes by different names, 'Mandana,' 'Kollam,' 'Alpana' et al in different states.

Trivia

Ratatouille, the dish

The word *ratatouille* derives from the *Occitan ratatolha* and is related to the French *ratouiller* and *tatouiller*, expressive forms of the verb 'touiller,' meaning 'to stir up.' From the late 18th century, in French, it merely indicated a coarse stew.

Ratatouille, the movie

In 2007, Walt Disney Pictures and Pixar Animation Studios released the film *Ratatouille*. The film features Remy, a young rat with an exceptional sense of taste and smell who dreams of becoming a chef. The climax of the film sees Remy prepare the titular dish in the form of *confit byaldi* for the notoriously harsh food critic Anton Ego, who unexpectedly loves the dish due to nostalgia for his mother's cooking of traditional ratatouille. The movie gave widespread exposure to this dish around the world.

The Vegetarian Bistro

I, Rita, chanced upon the book in *Barnes and Nobels* on our first visit to the US in 2002, to see our son who was studying there. Intrigued by the fact that the French have so many vegetarian dishes, I picked up the book. It uses veggies available to us here, pulses and legumes that we eat. Where necessary, I substitute by something close to the original ingredient. I realised, for the first time in my life, that baked dishes can be done without cheese too.

Nayyars' daughter had picked up Satushi's 'More Days at The Morisaki Bookshop' at the airport last year and left it for her mom to read. She really loved the book and realised it was a sequel. Now, she wanted to read the prequel too. In October, while ordering books to gift a friend on her birthday, she decided to buy the first book by Satoshi. And then thought, why not get a copy for herself too. She really enjoyed reading this one as well, and felt like sharing at her very first book reading.

rajeshsharma1049@gmail.com

#FOR KIDS

RAINY DAY RECIPES

What makes these snacks so great? They're Indian recipes with a healthy twist, designed to keep your healthy kids happy and full of energy.

Rainy days are the best time to stay inside and have fun with your family, and I've got just the thing to make them even better through delicious snacks! The monsoon season brings a cozy vibe, and it's the perfect chance to whip up recipes for kids that are both tasty and good for them. You don't need to stress about complicated cooking either. These healthy snacks are quick to make and packed with nutrition, so, your little ones can enjoy rainy day snacks without you spending all day in the kitchen. Trust me, these ideas will be a hit with your kids!

What makes these snacks so great?

They're Indian recipes with a healthy twist, designed to keep your healthy kids happy and full of energy. From savory bites to sweet treats, these healthy snacks recipes are all about flavor and fun. Plus, they're easy recipes that anyone can make, even on the busiest rainy days. Get ready to dive into some amazing ideas that your family will love!

1. Crispy Veggie Patties

These crispy veggie patties are a total winner! They're loaded with good stuff and so easy to shape into fun designs that kids can't resist.

Ingredients:

- 2 medium potatoes, boiled and mashed
- 1 carrot, grated
- 1/2 cup peas, boiled
- 1/2 cup green beans, chopped and boiled
- 1 small onion, finely chopped
- 1 tsp ginger paste
- 1/2 tsp cumin powder
- 1/2 tsp coriander powder
- Salt to taste
- 2 tbsp breadcrumbs
- Oil for shallow frying

Method

1. Mix all the veggies in a big bowl.
2. Add the ginger paste, spices, salt, and breadcrumbs. Stir until it's like dough.
3. Shape it into small patties, try stars or hearts for extra fun!
4. Heat a little oil in a pan and fry the patties until they're golden on both sides.
5. Serve with ketchup or a yummy dip.

Kids will love munching on these, and you'll feel great knowing that they're eating their veggies!

2. Tangy Sprout Mix

This tangy sprout mix is a fresh, healthy snack that's ready in no time. It's light and bursting with flavors that kids will enjoy.

Ingredients:

- 1 cup sprouted moong beans
- 1 small onion, chopped
- 1 small tomato, chopped
- 1 tbsp lemon juice
- 1/2 tsp chaat masala
- Salt to taste
- Fresh coriander leaves, chopped

Method:

1. Toss the sprouted moong, onion, and tomato in a bowl.
2. Squeeze in the lemon juice, then sprinkle chaat masala and salt. Mix it up well.
3. Top with coriander leaves and serve right away.

It's a super quick snack that's perfect for a rainy afternoon pick-me-up!

THE WALL

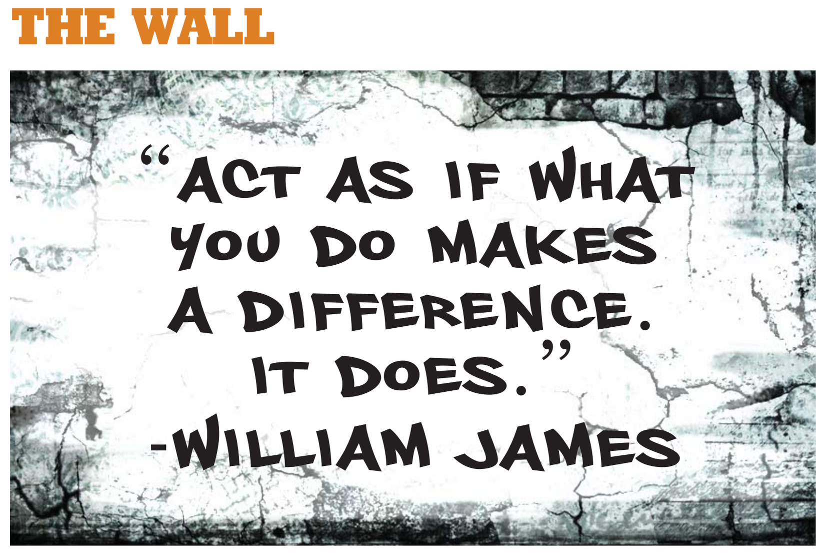

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

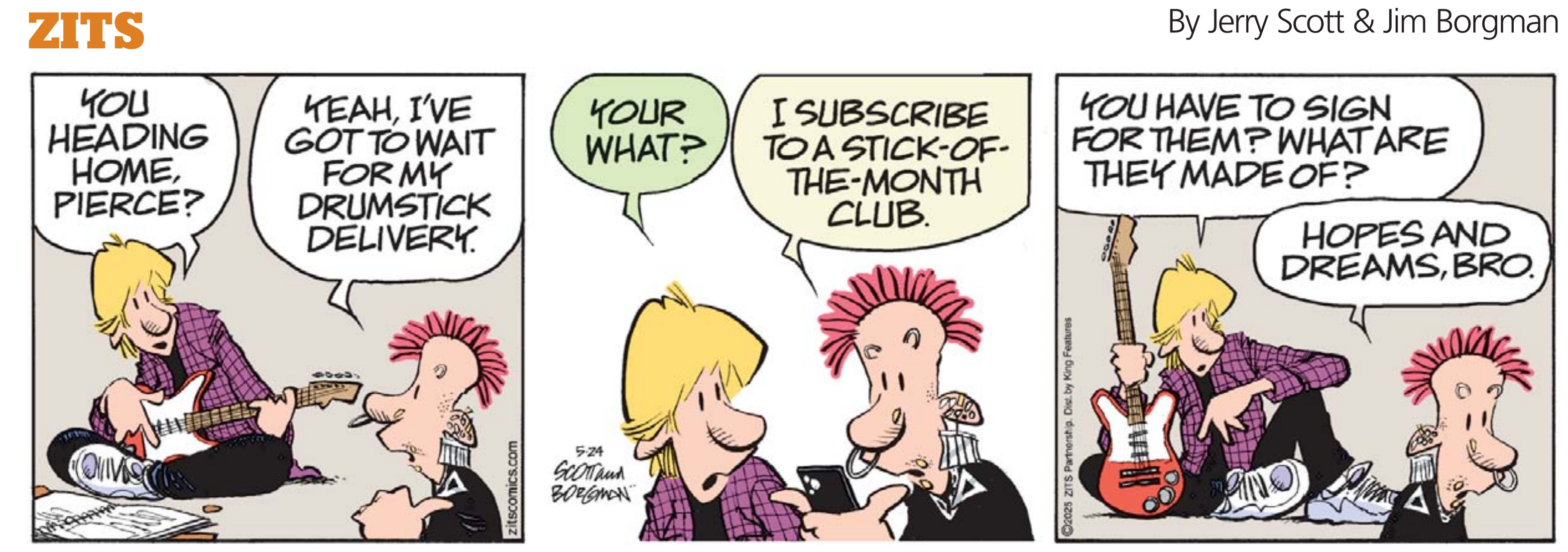

ज्वैलरी लूट की वारदात का खुलासा, दस आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग डिटेन

ज्वैलर्स कर्मी से चाकू की नोक पर 900 ग्राम सोने के गहने और स्कूटी लूटी थी

■ कोटा से लेकर जयपुर, चित्तौड़गढ़, मध्यप्रदेश के उज्जैन तक दबिश दी, 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

कोटा, (निसं)। शहर में दिनदहाड़े हुई ज्वैलरी लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 90 घंटे में खुलासा कर दिया है। इस वारदात ने शहर के व्यापारियों में खौफ फैला दिया था। अब पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है।

जानकारी के अनुसार दो जुलाई की शाम करीब छह बजे एक ज्वैलर्स कर्मचारी से चाकू की नोक पर करीब 900 ग्राम सोने के गहनों और ओला स्कूटी की लूट की गई थी। पीड़ित कर्मचारी महेन्द्र कुमार, स्वर्ण रजत मार्केट स्थित ज्वैलर्स से गहने लेकर इन्द्रा मार्केट आया था। वहां से दो डिब्बों में रखे गहनों को स्कूटी की डिग्गी में रखकर वापसी कर रहा था तभी पीछे से दो बाइकों पर आए पांच बदमाशों ने उसे रास्ते में रोक लिया। इस लूटकांड को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गई।

कोटा शहर में हुई ज्वैलरी लूट की वारदात का खुलासा कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कैथूनीपोल, कुन्हाड़ी, अनन्तपुरा, कोतवाली थाना और सायबर सेल की टीमों ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। कोटा से लेकर जयपुर, चित्तौड़गढ़, मध्यप्रदेश के उज्जैन तक दबिश दी गई।

लूट के बाद आरोपियों ने अपने मोबाइल बंद कर लिए थे और अलग-अलग शहरों में जाकर छुप गए थे, लेकिन पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और खुफिया नेटवर्क की मदद से सभी को ट्रेस कर लिया। मुख्य आरोपी हर्षित सोनी पहले से ज्वैलरी बाजार से जुड़ा हुआ था। वहीं रैकी कर रहा था। उसके कहने पर आरोपी आकाश वैष्णव फर्जी ग्राहक बनकर आया और महेन्द्र को लूट के लिए टारगेट बनाया। हरिओम उर्फ नंदू शूटर, आकाश वैष्णव उर्फ साजन, हर्षित सोनी, राजन उर्फ साजन, विष्णु सिंह उर्फ डोगी, तरुण सिंह उर्फ संदीप, प्रदीप केवट, करण मुलानी, बनवारी लाल और शिवकुमार सोनी सहित एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।

पूर्व सरपंच के बेटे ने थाने में राइफल से रील बनाई

■ वीडियो की जांच करने पर सामने आया कि 2022 व 2024 में बनाया था

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में पूर्व सरपंच के बेटे ने आचार संहिता में जमा करवाई राइफल के साथ पुलिस थाने में वीडियो बनाया। वीडियो में वह थाने से राइफल हाथ में लिए बाहर निकलता नजर आ रहा है। इसके बाद वह गाड़ी में बैठता है और वहां से निकल जाता है। वहीं दूसरे वीडियो में रुपए से भरा बैग दिखा रहा है। रुदावल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसएचओ बाल कृष्ण ने बताया कि वीडियो में नजर आ रहा युवक शिवा गुर्जर (28) निवासी नगला तुला है, वह ठेकेदार है। उसके पिता साहब सिंह ग्राम पंचायत डुमरिया से सरपंच रह चुके हैं। वीडियो की जांच करने पर सामने आया कि यह 2024 अप्रैल में थाना परिसर में बनाया गया है। हथियार लाइसेंसी है, जिसे उसने चुनाव की आचार संहिता के दौरान जमा करवाया था। इसके बाद जब हथियार वापस दिए गए तो उसने थाना परिसर में वीडियो बना लिया। पुलिस शिवा की तलाश कर रही है।

रुपए से भरा बैग बहन की शादी का :- एसएचओ ने बताया कि दूसरा वीडियो 2022 का है। 2022 में शिवा की बहन की शादी थी।

इसके लिए बैंक से रुपए बैग में लेकर आए थे। ऐसे में, उसने रुपए के साथ यह वीडियो शूट कर लिए। एसएचओ ने कहा कि थाना परिसर के आसपास या थाने के अंदर इस तरह के वीडियो बनाना गलत है। शिवा की तलाश के लिए टीम रवाना कर दी गई है। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दोनों वीडियो पोस्ट किए हैं। शिवा की मां पार्वती 9 नंबर वार्ड से जिला परिषद सदस्य है।

भरतपुर में पूर्व सरपंच के बेटे ने आचार संहिता में जमा करवाई राइफल के साथ पुलिस थाने में वीडियो बनाया।

दो पिस्टल, 28 जिंदा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

■ आरोपी रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण गैंग का सक्रिय सदस्य बताया गया है

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन व्रज के तहत कार्रवाई करते हुए 38 वर्षीय व्यक्ति को दो पिस्टल एवं 28 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण गैंग का सक्रिय सदस्य बताया गया है।

एसपी जय यादव ने बताया कि अवैध हथियार, सक्रिय गैंग व संगठित अपराधों पर रोकथाम के लिए आईजी बीकानेर रेंज के निर्देश पर जिले में ऑपरेशन वज्र चलाया जा रहा है, जिसके तहत कार्रवाई की गई। मामले के अनुसार रतनगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर रतनलाल मय जाब्ता गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से एक व्यक्ति के पास अवैध हथियार होने की सूचना मिली, जिस पर पुलिस लधासर-जालेऊ सड़क मार्ग पर पहुंची, तो एक व्यक्ति दिखाई दिया। जिसे रोककर पूछताछ की, तो उसने अपना नाम महिपालसिंह पुत्र बद्रीसिंह निवासी लधासर बताया, जो अपने खेत जा रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से दो पिस्टल व 28 जिंदा कारतूस बरामद हुए। हथियार के संबंध में जब लाइसेंस की जानकारी ली, तो वह नहीं होना बताया, जिस पर पुलिस ने महिपालसिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध हथियार जब्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई जयप्रकाश कर रहे हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

रतनगढ़ पुलिस ने हथियार सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

भारी बरसात से मादड़ी बांध में एक ही रात में 19 फीट पानी की आवक

उदयपुर शहर में साढ़े तीन इंच पानी बरसा, सीसारमा नदी में करीब 12 फीट का बहाव रहा

■ नदी का पानी सीसारमा गांव में स्थित वैजनाथ मंदिर के अंदर तक पहुंच गया और सीसारमा गांव के कई खेत भी तालाब बन गए

उदयपुर, (निसं)। बीती रात और रविवार तड़के उदयपुर शहर सहित जिले में तेज बारिश हुई। कैचमेंट में जोरदार बारिश होने से शनिवार देर रात सीसारमा नदी में करीब 12 फीट का बहाव रहा। इसके चलते पिछोला झील के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होकर इसका गेज रविवार दोपहर तक 11 फीट के मुकाबले करीब सवा नौ फीट हो गया है।

बड़ी तालाब को भरने वाली मोरवानिया नदी भी शनिवार देर रात उफान पर चली। राजसमंद जिले का बाघेरी का नाका छलक गया है इससे नदंसमंद में आवक होगी। आकोदड़ा बांध के जलस्तर में 8 फीट और मादडी बांध के जलस्तर में एक ही रात में करीब 19 फीट की बढ़ोतरी हुई है। शनिवार रात उदयपुर शहर सहित झीलों के कैचमेंट में तेज बारिश हुई। नाई क्षेत्र में तीन इंच बारिश हुई। शनिवार देर रात सीसारमा नदी में उफान आ गया। नदी का पानी सीसारमा गांव में स्थित वैजनाथ मंदिर के अंदर तक पहुंच गया और सीसारमा गांव के कई खेत भी तालाब बन गए।

इससे बीती रात सीसारमा नदी में करीब 12 फीट पानी का बहाव होने का अनुमान है। स्थानीय लोगों के अनुसार नदी का जलस्तर 12 फीट के करीब आने पर ही वैजनाथ मंदिर में पानी घुसने लगता है। हालांकि सुबह सात बजे सीसारमा नदी में पानी का बहाव कम होकर 6 फीट पर आ गया।

पिछोला झील का जलस्तर 11 फीट के मुकाबले करीब सवा नौ फीट हो चुका है। सीसारमा नदी से आवक ऐसे ही बनी रही तो पिछोला का जलस्तर साढ़े दस फीट के करीब पहुंचने के बाद कभी भी स्वरूपसागर लिंक नहर के गेट खोलकर फतहसागर में पानी डायवर्ट किया जा सकता है। फतहसागर का जलस्तर 13 फीट के मुकाबले करीब 6 फीट है। आकोदड़ा बांध का जलस्तर 60 फीट के मुकाबले करीब 40 फीट और मादडी बांध का 34 फीट के मुकाबले 28 फीट हो चुका है। देवास प्रथम का गेज 34 फीट के मुकाबले 17 फीट है।

मानसी वाकल बांध में अभी आवक शुरू नहीं हुई है। पिछले 24 घंटों में उदयपुर शहर में 87 मिलीमीटर यानी करीब साढ़े तीन इंच बारिश हुई। नाई 75, सेई डेम 85, उदयसागर 53, खेरवाडा 63, बड़गांव 42, देवास 32, झाड़ोल 26, ओगणा 30 और वल्लभनगर में 16 मिलीमीटर बारिश हुई।

शव मिला

खेतड़ी, (निसं)। पचेरीकलां थाना क्षेत्र में सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। दिल्ली-झुंझुनूं राष्ट्रीय राजमार्ग पर पचेरी खुर्द गांव के पास स्थित एक होटल के समीप एक अज्ञात युवक का नग्न अवस्था में शव मिला। शव की स्थिति देख ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थानाधिकारी राजपाल यादव मय जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। शव पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथमदृष्टया यह एक हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की कहीं और हत्या कर शव को यहां लाकर सड़क किनारे फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। इलाके में अचानक हुई इस वारदात से सनसनी फैल गई है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच में जुटी है और मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों को भी सूचना दे दी गई है। सड़क किनारे मिले शव की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

आम रास्ते पर जलभराव से परेशानी

■ स्कूल जाने वाले बच्चों को दो किमी लंबा चक्कर करना पड़ रहा है

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत बिहार के राजस्व ग्राम रतन नगर में कुंदनमल सैनी के घर से लेकर कैलाश सैनी के घर तक आम रास्ते पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। लगातार पानी भरने के कारण रास्ता कीचड़ में तब्दील हो चुका है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार इस रास्ते से स्कूल जाने वाले बच्चों और आंगनबाड़ी की महिलाओं को सबसे अधिक कठिनाई झेलनी पड़ रही है। कीचड़ और गंदगी के कारण बच्चों को स्कूल जाने के लिए दो किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ता है, जिससे समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी हो रही है। युवा नेता नरेन्द्र सैनी, बहादुर मल सैनी, रामजीलाल पंच और हजारीलाल सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार सरपंच को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

ग्राम रतन नगर में आम रास्ते पर जलभराव की समस्या बनी हुई है।

चार बदमाशों ने युवक से 45 हजार रुपए लूटे

■ रेस्टोरेंट से खाना खाकर लौट रहा था युवक

अजमेर, (कासं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में चार बदमाशों ने एक युवक से डरा धमकाकर 45 हजार रुपए लूट लिए। पीड़ित नागौर निवासी भागूराम जाट की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक भागूराम ने अपनी पुत्री को डिलीवरी के लिए अजमेर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। चार जुलाई की रात वह खाना खाने के लिए पास के रेस्टोरेंट गया। खाना खाने के बाद जैसे ही वह अस्पताल लौटने के लिए निकला, चार बदमाशों ने रास्ता रोक लिया। पीड़ित ने बताया कि बदमाशों ने उसे घेर लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए जेब में रखे 45 हजार रुपए जबरन छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में सामने आया है कि बदमाश रेस्टोरेंट से ही पीड़ित का पीछा कर रहे थे और सुनसान जगह देख वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

रानीवाड़ा की दो बेटियों ने सीए की डिग्री हासिल कर मान बढ़ाया

■ गांव की गलियों से उठकर सीए बनीं कोमल और हिमांशी

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। शहरों तक सीमित मानी जाने वाली चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) जैसी कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षा में अब गांव की बेटियों ने भी परचम लहराना शुरू कर दिया है। रानीवाड़ा कस्बे से श्रीमाली समाज की दो बेटियों कोमल और हिमांशी ने सीए की डिग्री हासिल कर एक नई मिसाल पेश की है। यह समाज की दो बेटियों द्वारा इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने का पहला वाकया है, जिसे ऐतिहासिक माना जा रहा है।

कोमल, स्वर्गीय रेवाशंकर श्रीमाली की एकलौती संतान हैं। जब वह बहुत छोटी थीं, तभी उनके सिर से पिता का साया उठ गया था। परिवार की आर्थिक हालत नाजुक थी, लेकिन मां विमलादेवी ने आंगनबाड़ी सहायिका की नौकरी कर बेटी की तालीम का बोझ उठाया। कमज़ोर हालात और तंग दायरे में भी कोमल ने कभी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। कड़ी मेहनत और सब्र के साथ उन्होंने अहमदाबाद से सीए की पढ़ाई पूरी कर यह साबित किया कि हुनर शहरों की जागीर नहीं, हौसले वालों की विरासत है। हिमांशी पुत्री हितेशकुमार श्रीमाली की ज़िंदगी भी इम्तिहान से कम नहीं रही। दो वर्ष पूर्व उनकी मां का अचानक ब्रेन हैमरेज से स्वर्गवास हो गया। उस सदमे में पूरा परिवार टूट गया। मगर हिमांशी ने खुद को संभालते हुए, अपने ग़मों को ताक़त में बदला। उन्होंने मानसिक तनाव और डिप्रेशन के दौर में भी पढ़ाई जारी रखी और चार्टर्ड अकाउंटेंसी की दोनों अंतिम परीक्षाएं (ग्रुप ए और बी) एक साथ पास कर मिसाल पेश की।

ग्रामीण पृष्ठभूमि की इन बेटियों की यह कामयाबी केवल व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक बेहतरीन पैग़ाम है। आमतौर पर सीए को वैश्य समाज या शहरी तबक़े की राह माना जाता है, लेकिन अब यह सोच बदल रही है। कोमल और हिमांशी की यह सफलता एक मिशाल है। रानीवाड़ा की इन बेटियों ने सिर्फ डिग्री नहीं ली, बल्कि गांव की लड़कियों को ख्वाब देखने का हौसला दिया है। इनकी कामयाबी यह बताती है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो तक़दीर भी झुक जाती है।

रिटायर्ड बैंक मैनेजर के खाते से रुपए निकाले

ओटीपी बताया ही नहीं, तो भी हो गई ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। रिटायर्ड बैंक मैनेजर के खाते से रुपए निकालने का मामला सामने आया है। परिवादी रायसाहब ने बताया कि 14 मई को उनके फोन पर मैसेज के जरिए ओटीपी आया था। उन्होंने मैसेज खोले बिना ही डिलीट कर दिया। इसके बावजूद अकाउंट से राशि कट गई। पहले उन्होंने सोचा कि किसी ईएमआई की राशि जमा हुई होगी लेकिन एक के बाद एक मैसेज आते चले गए तो उन्होंने बैंक की समेजा कोठी ब्रांच को सूचित किया। बैंक कर्मियों ने तुरंत ही खातों से ट्रांजेक्शन रोकी लेकिन इस बीच चार बार में कुल 1,13,100 रुपए निकल गए।

रायसाहब स्वयं गंगानगर केंद्रीय सहकारी बैंक की समेजा कोठी ब्रांच से मैनेजर के पद से रिटायर हुए हैं। उन्होंने बताया कि किसी को ओटीपी न बताने के बावजूद अकाउंट से राशि निकल गई। ओटीपी शेयर न करने पर राशि निकलने की संभावना: गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल और साइबर एक्सपर्ट मीनल कोचर के मुताबिक किसी से ओटीपी शेयर न करने पर भी खाते से राशि निकलने की आशंका होती है। इसके कई तरीके हो सकते हैं। पहला सिम स्वैपिंग है, जिसमें साइबर अपराधी टेलीकॉम कंपनी से डुप्लीकेट सिम हासिल कर लेते हैं। हालांकि यह बड़े आर्थिक अपराधों में इस्तेमाल होता है। दूसरी संभावना फोन में किसी वायरस या मॉलवेयर आने की है। यह कोई मोबाइल गेम खेलते समय या किसी एप को इंस्टॉल करते समय हो सकता है। साइबर अपराधी सार्वजनिक स्थल पर लगे चार्जर का इस्तेमाल भी फोन में मॉलवेयर इंस्टॉल करने के लिए करते हैं।

इसे जूस जैकिंग कहा जाता है और फोन चार्ज करते समय मॉलवेयर वाली एपीके फाइल इंस्टॉल हो जाती है। इन मॉलवेयर के मध्य से मोबाइल की स्क्रीन अपराधियों के साथ शेयर हो जाती है। वह तुरंत स्क्रीन से ओटीपी हासिल कर ट्रांजेक्शन कर लेते हैं। आजकल एपीके फाइल्स काफी कम मेमोरी लेती हैं और तुरंत इंस्टॉल होती है तो मोबाइल फोन के मालिक को पता ही नहीं चलता।

समेजा कोठी निवासी रायसाहब की ओर से श्रीगंगानगर एसपी को प्रार्थना-पत्र देने के बाद साइबर थाना में केस दर्ज किया गया है। परिवादी ने बताया कि उनके पीएनबी की समेजा कोठी व रायसिंहनगर स्थित शाखाओं में खाते हैं। 14 मई को अज्ञात व्यक्ति की ओर से उनके खाते से चार ट्रांजेक्शन के जरिए 44100, 29400, 10200 और 29400 रुपए निकाले गए। चारों ट्रांजेक्शन शाम 4:52 से 4:55 बजे के बीच हुई। परिवादी ने पुलिस को बताया कि घटना की सूचना उसी दिन पुलिस नियंत्रण कक्ष में शिकायत दर्ज करवाई गई। इस पर शिकायत दर्ज कर मामले को समेजा कोठी थाने में जांच के लिए भेजा गया। अब इस मामले की एफआईआर साइबर थाना में दर्ज की गई है। मामले की जांच इंस्पेक्टर रमेश कुमार करेंगे।

बरसात से ऊपरमाल क्षेत्र में खनन कार्य प्रभावित

■ बारिश से सेंडस्टोन की माइंसों में पानी भर गया है, जिससे माइंसों में खनन कार्य बंद हुआ

■ जो सेंडस्टोन विदेश में निर्यात होता है, उस कार्य में भी आंशिक असर देखने को मिलेगा

भीलवाड़ा, (निसं)। मानसून की मेहरबानी ने एक और जहां आमजन को राहत दी है तो वहीं दूसरी और ऊपरमाल क्षेत्र में खनन कार्य प्रभावित होने लगा है। ऊपरमाल खनन क्षैत्र में सेंडस्टोन पत्थर का खनन होता है। बारिश से सेंडस्टोन की माइंसों में पानी भर गया है, जिसके चलते सभी माइंसों में खनन कार्य बंद हो चुका है। इससे जो सेंडस्टोन विदेश में निर्यात होता है, उस कार्य में भी आंशिक असर देखने को मिलेगा।

सेंड स्टोन व्यवसायी कैलाश मीणा ने बताया कि जो पत्थर माइंस से निकल चुका है। वही माल अभी मार्केट में उपलब्ध रहेगा और तीन-चार महीने के लिए इसी माल पर निर्भर रहना पड़ेगा। इससे जो निर्यात कार्य है वह थोड़ा कम मात्रा में रहेगा। इससे मजदूर वर्ग पर भी खासा असर पड़ेगा। दीपावली के बाद जब माइंसों से पानी निकला जाएगा, उसके बाद कार्य वापस पटरी पर लौट आएगा, जो सेंड स्टोन वर्तमान में निर्यात हो रहा है। उसका राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा है इससे बड़ी मात्रा में हमें विदेशी मुद्रा प्राप्त हो रही है। राजस्थान सरकार को भी रेवेन्यू प्राप्त हो रहा है। पहले इस प्रकार का पत्थर काफी मात्रा में व्यर्थ जाता था अब उसको उपयोग में लाकर निर्यात किया जा रहा है। अभी ऊपर माल क्षेत्र से यूरोपीय देश जैसे इंग्लैंड, फ्रांस, बेल्जियम आदि देशों में निर्यात किया जाता है एवं अमेरिका के कनाडा में भी काफी मात्रा में यह पत्थर निर्यात किया जा रहा है।

भीलवाड़ा या बिजौलियां में अगर 1 कंटेनर डिपो सरकार की तरफ से बन जाए तो निर्यातकों को काफी राहत मिलेगी। इससे माल भाड़े की लागत में काफी कमी आएगी और कंटेनर डिपो निकट होने से किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत समाधान हो सकता है। अभी मुंद्रा पोर्ट गुजरात में यह कार्य होता है जिस समय और लागत का काफी नुकसान होता है।

ज्वैलरी बनाने के नाम पर सोना लेकर भागे बंगाली कारीगर गिरफ्तार

■ 80 तोला सोना, 9 किलो से ज्यादा चांदी और 28 लाख रुपए लेकर फरार हो गए थे

■ आरोपियों को कोर्ट में पेश कर एक सप्ताह का रिमांड लिया, पूछताछ जारी

जोधपुर, (कांस)। जोधपुर की सदर बाजार थाना पुलिस ने ज्वैलरी बनाने के नाम पर व्यापारियों से सोना लेकर भागे दो बंगाली कारीगरों को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यापारियों को विश्वास में लेकर सोना ले लेते थे। इनकी तलाश में पुलिस टीम दो बार पश्चिम बंगाल भी गई लेकिन गिरफ्त में नहीं आए थे। पांच जुलाई को आरोपियों के सरेंडर करने की सूचना पर पुलिस ने पकड़ा। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर एक सप्ताह का रिमांड लिया गया है। वहीं सोना-चांदी के आभूषण बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सात अप्रैल को प्रार्थी प्रकाश सोनी सहित अन्य 13 व्यापारियों ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि एन एस ज्वैलर्स घोड़े का चौक के मालिक शेख शमीम बादशाह और उसका जुड़वां भाई शेख नसीम बादशाह 2022 से गंगासदन घोड़े का चौक स्थित दुकान में सोने के आभूषण बनाने का काम करते थे।

वे करीब 80 तोला सोना, 9 किलो से ज्यादा चांदी और 28 लाख रुपए लेकर छह अप्रैल की रात फरार हो गए। इस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस पर सदर बाजार थाना अधिकारी मानक राम के नेतृत्व में टीम ने आरोपी शेख समीम बादशाह और उसके भाई नसीम बादशाह पुत्र शेख अनवर हुसैन निवासी घोल ताजपुर पोस्ट रामपुर पुलिस थाना आरामबाग जिला हुगली पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया। आरोपी कम खर्चे पर काम करने का लालच देकर और विश्वास जीतकर दुकानदारों से सोना और चांदी लिए थे। इसके बाद ऑर्डर बनाने की बजाय माल लेकर फरार हो गए।

बनास नदी में डूबने से युवक की मौत

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र से गुजरी बनास नदी में नहाते समय डूबने से रविवार को एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार युवक अपनी मां और बहन के साथ गहलोत रपटे के पास बनास नदी में पिकनिक मनाने गया था, अचानक नहाते समय गहरे पानी में डूब गया। जब युवक सलमान उर्फ अब्दुल हकीम पुत्र रईश निवासी जखीरा चिल्लाया तो आसपास के लोग उसे बचाने पानी में कूदे, लेकिन तब तक वह डूब गया, जिसके बाद उसे मौजूद लोगों ने बाहर निकाला और बाइक से उसे सआदत अस्पताल टोंक भर्ती करवाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने उसका पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

मुख्यमंत्री की पहल पर कच्चा परकोटा के 300 परिवारों को मिला आवासीय पट्टा, 25 वर्षों का संघर्ष समाप्त

भरतपुर (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर नगर निगम क्षेत्र के कच्चा परकोटा में निवास कर रहे 300 जरूरतमंदों को आवासीय पट्टे मिलने का का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ। नगर निगम द्वारा दीनदयाल अंत्योदय संबल योजना के अंतर्गत रविवार को बीडीए ऑडिटोरियम में जिला कलक्टर कमर चौधरी, जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा सहित जनप्रतिनिधियों ने पट्टे वितरित किये तो उनका 25 वर्षों के संघर्ष का सुखद अंत हुआ।

जिला कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आवासीय पट्टे का सपना साकार कर मूलभूत जरूरत पूरी की है। उन्होंने कहा कि भरतपुर को आने वाले समय में पर्यटक सिटी के रूप विकसित किया जायेगा, इसके लिए सभी नागरिकों को सक्रियता से भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए सभी नागरिक स्वयं के स्तर से पहल करें जिससे केवलादेव एवं लोहागढ स्टेडियम घूमने आने वाला पर्यटक शहर के बाजारों, पुरामहत्व के स्थलों को निहारने आ सके। उन्होंने कहा कि आवसीय पट्टा मिलने से अब कच्चा परकोटा क्षेत्र का भी चहुमुंखी विकास का सपना साकार होने के साथ परिवारों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ भी मिल सकेगा।

भरतपुर में कच्चा परकोटा के 300 परिवारों को आवासीय पट्टों का वितरण किया।

जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि सरकार ने आवासीय पट्टे का सपना साकार कर वर्षों पुरानी समस्या का निराकरण किया है इससे लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने में आसानी होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार भरतपुर के विकास के लिए ऐतिहासिक पहल कर रही है। गिरधारी तिवारी ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की सोच अंतिम व्यक्ति को योजना का लाभ देना है यह सरकार ने आज पूरा किया है। कच्चा परकोटा संघर्ष समिति के इन्द्रजीत भारद्धाज संघर्ष के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने आमजनता को पट्टे प्रदान कर विकास का मार्ग खोला है इससे कच्चा परकोटा के लोग भी अब सुख की नींद ले सकेंगे।

नगर निगम आयुक्त श्रवण विश्नोई ने बताया कि पं. दीनदयाल अन्त्योदय संबल पखवाड़ा की सफलता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करते हुए नगर निगम गरीबों के उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और आगे भी ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर करीब 300 जरूरतमंद परिवारों को आवासीय पट्टे वितरित किए गए, जिससे न केवल उन्हें अपने आशियाने का कानूनी हक़ मिला, बल्कि जीवन में स्थायित्व और सम्मान की अनुभूति भी हुई। समारोह में गिरधारी गुप्ता एवं शैलेष कौशिक, पूर्व नेता प्रतिपक्ष रूपेंद्र सिंह महेन्द्रसिंह मग्गो, राजेन्द्र खंण्डेलवाल, सत्येन्द्र गोयल सहित जनप्रतिनिधि उपस्थिति रहे। पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा भरतपुर शहर के लिए एक सकारात्मक पहल का प्रतीक बना। जिसने यह सिद्ध किया कि प्रशासन जब संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करता है ।

बालाजी मंदिर में पौधे रोपे

भवानीमंडी, (निसं)। पृथ्वी बचाओ चैरिटेबल ट्रस्ट इंडिया द्वारा संचालित संकल्प वन महोत्सव अभियान के तहत रविवार को ग्राम पंचायत सुलिया के बालाजी मंदिर परिसर पर एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वर्गीय कैलाश भाराडिया की स्मृति में किया गया।

इस अवसर पर उनके सुपुत्र शरद भाराडिया, ने कार्यक्रम में आये हुऐ सभी अतिथियों को माला पहनकर स्वागत किया। ट्रस्ट संस्थापक अध्यक्ष फूलचंद वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर पुलिस उपअधीक्षक प्रेमचंद चौधरी, थानाधिकारी रमेश चंद मीणा, पूर्व चेयरमैन रामलाल गुर्जर, पूर्व सूलिया सरपंच हरि सिंह गुर्जर, सरपंच बहादुर गुर्जर, तथा समाजसेवी ऋतिक शर्मा अरविंद वर्मा गोविंद वर्मा अर्जुन गुर्जर राधे गुर्जर सहित कई गणमान्य नागरिक और युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुलिसउपाधिक्षक प्रेमचंद चौधरी ने पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में जलवायु परिवर्तन एक गंभीर विषय बन चुका है। ऐसे में वृक्षारोपण केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मानवता का संरक्षण है।

सार-समाचार

हादसे में 5 जने घायल

पावटा। भाबरू थाना क्षेत्र के हाइवे स्थित बागावास अहिरान के पास खड़े ट्रेलर में पीछे से एक अल्टिका कार टकरा गई। हादसे में कार सवार 5 जने घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों की सहायता से पावटा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान हाइवे पर यातयात भी बाधित रहा। बताया जा रहा है कि कार सवार लोग दिल्ली से खाटूश्याम जी के दर्शनों के लिए जा रहे थे। बागावास अहिरान के पास पहुंचने पर कार चालक को नींद की झपकी आने से कार अनियंत्रित हो गई और ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर भाबरु थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों रंजन, अम्रता, शिल्पी, बबलू सिंह, रत्नसहाय को पावटा के उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में करवाकर यातायात सुचारू करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार्वजनिक पुस्तकालय शुरु

निवाई। ग्राम पंचायत झिलाय के यादव गोपालपुरा में सामुदायिक केन्द्र में श्री कृष्णा सार्वजनिक पुस्तकालय का शुभारंभ मूख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं विधायक बाबा बालकनाथ महाराज एवं विधायक रामसहाय वर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना करके फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं विधायक बालकनाथ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के युग में शिक्षा का स्तर बढ रहा है, जिसके साथ ही काफी प्रतिस्पर्धा बढती जा रही है, साथ ही शिक्षा का स्तर में मंहगा होता जा रहा है, सामान्य एवं गरीब परिवारों लिए कठिन होता जा रहा है। सम्पन्न परिवार सुख-सुविधाओं का लाभ लेकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ जाते है, लेकिन कमजोर एवं गरीब तबके के परिवारों के लिए यह संभव नही हो पाता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के यादव समाज ने बालकों की भावनाओं को समझते हुए एक अनूठी पहल की शुरूआत कर नया आयाम स्थापित किया है। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि शहरों की भांति ग्रामीण क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को सुविधाओं के अभाव में इस प्रतिस्पर्धा के युग में काफी संघर्ष कर उच्च शिखर पर पहुंचकर ग्रामीण क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे है। राजस्थान यादव महासभा के प्रदेशाध्यक्ष महेन्द्र यादव ने कहा कि यादव समाज अधिकतर कृषि एवं पशुपालन पर निर्भर रहकर जीवन-यापन कर अपनी संतानों को शिक्षा से जोडकर तय लक्ष्य के अनुरूप काम कर रहा है, लेकिन आज भी कई ऐसे परिवार है, जो मार्गदर्शन के अभाव में कई प्रतियोगी परीक्षाओं से पिछड़ रहे है, ऐसे कार्यो से लाभान्वित होकर अपनी सफलता की ओर बढ़ेंगे। पूर्व सरपंच भंवरलाल यादव ने कहा कि वर्तमान के आधुनिक युग में शिक्षा के साथ-साथ भौतिक ज्ञान की भी महती आवश्यकता है, यहां के बालकों को शहरों की भांति ग्राामीण स्तर पर ही सुविधाएं मिलेगी तो समय के साथ-साथ अर्थिक भार से भी मुक्ति मिलेगी साथ ही शांत वातावरण में अपनी प्रतिभाओं आगे लाने में कारगर साबित होगी। इस दौरान पूर्व उपसरपंच कानाराम यादव, एडवोकेट बनवारीलाल यादव, भाजपा नेता जंसीलाल यादव, बंशीलाल दांतरदा, नारायण सहणा, हरिनारायण गौगड, सागर सहणा, रामफूल यादव, कैलाश यादव व गिर्राज दांतरदा सहित यादव गोपालपुरा के कई महिलाएं और पुरूष सहित बालक-बालिकाएं मौजूद थे।

शिवानी सिंह सत्र न्यायाधीश होगी

कोटपूतली । वर्ष 2013 बैच की न्यायिक अधिकारी शिवानी सिंह कोटपूतली- बहरोड जिले की प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश होगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इसी बजट सत्र में नवगठित जिला कोटपूतली- बहरोड में जिला एवं सत्र न्यायालय एवं इसके समकक्ष न्यायालयों को खोले जाने की घोषणा की थी। जिसके बाद राज्य सरकार की बजट घोषणा अनुरूप राजस्थान हाईकोर्ट ने नवगठित जिले के मुख्यालय कोटपूतली में डीजे कोर्ट का गठन कर जिला एवं सत्र न्यायालय खोला था। साथ ही कार्यवाहक डीजे के रूप में एडीजे प्रथम डॉ. राजेश कुमार को जिम्मेदारी सौंपी थी। अब राजस्थान हाईकोर्ट ने शिवानी सिंह को यहां का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया है। यह तीसरी बार होगा जब नवगठित जिला कोटपूतली- बहरोड़ में जिला स्तरीय सबसे महत्वपूर्ण पद महिला अधिकारी को सौंपा गया है। प्रथम कलक्टर के रूप में यहां शुभम चौधरी को दायित्व सौंपा गया था। साथ ही प्रथम एसपी के रूप में भी रंजिता शर्मा को जिम्मेदारी दी गई थी। अब तीसरी बार महिला अधिकारी के हाथों ही जिले की न्यायिक व्यवस्थाओं की कमान होगी। गठन के बाद से ही कोटपूतली- बहरोड़ जिला महिला नेतृत्व के हाथों रहा है। यहां कलक्टर पद पर शुभम चौधरी के बाद कल्पना अग्रवाल व प्रियंका गोस्वामी की तैनाती की गई है। जबकि पुलिस अधीक्षक के पद पर रंजिता शर्मा के बाद वंदिता राणा व ज्येष्ठा मैत्रेयी को लगाया गया था। हालांकि कानून व्यवस्था को लेकर आ रही चुनौती एवं सीमावर्ती जिला होने के कारण ज्येष्ठा मैत्रेयी का एक ही दिन में स्थानान्तरण कर तेज तर्रार व बोल्ड पुलिस अधिकारी माने जाने वाले राजन दुष्यंत को जिले का पुलिस कप्तान बनाया गया था।

मुहर्रम में या हुसैन की सदाओं से गूंजायमान रहा प्रागपुरा कस्बा

■ प्रागपुरा कस्बा का मोहर्रम ऐतिहासिक व सुप्रसिद्ध दूर दराज से देखने आते है लोग : सदर आमीन मंसूरी

पावटा। प्रागपुरा कस्बा में पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन एवं उनके बहत्तर हमराहियों की शहादत पर कस्बा में बुधवार को ग्राम के बिचों बिच स्थित शाही जामा मस्जिद से मुख्य बाजार होते हुए ढोल-ताशों की मातमी धुनों के बीच ग्राम के प्रमुख मार्गों से ताजिए का जुलूस निकाला गया।

वक्फ बोर्ड कमेटी सदर आमीन मंसुरी, नायब सदर अयूब लुहार, सचिव समीर लोहार, समेत कमेटी सदस्यों द्वारा व्यवस्था की गई। कमेटी मेंबर इमरान लोहार ने कहा कि आसपास के जिलों में प्रागपुरा कस्बा का मोहर्रम ऐतिहासिक व सुप्रसिद्ध है जिसे जयपुर - दिल्ली, यूपी, पंजाब, एमपी समेत आसपास के क्षेत्र से सैकड़ों लोग देखने व जुलूस में शरीक होने आते है। साथ ही यह पर्व ग्रामवासियों में हिंदू - मुस्लिमों का सौहार्द का प्रतिक रहा है। जिसे कस्बावासी एकता के साथ शांति पूर्वक वर्षों से मनाते आ रहे है। भाजपा जयपुर उत्तर मोर्चा जिला अल्पसंख्यक अब्दुल सत्तार ने बताया कि मुहर्रम मेले में प्रशासन द्वारा पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वही विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत, थानाधिकारी किरण सिंह यादव समेत पुलिस का पर्याप्त जाप्ता मेले में अलर्ट मोड़ में रहा। पूरे दिन थाना क्षेत्र में गश्त लगा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते देखे गए। मेला कमेटी द्वारा सुभाष चौक पर मीठे पानी की छबील, गोगा मंदिर के सामने आगंतुक व ग्रामवासियों के लिए भोजन की सुसज्जित माकुल व्यवस्था की गई। लौहार मंडी में बच्चों व बड़ों के लिए करीब एक दर्जन झुले लगे थे। वहीं मेले के अखाड़े में नौजवानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाये। ताजिया जुलूस में बड़ी संख्या में महिला - पुरुष, बड़े बुजुर्ग शामिल हुए। वहीं हिंदू - मुस्लिम महिलाएं छोटे बच्चों को नजर से बचाने के लिए मुहर्रम के निचे से निकालते हुए मन्नते मांगती नजर आई। वक्फ बोर्ड कमेटी सदस्य समीर लुहार ने बताया कि रविवार को यौमे अशुरा यानी मुहर्रम की दसवीं थी। जिसमें समुदाय के लोग ढोल-ताशों की मातमी धुनों के साथ या अली या हुसैन की सदाएं लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे जिससे दिनभर कस्बा गुंजायमान रहा। शाम को मगरिब की नमाज के ठीक पहले ताजिए को गांव स्थित कर्बला में दफना दिया गया। इकबाल शाह ने बताया कि इस बार मेला में समुदाय के लोगों ने पहले से भी ज्यादा मेले को ऐतिहासिक बनाने की पूर्ण तैयारी की गई है। इस दौरान वक्फ बोर्ड कमेटी मेंबर , मल्लू तेली, लल्लू भिस्ती, बाबू मंसूरी,सराज कुरेशी,पप्पु लोहार व ताजियादार इकरामुद्दीन शाह, उस्ताद इदरिस शाह, समशेर शाह, रिजवान कुरेशी, मोहम्मद , घासीलाल मीणा, सहिद लुहार, रमजान जिंदरान, फिरोज लोहार , आदि मौजूद रहे।

श्री दादू दयाल गौशाला आश्रम में संतों का सम्मान

निवाई। श्री दादू दयाल गौशाला आश्रम भेरूपुरा किवाड़ा में गौ ऋषि संत प्रकाशदास स्वामी के सानिध्य में श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा यज्ञ, श्री दादू सुरभि 11 कुंडीय महायज्ञ, श्री गोपाल रुक्मणी एवं शिव पार्वती मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन को लेकर कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है।

संयोजक भानु गौतम व सहसंयोजक मनीष केसोट ने बताया कि श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा महायज्ञ एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन को लेकर अयोध्या धाम से गणेशदास महाराज भागवत कथा में पधारे जहां दयालदास महाराज ने संतों की अगवानी की। उन्होंने बताया कि महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर गौ ऋषि संत प्रकाशदास स्वामी के सानिध्य में कथा वाचकमहामंडलेश्वर संत विष्णुशरण महाराज द्वारा श्रीमद् भागवत महात्म्य, ज्ञान वैराग्य, भक्ति चरित्र, धुंधकारी उद्धार, श्री शुक्र देव प्राकट्यय, परीक्षित जन्म, ध्रुव चरित्र, कपिलोपाख्यान का वर्णन किया। उन्होंने बताा कि सोमवार को जड़ भक्त चरित्र, प्रहलाद चरित्र, गजेंद्र मोक्ष व वामन अवतार, चतुर्थ दिवस पर श्रीराम चरित्र, श्री कृष्ण जन्मोत्सव व नंदोत्सव, पंचम दिवस पर श्री कृष्णा बाल लीलाएं, गोवर्धन पर्वत पूजन छप्पन भोग का आयोजन होगा। इसी प्रकार महारास लीला, उद्धव ब्रजगमन व रुक्मणी विवाह व सप्तम दिवस पर सुदामा चरित्र, श्री शुक्र देव विदाई एवं ब्रज की फूलों की होली सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। यज्ञााचार्य पंडित मुरलीधर शास्त्री अकोडिया के सानिध्य में विद्वान पंडितो द्वारा मंत्रोचारण के साथ श्रद्धालु हवन में आहुतियां दी गई। संत प्रकाशदास महाराज द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिस पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर सैकड़ो गौ भक्तों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए समस्त व्यवस्थाएं की जा रही है। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को श्रीराम कथा के समापन को लेकर यज्ञ की पूर्णाहुति करके महाआरती की जाएगी। इस दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दादू संप्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी ओमप्रकाशदास महाराज, गौवत्श गोपालानंदसरस्वती महाराज सहित नरेंद्र कांटोली, भानु गौतम, रामेश्वरप्रसाद गुजर, कानाराम गुजर आदि मौजूद थे ।

भाजपा कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन

किशनगढ़ बास । श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर रविवार को भाजपा कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महापुरूषो के चित्रो पर माल्यापर्ण कर की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य व पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने स्वेच्छा से अलख जगाने के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया।

डॉ मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी थे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। संसद में अपने भाषण में उन्होंनें धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू कश्मीर की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूंगा । डॉ. मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिये 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहां पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कश्मीर को लेकर एक नारा दिया था,नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाडा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष उमेश कान्त वशिष्ठ, चैयरमैन प्रतिनिधि सतीश सिंहल, पूर्व मण्डल अध्यक्ष छोटेलाल यादव, घुमन्तु अर्द्ध घुमन्तु प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक कैलाश गौड़, एससी मोर्चा अध्यक्ष रामस्वरूप मेघवाल, अमीचंद, पार्षद अनिल शर्मा आदि मौजूद थे।

परंपरागत तरीके से ताजिये निकाले

बौंली, बामनवास । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बौंली नगर मुख्यालय पर परंपरागत तरीके से ताजिया निकाले गए, ताजिया इमामबाड़ से रवाना होकर सदर बाजार होते हुए कुछ समय जगन्नाथ जी के चौक में विश्राम करके मुख्य बस स्टैंड से कर्बला ले जाया गया। सुरक्षा मे पुलिस प्रशासन भी साथ था।

चंद्रप्रभु जैन मंदिर में पहली बार बनाया ऐतिहासिक सिद्ध चक्र अनुष्ठान

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्रद्धालुओं ने अष्टान्हिका पर्व को लेकर बपूंई वालों के चैत्यालय में सिद्ध चक्र महामण्डल विधान की संगीतमय पूजा अर्चना की।

सभी पूजार्थियों ने अष्ट द्रव्य से भक्ति पूर्वक आराधना की। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला व सुनिल भाणजा ने बताया कि पण्डित सुरेशकुमार शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा भगवान चंद्र प्रभु एवं भगवान महावीर स्वामी का क्षीरसागर के जल से अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य श्रेष्ठी शिखर चंद, चीफ जस्टिस नरेंद्र कुमार, सुरेश कुमार, अजीत कुमार, नितिन जैन काला एवं महावीरप्रसाद गोधा को मिला। उन्होंने बताया कि विधानाचार्य पंडित सुरेशकुमार शास्त्री की अगुवाई में आचार्य निमन्त्रण करके चारों दिशाओं में ध्वजाएं स्थापित करवाई गई एवं सोधर्म इन्द्र द्वारा मण्डल पर दीप प्रज्वलित करके पांच मंगल कलश की स्थापना की गई।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने विधान में संगीत के साथ 64 श्रीफल अर्ध्य समर्पित किए। विधान के तहत दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जैन पांडया एवं महासमिति राजस्थान महिला अंचल की संरक्षिका मृदुला पांडया मय दम्पति ने चंद्र प्रभु के दरबार में श्रीफल चढ़ाकर आराधना की। इस दौरान चीफ जस्टिस एनके जैन एवं कर सलाहकार सुरेश काला सहित मंदिर कमेटी एवं आयोजन समिति द्वारा माल्यार्पण एवं दुपट्टा पहनाकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई तक सिद्ध चक्र विधान के समवशरण में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान की संगीत से विशेष पूजा अर्चना की जा रही है।

'समान रूप से हर गांव-ढाणी तक पहुंचेंगे विकास कार्य'

■ पीएचसी निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध होगी।

कोटपूतली । विधायक हंसराज पटेल ने रविवार को क्षेत्र के ग्राम भालोजी, बसई व नांगडीवास में विभिन्न विकास कार्यो का बतौर मुख्य अतिथि लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक पटेल ने जिला प्रमुख रमा चौपड़ा के साथ ग्राम भालोजी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के नवनिर्मित भवन का भी उद्घाटन किया।

साथ ही वहां उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं की जानकारी ली। पटेल ने कहा कि पीएचसी निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध होगी। राज्य सरकार गांव देहात में जन सुविधाओं को सुलभ बनाने का हरसम्भव प्रयास कर रही है। विकास का क्रम निरन्तर जारी है, सभी जगह समान रूप से विकास कार्य पहुंचेगें।

इस दौड़ में कोई भी गांव-ढ़ाणी पीछे नहीं रहेगी। उन्होंने भालोजी में डामर सड़क से श्मशान भूमि व डामर सड़क से राजेन्द्र के मकान की ओर जाने वाली इन्टरलॉक सड़क एवं श्मशान भूमि में टीनशेड़ निर्माण कार्य व इन्टलॉकिंग सड़क समेत पीर बाबा के स्थान पर नवनिर्मित भवन का भी लोकार्पण किया। वहीं पटेल ने ग्राम नांगड़ीवास, बसई में हाथी कॉलोनी से प्रकाश फौजी की ढ़ाणी की ओर जा रही सडक, नांगडीवास जाटान और कसाना की ढ़ाणी की ओर जा रही सड़क व पूर्व सडक से शिव मंदिर की और जा रही सड़क का भी लोकार्पण किया। उक्त सड़कों के निर्माण में 85 लाख रूपयों की लागत आई है। इस दौरान विधायक पटेल व जिला प्रमुख रमा चौपड़ा का ग्रामीणों ने स्वागत किया। सरपंच प्रतिनिधि सत्यवीर मीणा, पूर्व सरपंच नाहर सिंह व सरपंच कृष्ण आर्य ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान एसडीएम बृजेश चौधरी, बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर, पीएचसी प्रभारी डॉ. रोहित कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजवीर यादव, पंसस एड. दयाराम गुर्जर, पंसस विक्रम सिंह फाईनेंसर, शीशराम सरपंच, एड. कमल कसाना, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी समेत ग्रामीण आदि मौजूद थे।

मुकेश चौधरी उपाध्यक्ष बने

निवाई। राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सचिन सरोहा व प्रदेश अध्यक्ष सुभाषचंद्र खेरवा के निर्देशानुसार कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के अध्यक्ष नेपारम दांतेल एवं जिला युवा अध्यक्ष सुरेश बेनीवाल ने कार्यकारिणी में मुकेश चौधरी को जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पावटा में डाक कांवड यात्रा का पोस्टर जारी, मंदिर प्रांगण में गूंजे बोल बम

■ जयकारा वीर बजरंगी हर हर महादेव के जयकारे

पावटा । कस्बा पावटा स्थित गोपाल भैया मंदिर से भोले के भक्तों श्री राम गौ सेवा समिति विशाल डाक कांवड यात्रा की 17 जुलाई शाम 5 बजे रवानगी होगी। जिसका पोस्टर विमोचन गोपाल भैया मंदिर महंत मोहनदास रामायणी महाराज के सानिध्य में किया गया।

श्री राम डाक कावड़ गौ सेवा संघ सदस्यों ने बताया कि श्री राम डाक कावड़ गौ सेवा संघ सदस्यों ने बताया कि कस्बे में हर वर्ष डाक कावड़ भव्य विशाल शोभायात्रा निकाली जा रही है। जो हरिद्वार से पतित पावनी मां गंगा का पवित्र जल आगामी 20 जुलाई को कावड़ मे भरकर रवाना होगी। जिसमे आगामी 23 जुलाई शिवरात्रि को श्री गोपाल भैया मंदिर स्तिथ भगवान शिवशंकर सहित पंचायत का अभिषेक किया जाएगा। डाक कावड़ यात्रा को लेकर युवाओं में उत्साह का माहौल है। डाक कावड़ यात्रा में नितेश शर्मा, प्रदीप शर्मा, गिरिराज कुमावत, संजू प्रजापत,सोमदत्त शर्मा सहित अन्य कावड़िया मौजूद रहे। वहीं कावड़ियों ने बताया कि डाक कावड़ का दूसरा जत्था 24 जुलाई 2025 की देर शाम को रवाना होगा। इस दौरान पोस्टर विमोचन में पूर्व उप सरपंच गिरिराज बोहरा, आदर्श रामलीला मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा,कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, विप्र वाहिनी दीपक पटेल, कार्तिक शर्मा, आर्यन शर्मा, कुणाल शर्मा, राघव शर्मा, नितिन मुद्गल, आशीष पंचोली, टिंकू कुमावत, प्रहलाद सैन, पूर्व वार्ड पार्षद राजू शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे।

कस्बा पावटा स्थित गोपाल भैया मंदिर से भोले के भक्तों श्री राम गौ सेवा समिति विशाल डाक कांवड यात्रा का पोस्टर जारी किया ।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र श्री नाथूलाल शर्मा, निवासी 25, भारतेन्दू नगर, स्कीम नं. ए.के.-10, खातीपुरा, जयपुर-302012 (राजस्थान) स्वयं की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा शर्मा के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति दुकान नम्बर 12 एवं 13, वैशाली नगर, अजमेर रोड, जयपुर (राजस्थान) स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 37 वर्गमीटर है जिसे मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा शर्मा एवं मेरे मुवक्किल के पुत्र श्री राहुल शर्मा ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण खाता संख्या 665775087 है, उक्त श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा का स्वर्गवास 19.02.2025 को हो चुका है, श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में मेरे मुवक्किल श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र श्री नाथूलाल शर्मा, श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री राधेश्याम शर्मा है, इनके अलावा स्वर्गीय श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूकि मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा शर्मा एवं मेरे मुवक्किल के पुत्र श्री राहुल शर्मा के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की धर्मपत्नी अर्थात श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरूद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।

जयपुर
दिनांक

(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
6/48, मालवीय नगर, जयपुर
मोबाईल 9829218044

संक्षिप्त

हादसा होने से बचा

पावटा। ग्राम रामपुरा में सरकारी स्कूल के सामने एमडीआर रोड खराब होने व उस पर पानी भरा होने के कारण छानों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई। दुर्घटना में वाहन पर सवार लोग बाल-बाल बच गए। वाहन के पलटने से काफी नुकसान हुआ है।सरकार द्वारा करोडों रुपये की लागत से एमडीआर रोड तो बना दिया गया लेकिन मार्ग की खस्ता हालत पर किसी का ध्यान नही है। यह सड़क पिछले काफी समय से जर्जर स्थिति में है। जिसमें गड्ढों में सड़क ढूंढनी पडती है। सडक खराब होने के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सड़क खराब होने के कारण शनिवार को भी छानों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई ज्यों कि पावटा भोमिया जी मंदिर में 9 जुलाई को भंडारे में बनने वाली प्रसादी के लिए ट्रैक्टर-ट्राली में छाने भर कर रामपुरा से पावटा जा रहे थे। रामपुरा एमडीआर रोड में गड्ढे होने के कारण ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई। दुर्घटना में वाहन पर सवार लोग बाल-बाल बच गए। वही छाने सड़क पर बिखर गए। छानों को इकट्ठा करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। वही क्रेन की सहायता से दुर्घनाठास्त वाहन को एक तरफा कर यातायात चालू करवाया गया। खस्ताहाल सड़क को लेकर ग्रामीणों में रोष है।

पोतो व बहू पर हथियार से हमला

टोंक। कोतवाली थाना क्षेत्र के गुलजार बाग में दादा ने ही पारिवारिक विवाद के चलते अपनी ही बहू और तीन मासूम पोतों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, हमले के बाद चींख पुकार मच गई, जिसके बाद पड़ोसी भागकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी घायलों को सआदत हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से सभी को जयपुर रेफर कर दिया गया। सूचना पर कोतवाली थानाधिकारी भंवर लाल मौके पहुंचे और उन्होंने हॉस्पिटल में घायलों से बातचीत कर आरोपी हाफिज पुत्र बुंदु खान को डिटेन कर लिया, जिससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी हाफीज रोडवेज का रिटायर बाबू बताया जा रहा है। कोतवाल भंवर लाल वैष्णव ने बताया कि घटना के समय महिला का पति रेहान बाजार गया हुआ था, जो एक दुकानदार है, उसके घर मेहमान आए थे, जिन्हें छोड़ने के लिए वह घर से बाजार तक उनके साथ चला गया। पीछे से हफीज ने रेहान के परिवार पर हमला कर दिया, रेहान को घटना का पता चला तो वह हॉस्पिटल पहुंचा। वही प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि मकान के बंटवारे को लेकर परिवार में झगड़ा होता रहता था, इसी को लेकर आरोपी ने अपने तीन मासूम पोते सालिक (5), शाद (3), सऊद (2) और बहू फायजा (35) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में रेहान गंभीर घायल हो गई, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जयपुर रेफर कर दिया गया।

महासंघ की बैठक सम्पन्न

टोंक । अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ, टोंक की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन डाक बंगला टोंक में महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशानुसार किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जसवंत सिंह नरूका ने की । इस दौरान संरक्षक मेहमूद शाह और प्रदेश उपाध्यक्ष प्रहलाद जाट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में आगामी 9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर व्यापक चर्चा की गई । जिला महामंत्री चौथमल चंदेल ने बताया कि टोंक जिले में यह हड़ताल पूर्ण रूप से सफल एवं संगठित रूप में आयोजित की जाएगी।

टोंक में भाजपाईयों ने डॉ. श्यामा मुखर्जी को श्रद्धा से याद किया

टोंक। भारतीय जनता पार्टी टोंक द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती सांसद निवास पर जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान व पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया की अध्यक्षता में मनाई गई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माला एवं पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी का स्वागत भी रखा गया।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन देश की एकता अखण्डता के लिए किये गए त्याग एवं बलिदान के लिए जाना जाता हैं। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई 1901 बंगाल के कलकत्ता शहर में जन्मे डॉ. मुखर्जी एक विचारक तथा प्रखर शिक्षाविद थे, सही मायने में मानवता के उपासक एवं सिद्धान्तवादी थे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी न केवल एक विचारक थे, बल्कि उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि राष्ट्र प्रथम का भाव ही भारत को सशक्त बना सकता है। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।उनके राष्ट्रनिर्माण में योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। इस दौरान जौनापुरिया ने कहा कि समाज सुधारक व राजनीतिक के विशेषज्ञ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी होने के साथ-साथ अहिंसावादी भी थे, उकनी विचारधारा मजबूत थी तथा वह एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को भारत राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया।

भारतीय जनता पार्टी टोंक ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती सांसद निवास पर जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान व पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया की अध्यक्षता में मनाई ।

■ **डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन देश की एकता अखण्डता के लिए किये गए त्याग एवं बलिदान के लिए जाना जाता हैं।**

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराना, गणेश माहुर, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, संतकुमार जैन, लक्ष्मी जैन, रामनिवास गुर्जर, शैलेन्द्र चौधरी, ओमप्रकाश पांडे, रामचंद्र गुर्जर, बबलू टैंकर, नंदलाल, रतनलाल चौधरी, राजेश शर्मा, ममता जाट, धोलू गुर्जर कमलेश यादव, गणेश सैनी, लोकेश गुप्ता, बीना छामुनिया, जुली शर्मा, भगवान सैनी, नीलिमा आमेरा, महेंद्र सिरोठा, हनुमान बैरवा, शिवजीराम प्रतिहार, वकार खान, सोनू परिडवाल, पंकज पहाड़िया, नंदलाल गुर्जर, सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पौधारोपण करना बेहद आवश्यक : मंत्री शर्मा

अलवर। वन राज्यमंत्री (स्वतंत्रा प्रभार) संजय शर्मा ने ढड़ीकर में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला अलवर द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शिरकत की तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने वैश्य महासभा द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अच्छी पहल बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुरू किए गए एक पेड मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष प्रदेशभर में साढ़े 7 करोड से अधिक पौधे लगाए तथा इस वर्ष मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसे सामूहिक जनभागीदारी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बढते ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए पौधारोपण बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षित होने से हमें स्वच्छ वातावरण मिलेगा और सही मायने में चहुंमुखी विकास कर सकेंगे। उन्होंने आमजन से आव्हान करते हुए कहा कि वर्षाॠतु का समय चल रहा है।

सार-समाचार

एक दूजे के हुए भगवान जगन्नाथ व जानकी मैया

अलवर। भगवान जगन्नाथजी और माता जानकी का रविवार को रूपबास में वर महोत्सव हुआ । सुबह माता जानकी की सवारी निकली। माता जानकी की सवारी के समय 1100 महिलाएं कलश लेकर निकली। अब रूपबास में मेला भी परवान पर है। हर जगह स्टॉल लगी है। शाम से देर रात तक मेले में हजारों की भीड़ पहुंच रही है। सुभाष चौक स्थित प्राचीन जगन्नाथ मंदिर से जानकी मैया की पारंपरिक सवारी बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से निकाली गई। इस शोभायात्रा की विशेषता रही 1100 महिलाओं की सहभागिता, जिन्होंने सिर पर कलश धारण कर नगर भ्रमण किया । ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और भक्ति संगीत के साथ निकली इस यात्रा में शहर के विभिन्न मार्गों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर सवारी का भव्य स्वागत किया। महिला कलश यात्रियों के साथ बड़ी संख्या में भक्तों ने पदयात्रा में भाग लिया और रूपवास तक की यह यात्रा पूरी भक्ति भाव से संपन्न हुई। पंडित धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि यह सवारी वर्षों पुरानी परंपरा है, जानकी मैया की इस भव्य सवारी का उद्देश्य समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का संचार करना है। सवारी के रूपवास पहुंचने पर जानकी मैया को विधिपूर्वक विराजमान किया जाएगा। इसके पश्चात रात 10 बजे से वरमाला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। रात्रि भर भजन-कीर्तन, झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। अलवर के आराध्य भगवान जगन्नाथ के मेले को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन और मेला कमेटी सहित पुलिस के जवान मेलार्थियों की सुरक्षा में लगे हुए है।

मोहर्रम पर जुलूस निकाला

टोंक। जिलेभर में मोहर्रम पर्व को हर्षोल्लास से मनाया गया, इसी तरह शनिवार की रात्रि को निवाई में मुस्लिम समाज की ओर से मोहर्रम का जुलूस निकाला गया, जुलुस में मुस्लिम समाज के महिला-पुरुषों ने ढोल-ताशे और नगाड़े बजाए तथा अखाड़े में पट्टेबाजों ने अपने करतब दिखाए। सुबह रविवार को शहर के मुख्य मार्गों से ताजिए के साथ जुलूस निकला, जिस दौरान बाजार में अखाड़ा खेला गया। मोहर्रम कमेटी की ओर से अतिथियों और पट्टेबाजों की दस्तारबंदी की गई, बाद में ताजियों को तालाब में ठंडा किया गया तथा कमेटी सदस्यों ने मालियों के मोहल्ले में शरबत का आयोजन किया।

डॉ. मुखर्जी को याद किया

बौंली -बामनवास । क्षेत्र में जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बौंली, मलारना डूंगर एवं कुशलपुरा सहित अन्य जगहों पर मनाई । बौंली मुख्यालय पर आयोजित 125वीं जन्म जयंती समारोह के अवसर पर भाजपा कार्यकारिणी के सदस्य ओमप्रकाश डंगोरिया नेउन्हें कुशल राजनीतिज्ञ, राष्ट्रवादी एवं राष्ट्र निर्माण में आपका अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा, मलारना डूंगर उपखंड मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अमित कुमार शर्मा ने डॉक्टर मुखर्जी के जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें राष्ट्रवादी बताया, इस अवसर पर पूर्व कार्यकारिणी सदस्य अंसार अहमद खलीफा ने भी अपने विचार व्यक्त किए, कुशालपुर में मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष दामोदर बिंदल ने जन्म जयंती पर कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी संपन्न परिवार से थे लेकिन फिर भी उन्होंने देश व हिंदू समाज के लिए परोपकार का कार्य किया है।

जुगल किशोर मीना का स्वागत

मनोहरपूर । जमवारामगढ़ क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री जमील खान खोखर ने अपनी टीम के साथ हरसहाय मीणा और जुगल किशोर मीना का स्वागत किया। दोनों नेताओं को साफा बांधकर और माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। खान खोखर के साथ रहमत खान मिलर, डॉक्टर ताहिर खान, जाहिद खान खोकर, इनायत खान, शेख बुंदू खान और सीलर भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने हरसहाय मीणा और जुगल किशोर मीना को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। जमील खान खोखर की नेतृत्व क्षमता और उनकी टीम की एकजुटता ने स्वागत समारोह को सफल बनाया। इससे पहले भी जमील खान खोखर ने हजरत हसन पीर चिश्ती रहमतुल्लाह अलेह के सालाना मेले में चादर पेश कर अमन चैन की दुआएं की थीं। उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम लगातार सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

छबड़ा (निसं)। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती वरिष्ठ भाजपा नेता हिम्मतसिंह सिंघवी के नेतृत्व में पूर्व जिला महामंत्री लक्ष्मीनारायण केरवालिया, मुकेश मिश्रा, पवन गालव, पूर्व युवा मोर्चा महामंत्री लोकेश अहीर, बापचा मण्डल अध्यक्ष हेमराज लोधा, सेमली मण्डल अध्यक्ष रामप्रसाद नागर के मौजूदगी में मनाई गई। यहां वक्ताओ ने कहा कि मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को भारतीय राजनीति के केंद्र में स्थापित किया। वही, जम्मू-कश्मीर को अखंड भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान भी दिया। उनका त्याग, तप और राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन आने वाली पीढियों के लिए सदैव प्रेरणा-स्रोत बना रहेगा। उन्होने कार्यकाल में उन्होंने अनेक रचनात्मक सुधार किए तथा इस दौरान कोर्ट एंड काउंसिल ऑफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलोर तथा इंटर यूनिवर्सिटी बोर्ड के सक्रिय सदस्य भी रहे। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से बताया। यहां महामंत्री रामस्वरूप गुर्जर, पूर्व पालिकाध्यक्ष भंवरलाल वर्मा, गोविंद माचल, गणेश भार्गव, मनोज राठौर, सुनील तेजस्वी, रोहित अरोडा, परमानंद साहू, भगवान नागर, मनीष मीणा, गौरव सेन, अधिवक्ता अमृतलाल लोधा, कांताप्रसाद, केदार सुमन, मोहनलाल साहू, महेंद्र खरारा, कल्पित नागर आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

कलक्टर ने दो अधिकारियों को दी चार्जशीट

भरतपुर (निस)। राजकार्य में उदासीनता बरतने एवं राज्य सरकार द्वारा चलाये गये अभियानों में लक्ष्यानुसार कार्य नहीं करने पर जिला कलक्टर कमर चौधरी ने जिले के दो खंड विकास अधिकारियों को नोटिस जारी किये गये है।

■ **राज्य सरकार द्वारा चलाये गये अभियानों में लक्ष्यानुसार कार्य नहीं करने दिया नोटिस**

जिला कलक्टर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल अभियान में लाभार्थियों का सत्यापन किया जाना था इस हेतु पोर्टल पर उपलब्ध कराये गये मॉडयूल पर लाभार्थियों के बैंक खाते व आईएफएससी कोड़ भी सत्यापन किया जाना था, इस कार्य में लापरवाही बरती गई। इसी प्रकार पं. दीनदयाल गरीबी मुक्त गांव योजनान्तर्गत द्वितीय चरण के क्रियान्यवन अन्तर्गत ब्लॉक भुसावर में सर्वे में लापरवाही बरतने पर 17 सीसीए के तहत विकास अधिकारी पंचायत समिति भुसावर के विकास अधिकारी गिर्राजसिंह बुनकर को चार्जशीट दी गई है। जिला ककलक्टर ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल अभियान में लाभार्थियों का सत्यापन किया जाना था इस हेतु पोर्टल पर उपलब्ध कराये गये मॉडयूल पर लाभार्थियों के बैंक खाते व आईएफएससी कोड़ भी सत्यापन किया जाना था, इस कार्य में लापरवाही बरती गई। इसी प्रकार पं. दीनदयाल गरीबी मुक्त गांव योजनान्तर्गत द्वितीय चरण के क्रियान्यवन अन्तर्गत ब्लॉक नदबई में 122 गांवों के सर्वे में लापरवाही बरतने पर 17 सीसीए के तहत विकास अधिकारी पंचायत समिति नदबई के विकास अधिकारी सौदानसिंह को चार्जशीट दी गई है। उन्होंने बताया कि किसी भी अधिकारी द्वारा राजकार्य में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। राज्य सरकार के द्वारा चलाये जा रहे अभियानों में सरकार की मंशा के अनुरूप सभी विभागों को कार्य करना होगा।

कभी पर्यटकों लिए गुलजार रही जयसमंद झील खोज रही अपना अस्तित्व

अलवर। अलवर की जयसमंद झील, जिसे जयसमंद बांध के नाम से भी जाना जाता है, महाराजा जयसिंह द्वारा 1910 में बनवाया गया था. यह बांध अलवर शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर स्थित है और 1917 की भारी बारिश के कारण टूटने के बाद 1924 में इसका पुनर्निर्माण किया गया था. जयसमंद झील का मुख्य उद्देश्य आसपास के गांवों में सिंचाई प्रदान करना और पर्यटन को बढ़ावा देना था.

अलवर जिले का जयसमंद बांध अपनी सुंदरता के कारण कभी फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र था। पूर्व जमाने के मशहूर फिल्म निर्माता उन्हें यहां फिल्मों की शूटिंग की थी।

लेकिन अब उपेक्षा के चलते अलवर जिले का यह प्राचीन बांध दुर्दशा का शिकार है। जयसमंद की छतरियों पर की गई कलात्मक स्थापत्यकला सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है, लेकिन अब यह छतरियां भी बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी हैं। यहां तक पहुंचने वाला सडक़ मार्ग पूरी तरह से खराब है।

■ **जयसमंद बांध अपनी सुंदरता के कारण कभी फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र था**

आजा तुझको पुकारे मेरे गीत का हुआ था फिल्मांकन

फिल्म निर्माता वी शांताराम ने नीलकमल फिल्म की शूटिंग यहां की थी। फिल्म अभिनेता मनोज कुमार और अभिनेत्री वहीदा रहमान पर गाया गया गाना आजा तुझको पुकारे मेरे मीत इसी बांध पर फिल्माया गया था। इसके साथ दो आंखें बारह हाथ और शेरा फिल्म की शूटिंग भी जयसमंद पर ही की गई थी। अब यहां की बदहाल स्थिति को देखते हुए इस बात पर विश्वास करना मुश्किल है कि यहां कभी शूटिंग हुई होगी।

कभी पर्यटकों से गुलजार रहने वाली इस झील आज अपने आसत्तिव को तलाश कर रही है और इस सबका जिम्मेदार है जिला प्रशासन और वोट की राजनीति करने वाले नेतागण जिन्होंने झील के भराव क्षेत्रा में आने वाली सीलिसेढ झील की नहर पर अतिक्रमण होने दिया और अब अतिक्रमण इतना ज्यादा है कि जिस पर बडे बडे भवन बन चुके है इन्हें हटाना जिला प्रशासन और भाजपा सरकार के लिए चुनौती होगी। सरकार ने इआरसीपी योजना के लिए इस झील को चुना है लेकिन अतिक्रमण कारियों और भूमाफियाओं ने इसके भराव क्षेत्र को खोखला कर दिया है जिसके चलते पिछली ओसत से अधिक बारिश के पानी से भरी झील कुछ ही दिनों में सूख गई थी। अब जलदाय विभाग और सिचांई विभाग के लिए इस योजना के तहत मिलने वाले पानी को रोकना भी एक बडी समस्या बन कर उभरेगी।

भरतपुर में वैश्य शिविर में 101 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया

भरतपुर (निस)। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर रविवार को स्थानीय ओम कॉम्पलेक्स होटल में आयोजित किया गया। शिविर में न केवल वैश्य समाज के बंधुओ ने रक्तदान में भाग दिया अपितु अन्य समाज के लोगों की भी रक्तदान में अच्छी संख्या देखने को मिली। रक्तदान शिविर में प्रथम रक्तदाता अनिल मीणा रहे।

जिला महामंत्री सुमनेश कुमार गुप्ता ने बतलाया कि रक्तदान कार्यक्रम में 101 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया जिसमें पुरुष महिलाएं युवा शामिल रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिलाध्यक्ष अनिल लोहिया ने कहा कि आज सारे देश में वैश्य समाज के स्थापना दिवस पर रक्तदान के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदरणीय स्वर्गीय रामदास अठावाल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैश्य समाज के संगठन की स्थापना की। जिसका आज स्थापना दिवस पूरे संसार में मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विजय बंसल ने वैश्य समाज के आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग को मजबूत करने के लिए जिले में एक स्थाई फंड बनाए जाने की आवश्यकता बतलाई। विशिष्ट अतिथि उद्योगपति यश अठावाल ने कहा कि आज यह रक्तदान कार्यक्रम जरूरतमंद व्यक्ति के लिए वरदान साबित होगा उन्होंने देश में रक्तदान की कमी को देखते हुए इस प्रकार के शिविर ज्यादा से ज्यादा लगाए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस दौरान अठावाल महासभा जिला अध्यक्ष अतुल मित्तल, खंडेलवाल समाज अध्यक्ष रमेश रारह वाले, माहेश्वरी समाज जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश महेश्वरी, महावर समाज जिला अध्यक्ष बृजेंद्र महावर, जायसवाल समाज के राजीव गोपालिया, वार्ष्णेय समाज के अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, जैन समाज की तरफ से अभिषेक जैन एडवोकेट व उनकी टीम एवं भाजपा नेता सत्येंद्र गोयल, देवेंद्र चामड, मुकेश सिंघल आदि ने विचार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन शहर अध्यक्ष सत्यव्रत आर्य ने किया तथा कार्यक्रम संयोजक एवम युवा जिलाध्यक्ष मनीष गर्ग ने आभार प्रकट किया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉक्टर संगीता अठावाल , महिला जिला अध्यक्ष सीमा मंगल , शोभा कंसल, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष सरोज लोहिया, जिला अठावाल महिला महासभा अध्यक्ष शालिनी मित्तल , मॉम्स ठुप अध्यक्ष पायल गोयल, विनीता अठावाल, सीमा अठावाल, प्रमुख समाजसेवी एवं गौ रक्षक दानवीर सिंह, ओमप्रकाश सिंघल स्मॉल ए यू बैंक मैनेजर यश कौशिक, वैश्य महासम्मेलन युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सनत गुप्ता, रामेंद्र सर्राफ, आशीष खंडेलवाल, रवि गोयल, बिट्स संस्था के पिकासो गर्ग, राजेंद्र कुमार गर्ग , तुषार अठावाल एवं समस्त युवा टीम की सहभागिता रही।

48 किसानों के मृदा स्वास्थ्य कार्ड बांटे

अलवर । जिले की लक्ष्मणगढ तहसील की ठााम पंचायत खोह के अटल जनसुनवाई केंद्र में आयोजित हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के शिविर में एक साथ 48 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित कर लाभांवित किया गया। शिविर में बडी संख्या में ठाामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी मूलभूत समस्याओं का समाधान कराने के साथ केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

लाभार्थी मुरारी, भागचन्द, जगदीश इत्यादि कृषकों ने बताया कि ठाामीणों के माध्यम से सूचना मिली की 5 जुलाई को ठााम पंचायत में अंत्योदय शिविर का आयोजन होगा जिसमें 30 से अधिक विभागों के अधिकारी व कार्मिकों द्वारा मौजूद रहकर 63 योजनाओं व सेवाओं का लाभ आमजन को मौके पर ही उपलब्ध करवाया जाएगा। शिविर में पहुंचने पर विभागीय अधिकारियों द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर हम सभी 48 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध करवाया गया।

इसी प्रकार शिविर में ठााम खेडासांरगपुरी निवासी सह-खातेदार भाई निरभा व छुट्टन का भूमि का विभाजन पत्रा तहसीलदार श्रीमती ममता कुमारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने पर उन्होंने आपसी सहमति व रजामंदी के आधार पर भूमि के खाता विभाजन के आदेश जारी किए। लाभार्थियों ने बताया कि भूमि विभाजन का सह-खातेदारी भूमि होने के कारण बहुत परेशानी का सामना करना पड रहा था। शिविर में भूमि विभाजन का हाथों-हाथ विभाजन होने पर लाभार्थियों ने राज्य सरकार द्वारा लगाए जा रहे अंत्योदय शिविरों को जन हितैषी शिविर बताते हुए सराहना की तथा मुख्यमंत्राी भजनलाल शर्मा का ठााम पंचायत में शिविर आयोजन करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

भिवाड़ी जलभराव की समस्या का जल्द निदान होगा : भूपेंद्र यादव

अलवर । केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने भिवाडी में दूषित जलभराव और साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन के साथ औचक निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री यादव ने सीईपीटी प्लांट, एटीपी प्लांट, तथा बाईपास टी-पॉइंट पहुंचकर वहां की स्थिति का जायजा लिया।भूपेंद्र यादव ने कहा कि दूषित जलभराव भिवाड़ी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है।

उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष से प्रशासन के साथ मिलकर इस समस्या को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ प्रयास अब रंग ला रहे हैं, जिससे काफी हद तक समाधान भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को पूरी तरह जड़ से समाप्त करने में करीब एक वर्ष और लग सकता है, उसके बाद भिवाड़ी एक साफ और स्वच्छ शहर के रूप में सामने आएगा। भूपेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तिजारा में आयोजित सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने भिवाड़ी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सभी संसाधनों की कोई कमी नहीं रहने देने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भिवाड़ी देश के नक्शे पर एक उभरता हुआ औद्योगिक केंद्र है, और दिल्ली के निकट होने के कारण यह सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया बनकर उभर रहा है। उन्होंने अपील की कि भिवाड़ी के सभी गांव और स्थानीय निवासी इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। इस दौरान केंद्रीय मंत्री यादव ने ग्वालदा गांव में प्रस्तावित ट्रीटमेंट प्लांट हेतु भूमि का निरीक्षण किया और करनी गांव में प्रस्तावित चिड़ियाघर के लिए आवंटित भूमि का भी अवलोकन किया। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने दी।

■ **केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने भिवाडी में दूषित जलभराव की समस्या को लेकर प्रशासन के साथ निरीक्षण किया**

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया

निवाई। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में दीनदयाल कॉलोनी में स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जन्म जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उनको याद किया। नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन भारत सरकार की एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इसका उद्देश्य ठाामीण आबादी क्षेत्रों को सामाजिक व आर्थिक और शारीरिक रूप से सुदृड करना है। उन्होंने बताया कि यह मिशन आर्थिक, सामाजिक और बुनियादी ढाँचा सुविधाएँ प्रदान करके ठाामीण क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए वरदान साबित हुआ है। जिससे देश में टिकाऊ और संतुलित क्षेत्रीय विकास हुआ है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

पावटा में गौ सेवा कर नरपत सिंह का जन्मदिन मनाया

पावटा । नगरपालिका पावटा प्रागपुरा पूर्व उपाध्यक्ष नरपत सिंह ने अपना जन्मदिवस गौ सेवा के माध्यम से मनाया।

पूर्व उपाध्यक्ष नरपत सिंह ने गौ माता की सेवा के जरिए पुण्य अर्जित किया। इसी संकल्प के साथ वे गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गौमाताओं को हरा चारा, गुड़, तरबूज, जल और सेवा का संकल्प लिया। वही उन्होंने श्रमदान कर गौशाला की साफ-सफाई, गौमाताओं को स्नान कराने, और चारा देने जैसे कार्यों में भागीदारी निभाई। इस सेवा कार्य में विशेष रूप से युवाओं व गौ भक्तों की उपस्थिति रही, जिन्होंने तन-मन-धन से सेवा भाव में भाग लिया व नरपत सिंह शेखावत के इस निर्णय की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और हमें बताता है कि सेवा ही सच्चा उत्सव है। यह आयोजन सिर्फ एक नेता के जन्मदिन का उत्सव नहीं था, बल्कि यह सेवा, संस्कृति और सनातन परंपरा को जोडने का एक प्रयास था। गौ सेवा के माध्यम से जहां पर्यावरण संतुलन का संदेश दिया गया, वहीं युवाओं को भी संस्कार और सेवा की दिशा में प्रेरित किया गया। इस अवसर पर रवि परमार, बंटी श्रीवास, जीतू परमार एवं कई गौ भक्तों ने उपस्थित रहकर सेवा कार्य किया। इस दौरान राजेश शर्मा, धुडसिंह शेखावत, हरि सैनी, राजू धनकड, मिंटू शर्मा, राजेंद्र सिंह, मोहन लाल सैनी, संतोष शर्मा, सोनू शेखावत, राजेश सैनी, धर्मेंद्र यादव, राम सिंह यादव, सूबे सिंह तंवर, शक्ति सिंह शेखावत, सुभाष सैनी, नरेंद्र सिंह, मनीष यादव सहित ठाामीणों ने उन्हें शुभकामना दी।

नगरपालिका पावटा प्रागपुरा के पूर्व उपाध्यक्ष नरपत सिंह ने अपना जन्मदिवस गौ सेवा कर मनाया।

■ **यह सिर्फ एक नेता के जन्मदिन का उत्सव नहीं था, बल्कि संस्कृति और सनातन परंपरा को जोडने का एक प्रयास था। पर्यावरण संतुलन का संदेश भी दिया**

दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप – अस्ताना, कजाकिस्तान 2025 में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

24 वर्षीय साक्षी ने यूएसए की योसलाइन पेरेज के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आकाश दीप

आकाश दीप की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन रविवार को भोजनकाल तक इंग्लैंड के 153 पर छह विकेट झटककर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। भारत को लंच से ठीक पहले वाशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स का विकेट दिलाया, जो भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस सेशन की शुरुआत में पहले आकाश दीप ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए दो विकेट निकाले। लेकिन उसके बाद स्टोक्स और स्मिथ के बीच 70 रनों की अच्छी साझेदारी हुई लेकिन लंच से ठीक पहले स्टोक्स आउट हो गए।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स को मुंबई से 33 में से 17 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। 2022 से उसने 5 में से 3 मैच जीते हैं। क्वालिफायर-2 में मुंबई 2 मैच जीती है और 2 हारी है।

दिल्ली राज्य सब-जूनियर और जूनियर तैराकी चैंपियनशिप में बने दो मीट रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 6 जुलाई। 59वीं दिल्ली राज्य सब-जूनियर और जूनियर तैराकी चैंपियनशिप में दो रिकॉर्ड तरणताल में डूबे। रेहान सेजवाल और युवराज सिंह ने अपनी स्पर्धाओं में नए मीट रिकॉर्ड बनाए जबकि सेहर ने चौथा गोल्ड जीता। चैम्पियनिशप के दौरान दिल्ली स्विमिंग एसोसिशन को संभाल रही एडहॉक कमेटी के चेयरमैन स्वाड्रन लीडर (रिटा.) एसआर साहू ने बताया, उत्तर भारत में पहली बार टच बोर्ड का इस्तेमाल किया गया, जिसे टाइम ट्रैक स्पोर्ट्स इवेंट नियंत्रित कर रहा है। इससे सटीक परिणामों के चलते ज्यादा पारदर्शिता आएगी। रविवार को चैम्पियनशिप के तीसरे दिन हुई 200 मीटर बालिका अंडर-17 इंडिविजुअल मेडले स्पर्धा में प्रकृति दहिया ने 2:27.49 समय के साथ अब तक दो गोल्ड जीत चुकी खुशी भट्ट को पछाड़कर गोल्ड जीता। खुशी को रजत और वंशिका गुसाईं को कांसे से संतोष करना पड़ा। बालक वर्ग में अर्णव त्यागी (2:18.99) ने बाजी मारी जबकि ध्रुव सेजवाल ने रजत और वंश सुहाग ने कांस्य जीता। 200 मीटर बालिका अंडर-14 इंडिविजुअल मेडले स्पर्धा में सेहर पुरी (2:47.34) को गोल्ड, ऑसम को सिल्वर और अमर्या पटनी को ब्रॉन्ज मिला। बालक वर्ग में आरोन इमैनुअल (2:33.75) सबसे आगे रहे। विशु मौर्य दूसरे और रक्षित टोकस तीसरे स्थान पर रहे। सेहर ने 50 मीटर बटरफ्लाई का गोल्ड और 200 मीटर बैक स्ट्रोक का सिल्वर जीता। 400 मीटर बालक अंडर-17 फ्री-स्टाइल स्पर्धा में युवराज सिंह ने 4:18.16 समय निकालकर गोल्ड मेडल जीता। वंश सुहाग और तनुष झांजी ने क्रमशः रजत व कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा के अंडर-14 वर्ग का गोल्ड रक्षित टोकस (4:43.47) को गया। सूर्यामान महावाल को रजत और वीर राठी को कांसा मिला। 400 मीटर बालिका अंडर-17 फ्री-स्टाइल स्पर्धा का गोल्ड तितिक्षा रावत (4:47.57) की झोली में गिरा। प्रकृति दहिया और यजुशा दहिया क्रमशः रजत व कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। इस स्पर्धा के अंडर-14 वर्ग में नूपुर पाठक (5:05.34) ने गोल्ड जीता। अमीरा सिंघल और याध्वी नेगी ने क्रमशः रजत व कांस्य पदक पाया।

विश्व मुक्केबाजी कप - साक्षी ने भारत के लिए जीता स्वर्ण पदक

अस्ताना, 6 जुलाई। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप – अस्ताना, कजाकिस्तान 2025 में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 24 वर्षीय साक्षी ने यूएसए की योसलाइन पेरेज के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया और जजों से सर्वसम्मति से फैसला प्राप्त किया। यहां विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय दल का प्रदर्शन शानदार रहा और उसने कुल 11 पदक पक्के कर लिए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। रविवार को पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ही थीं जो गति और पंचों के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष पर रहीं। इससे पहले मीनाक्षी ने 48 किग्रा के फाइनल में स्थानीय पसंदीदा नाज़िम काइजेबे के खिलाफ़ जीत के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन 3:2 के फैसले से हार गईं। जुगनू (पुरुष 85 किग्रा) और पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) भी अपने-अपने फाइनल में हारने के बाद रजत पदक के साथ घर लौटेंगे। जुगनू कजाकिस्तान के बेकजाद नूरदौलेटोव के खिलाफ़ 0:5 से हार गईं, जबकि पूजा ऑस्ट्रेलिया की एसेटा फ्लिंट के खिलाफ समान स्कोर लाइन से हार गईं।

50 हजार से अधिक लोगों ने साइकिल चला स्वास्थ्य बेहतर बनाने का लिया संकल्प

राजकोट/नयी दिल्ली, 06 जुलाई। देशभर में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक लोगों ने आज साइकिल चलाकर स्वास्थ्य बेहतर बनाने का संकल्प लिया। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात में राजकोट के धोराजी में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के दौरान कहा, साइकिल चलाना एक बेहतरीन व्यायाम है, इससे न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है बल्कि यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की संभावना को कम करता है। यह प्रदूषण का समाधान और मोटापे से लड़ने का एक साधन भी है। मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि वे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। आज, मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि भारत भर के स्थानीय समुदायों ने साइकिल चलाना एक फिटनेस गतिविधि के रूप में अपनाया है। नमो फिट इंडिया साइक्लिंग क्लब के तहत फिट इंडिया ऐप पर पंजीकृत देशभर के तीन हजार से अधिक क्लबों ने भी इस पहल में हिस्सा लिया। देश भर के छह हजार स्थानों पर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की साझेदारी में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 30वें संस्करण में 50 हजार से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य और मोटापे तथा प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई के लिए साइकिल चलाई। दिल्ली में यह कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में यूनाइटेड रेजिडेंट्स जॉइंट एक्शन ऑफ दिल्ली (ऊर्जा) के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागी अपने परिवार के साथ टेनिस, क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज और कैरम खेलने वाले एथलीट हैं। राहगिरी फाउंडेशन की साझेदारी में आयोजित इस कार्यक्रम में जुम्बा, रस्सी कूद और योग जैसी गतिविधियों से माहौल और भी ऊर्जावान दिखा जिसने साइकिल चालकों के उत्साह को और बढ़ा दिया।

बर्मिंघम में इंडिया की 58 साल में पहली जीत

आकाशदीप ने 10 विकेट लिये जबकि गिल ने 430 रन बनाये

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हराया

बर्मिंघम, 6 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है।

608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गई। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था। भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। इससे पहले यहां खेले 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था।

मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बारिश के कारण मुकाबला करीब 90 मिनट की देरी से शुरू हुआ। लंच तक अंग्रेजों ने तीन विकेट और गंवा दिए। दूसरे सत्र में बाकी बचे चार विकेट गिरे। भारत के लिए आकाश दीप ने 6, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया। भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 587 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 269 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। गिल फिर टॉप स्कोरर रहे और 161 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने इस मैच की दोनों पारियों में मिलाकर 430 रन बनाए, जबकि आकाश दीप ने 10 विकेट झटके।

संयुक्त विजेता टीम घोषित

जयपुर 6 जुलाई। सबा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 8वी हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोंगिता के अनर्गत आज खेले गए फाइनल मैच में वर्षा के कारण मैच की दोनों पारियां पूरी ना हो पाने के कारण एमी क्रिकेट अकेडमी व केंडलविक क्रिकेट अकेडमी की दोनों टीम को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया ।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमी अकेडमी ने नावेद खान 49 रन, आयुष आमेरिया54 रन , कार्तिक शर्मा 64 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाये बोलिंग मे केंडलविक अकेडमी की और से रौनक सैनी, मेहुल सिंह 2-2 विकेट तथा आयुष गुजर व आदित्य सराफ 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे बेस्ट बेट्समेन आयुष आमेरिया, बेस्ट बॉलर रौनक सैनी, बेस्ट फिल्डर दक्ष कासलीवाल, उभरते खिलाडी का पुरस्कार मोहम्मद बिलाल को दिया। समरोह के मुख्य अतिथि विनोद माथुर पूर्व रणजी कप्तान, मोहम्मद इकबाल पूर्व उपाध्यक्ष आर सी ए, सुनील पारवानी उपाध्यक्ष जे डी सी ए, महेंद्र राजवी व मोहम्मद सलीम कॉमरेड ने इनाम बांटे।

कॉल्विन शील्ड की विजेता जयपुर टीम का सम्मान

जयपुर, 6 जुलाई। सयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आज आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए अकादमी पर राज्य स्तरीय सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता कॉल्विन शील्ड की विजेता जयपुर टीम को विशेष रूप से आमंत्रित करते हुए उन्हें प्रतिष्ठित कॉल्विन शील्ड प्रदान करते हुए न केवल उनका सम्मान किया साथ ही टीम के खिलाडियों व जयपुर जिला एडहॉक कमेटी सदस्यों से मुलाकात की।आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्यों ने आरसीए कर्मचारियों से भी मुलाकात करते हुए उन्हें आरसीए के सभी लंबित कार्यो को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

असम, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़ ने हॉकी मैच जीते

रांची, 06 जुलाई। 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के चौथे दिन रविवार को असम, जम्मू-कश्मीर ने ग्रुप 'सी', छत्तीसगढ़, मणिपुर और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी ने ग्रुप 'बी' में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीते।

आज यहां मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में असम हॉकी ने ग्रुप 'सी' में तेलंगाना को 6-2 से हराया। असम की ओर से रितिका तिग्गा ने (तीसरे, 14वें, 58वें), ज्योशना एक्का ने (नौवें, 52वें) मिनट और कप्तान रोशनी ब्रूह ने (54वें) मिनट में गोल दागे। तेलंगाना की ओर से जो अनु कुमारी ने (46वें) और ए वर्शिता ने (22वें) मिनट में गोल किये। दिन के दूसरे ग्रुप 'सी' मैच में गोवा की टीम वायदांडे भूमिका भीमा के (पांचवें) मिनट में शुरुआती गोल के बावजूद अपनी बढ़त को लंबे समय तक बनाए नहीं रख पाई और हॉकी जम्मू और कश्मीर से 1-4 से हार गई। जम्मू-कश्मीर के लिए अक्षरा दत्ता ने (9वें, 46वें) मिनट, कुमारी शिवानी ने (23वें) मिनट और मनीक्षा देवी ने (59वें) मिनट में गोल किये। इसी के साथ ग्रुप 'सी' के मुकाबले समाप्त हो गये। इस बीच ग्रुप 'बी' में पहले हाफ में गोल रहित रहने के बाद छत्तीसगढ़ के लिए दुबे रावत ने (36वें) मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। और इसके तुरंत बाद टीम की साथी श्यामली रे ने (43वें) मिनट में दूसरा गोल करके टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। तमिलनाडु ने अंतिम क्वार्टर में कप्तान जोविना डेफनी एमजे (59वें)मिनट किया गया गोल सांत्वना रहा। छत्तीसगढ़ ने मुकाबला 2-1 से जीत लिया।

पोशिका गुप्ता ने भारत को गौरवान्वित किया : एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप के लिए चयनित

जयपुर, 6 जुलाई। राजस्थान मूल निवासी निशानेबाज पोशिका गुप्ता को कजाकिस्तान में आयोजित एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। वह 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल जूनियर महिला वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। पोशिका की इस उपलब्धि का श्रेय कोच योगेश यादव व पिता डॉ आलोक गुप्ता को दिया कोच योगेश यादव स्वयं विख्यात राष्ट्रीय निशानेबाज है उनके विशेष मार्गदर्शन में चार साल का समर्पित प्रशिक्षण और दृढ़ता शामिल है जो कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता का प्रमाण है। इनके अनुसार पोशिका खेल के साथ साथ पढ़ाई में भी अव्वल है । पोशिका इसी साल अगस्त में होने जा रही एशियन चैंपियनशिप में एशिया भर के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों के मध्य मुकाबला करते नजर आएगी।

जयदीप बिहाणी ने वर्तमान संयोजक दीनदयाल कुमावत के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी

सरकार आरसीए को अपने नियंत्रण में लेना चाहती है, लेकिन मैं कठपुतली नहीं बनूंगा : बिहाणी

जयपुर । राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) में जारी नेतृत्व परिवर्तन और विवाद के बीच पूर्व कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने वर्तमान संयोजक दीनदयाल कुमावत के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में नई एडहॉक कमेटी ने कामकाज की कमान संभालते ही बड़ा फैसला लेते हुए पिछली आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी के सभी फैसलों को निरस्त कर दिया। नए संयोजक दीनदयाल कुमावत ने रविवार को आरसीए एकेडमी में पदभार ग्रहण किया और पहली ही बैठक में पुराने सभी बोर्डों, सब कमेटियों और बिना सामूहिक सहमति से की गई लोकपाल और एथिक्स अधिकारी की नियुक्तियों को रद्द करने की घोषणा की। बिहाणी ने कहा कि उन्होंने कभी इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि उन्हें हटाया गया है क्योंकि वे "खेल मंत्री की कठपुतली" बनकर काम नहीं करना चाहते थे। मैने पिछले सवा साल में अपनी व्यवस्तता के चलते एडहॉक कमेटी का काम किया है। बिहाणी ने आरसीए में हो रही राजनीति को लेकर कहा कि आरसीए एक स्वायत्त संस्था है, न कि किसी की निजी मिल्कियत। आज जो फैसले एडहॉक कमेटी ने रद्द किए हैं वे सभी निर्णय हमने आरसीए की एजीएम में लिए थे, जिन पर 18 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। ऐसे में किसी एकपक्षीय कमेटी द्वारा उन फैसलों को खारिज करना आरसीए के संविधान का उल्लंघन है।कोई भी निर्णय लेने से पहले कानून की किताब पढ़नी चाहिए। जयदीप बिहाणी ने कहा कि मैंने इस्तीफा नहीं दिया, मुझे हटाया गया। आरसीए में लिए गए निर्णय एजीएम में विधिवत पारित हुए, 18 सदस्यों के हस्ताक्षर मौजूद हैं।आरसीए किसी की निजी संस्था नहीं, संविधान से चलता है। एडहॉक कमेटी द्वारा फैसलों को रद्द करना नियमों के विपरीत है।

सरकार आरसीए को अपने नियंत्रण में लेना चाहती है, लेकिन मैं कठपुतली नहीं बनूंगा। फैसलों की निरस्तीकरण के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की चेतावनी दी है। जयदीप बिहाणी, पूर्व संयोजक एडहोक कमेटी ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट संघ की साधारण सभा द्वारा लिए गये निर्णय को एडहोक कमेटी के दोबारा नहीं बदला जा सकता। राजस्थान खेल अधिनियम 2005 राजस्थान क्रिकेट संघ के संविधान के विरुद्ध कार्य किया जा रहा है। राजस्थान क्रिकेट संघ की साधारण सभा द्वारा ही लोकपाल वह सभी कमेटियों का नियुक्तियां की गई है। उनको भी साधारण सभा के बिना नहीं बदला जा सकता है कि इस तरह के निर्णय केवल साधारण सभा में ही लिए जा सकते जब एडहॉक कमेटी के द्वारा केवल दिन प्रतिदिन के कार्य ही किये जा सकते हैं। साधारण सभा जो किसी भी संस्था के सर्वोच्य सभा है, उसके द्वारा लिए गये निर्णय अतिंम व मान्य है। आज एडहॉक कमेटी के द्वारा जो निर्णय लिए गये हैं हास्यपद हैं। मेरे समय में एडहोक कमेटी के सदस्यों द्वारा लिखित में कहा गया कि केवल एडहॉक कमेटी का काम चुनाव करवाना है तो आज ये निर्णय किस के इशारे पर और किन को बचाने के लिए किये जा रहे हैं?

जिन पाली और बीकानेर के पूर्व पदाधिकारी कांग्रेसियों को बचाने के लिए यह कृत्य एडहॉक कमेटी से कौन करवा रहा है और किस के इशारे पर हो रहा है और मैं इन भृष्ट कांग्रेसी जिला संघों के विरूद्ध लडाई अंतिम निर्णय तक लड़ेंगे। मेरी एडहॉक कमेटी में जो सदस्य थे उनके द्वारा राजस्थान किकेट संघ के चुनाव का निर्णय ही नहीं होने दिया। ये सब किस के इशारे पर और ऐसा क्यों किया गया? जबकि राजस्थान किकेट संघ का चुनाव करवाना सभी जिला संघों का मौलिक अधिकार है। उन अधिकारों से वंचित कौन करना चाहता है और इस संस्था पर अपना वर्चस्व कौन रखना चाहता है जबकि सभी के द्वारा समय-समय पर यह कहा जाता है कि चुनाव करवाना ही एडहॉक कमेटी का कार्य है।

भ्रष्टाचार की जांच की बात आती है तो आईपीएल दो बार हुई है उनकी समस्त भ्रष्टाचार की जांच सरकारी ऐजेन्सी से करवायी जानी चाहिए। राजस्थान क्रिकेट संघ का कार्यालय सवाईमान सिंह स्टेडियम में संघ का कार्यालय पिछली एडहॉक कमेटी के बार-बार निवेदन के बाद भी ताले नहीं खोले गये और अब अचानक ताले खोलना किस की राजनीति को इंगित करता है? उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उनके कार्यकाल में लिए गए वैध निर्णयों को निरस्त करने का प्रयास किया गया तो वे इसके खिलाफ हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। जयदीप बिहाणी ने नई एडहॉक कमेटी पर आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा कमेटी सरकार के इशारों पर काम कर रही है और आरसीए को राजनीति का अड्डा बनाया जा रहा है। बिहाणी के इस बयान के बाद आरसीए की नई कमेटी और पूर्व नेतृत्व के बीच तनातनी और भी तेज हो गई है। आरसीए की आंतरिक राजनीति का क्या अंजाम होगा?

जूनियर नेशनल में राजस्थान वुशु टीम ने ओवरआल वर्चुअल तृतीय स्थान की ट्रॉफी हासिल की

जयपुर, 6 जुलाई। भारतीय वुशू संघ की आनोडिया में दिनांक 1 से 6 जुलाई 2025 तक गाचीबौली स्टेडियम, हैदराबाद में 24वीं जूनियर नेशनल (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान में हुआ, वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 20 पदक जीते। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 9 रजत और 4 रजत कुल 20 पदको के साथ ओवरऑल टीम चैंपियनशिप में तीसरे स्थान की ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया।

राजस्थान वुशु संघ की सचिव ममता वर्मा ने बताया कि शांशु वर्ग टीम चैंपियनशिप में 02 गोल्डन, 02 सिल्वर और 01 कांस्य पदक के साथ राजस्थान वुशू संघ की ट्राफी, शानशु वर्ग वर्ग टीम चैंपियनशिप में 02 गोल्डन, 04 रजत और 01 रजत पदक के साथ 01 रजत पदक के साथ 01 रजत पदक के साथ 01 रजत पदक शामिल हैं। राष्ट्रपति के अनुसार पदक विजेता खिलाड़ियों का विवरण इस प्रकार है-

गोल्डन मेडल विजेताः- आशु 48 किलोमीटर, तुषार जाट 80 किलोमीटर, प्रियांशी गौतम 56 किलोमीटर, शगुन सिंह 65 राइडर्स, रिद्धि पारीक ताइचीशान, प्लायाबा ट्रेडिशनल नानकवान व (रोनित पारीक, हितार्थ गोरवाल, नितेश पेजपत)- ड्यूल इवेंट

रजत पदक विजेताः- इशिता चौधरी 48 किलोमीटर, हिमानी 52 किलोमीटर, रिया मिश्रा 70 किलोमीटर, ईशान शर्मा 75 जीप, रुद्राक्ष अमेरिका 60 सवारी, सुनील चौधरी 65 सवारी, नितेश, पेजपत दाऊशू, प्रिंस चौहान ट्रेडिशनल ताईची, रेनुका शर्मा विंगचुग

कांस्य पदक विजेताः- दिव्य गोदारा 60 मंजिल, केशव टेलर 85 शोरूम, मोहम्मद माहिर, ताईचीशान, मयंक वर्मा ट्रेडिशनल नानचुआन

कोचः-देवराज सिंह, मैनेजरः- निकली चौधरी

प्रतियोगिता के सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजाराम मील, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहायता जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के। सी. घुमरिया, साइबेरिया, राजस्थान वुशू संघ, हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, वजीर, राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच और सभी समर्थकों ने बधाई दी।

'जयदीप बिहाणी ने व्यस्तता की वजह से दिया इस्तीफा'

जयपुर, 6 जुलाई। नई एडहॉक कमेटी के कन्वीनर कुमावत ने कहा कि मुझसे पहले एडहॉक कमेटी के कन्वीनर रहे जयदीप बिहाणी विधायक भी हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी व्यस्तता के चलते कन्वीनर पद से इस्तीफा दिया था। आरसीए में किसी तरह के विवाद की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे जयदीप बिहाणी और धनंजय सिंह ने एक दूसरे के लिए कहा था, अब तक इस बारे में नहीं पता है। अगर फिर भी पहले कोई विवाद था तो मुझे उसकी जानकारी नहीं है। लेकिन भविष्य में कोई विवाद नहीं होगा हम सभी मिलकर काम करेंगे।

इसके बाद रविवार दोपहर में एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने बैठक कर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की पूर्व एडहॉक कमेटी द्वारा किए गए फैसलों को लेकर बैठक की। इसमें पूर्व कमेटी द्वारा गठित कमेटियों को रद्द करने का फैसला किया गया।

कुमावत ने कहा कि भले ही सरकार ने हमें राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने के लिए यह जिम्मेदारी दी है। लेकिन इस बीच क्रिकेट गतिविधियों का संचालन भी बेहद जरूरी है। इसलिए हम उनके संचालन के लिए भी काम करेंगे। रणजी मैच से लेकर अंडर - 23, 19 और 16 जैसे तमाम टूर्नामेंट का आयोजन बेहद जरूरी है। उनके लिए ग्राउंड से लेकर अन्य संचालन गतिविधियों के साथ ही जिला संघों के चुनाव जैसी तमाम प्रक्रिया को अब हम पांच एडहॉक कमेटी के सदस्य मिलकर ही चलाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सबसे पहले जिन - जिन जिला संघों के चुनाव लंबित चल रहे हैं। उनकी जानकारी जुटाएंगे। जहां कोर्ट में मामला विचाराधीन है, उसे भी समझेंगे। उसके बाद सभी जिलों में चुनाव की प्रक्रिया को संपन्न करने के साथ ही हम राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के लंबित चल रहे चुनाव की प्रक्रिया को शुरू करेंगे।

एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में अब सिर्फ क्रिकेट ही खेला जाएगा। किसी तरह का विवाद या राजनीति की स्थिति पैदा नहीं होने दी जाएगी। पहले जितने भी विवाद हुए थे सभी अब समाप्त हो चुके हैं। हमारा सारा फोकस सिर्फ क्रिकेट और खिलाड़ियों के विकास में है। इसके लिए हम कैलेंडर के अनुरूप ही क्रिकेट गतिविधियों का संचालन भी करेंगे।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए अकादमी पहुँच संभाला पदभार

राज्य की क्रिकेट को वापस पटरी पर लाएंगे : डी डी कुमावत

जयपुर, 6 जुलाई। राज्य सहकारिता विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन हेतु गठित आरसीए एडहॉक कमेटी ने आज सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पहुंच विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभाला।

राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने आज प्रातः 11.11 सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए एकेडमी थर्ड फ्लोर स्थित आरसीए ऑफिस में कमेटी सदस्यों धनञ्जय सिंह खींवसर , पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवारी व मोहित यादव के साथ विधिवत रूप आरसीए एडहॉक कमेटी का पदभार संभाला।

संयोजक डी डी कुमावत ने आरसीए एडहॉक कमेटी के पदभार ग्रहण समारोह में मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, ने आरसीए एडहॉक कमेटी को राज्य में क्रिकेट के विकास व संचालन की जो जिम्मेदारी दी है उसे समस्त आरसीए पूर्ण लगन व निष्ठा से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। साथ ही उन्होंने खेल मंत्री कर्नल

राजवर्धन सिंह राठौड़, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक का भी विशेष आभार व्यक्त किया।

पदभार ग्रहण करने के बाद नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी की पहली मीटिंग में सभी सदस्यों ने आरसीए के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र सहित राजस्थान क्रिकेट संघ से जुड़े विभिन्न कार्यों व आरसीए के दैनिक कार्यों के संचालन के सम्बन्ध में गहन चर्चा करते सर्वसम्मति से विभिन्न फैसले किये आरसीए की सभी पूर्व कमेटियों , सब कमेटियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया। पूर्व आरसीए संयोजक द्वारा बिना आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्यों की सहमित से नियुक्त किये गए लोकपाल व एथिक्स अधिकारी की नियुक्ति को रद्द किया गया। आरसीए की खेल गतिविधियों व अन्य कार्यों को सुचारु रूप से वापस पटरी पर लाने हेतु आवश्यक प्रयास किये जायेंगे। आरसीए के वित्तीय कामकाज की समीक्षा की जाएगी।

‘रॉयल्टी वसूली सख्ती से हो, अवैध खनन को रोकें’

मुख्यमंत्री भजन लाल ने रविवार को खनन विभाग की समीक्षा बैठक ली

- उन्होंने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश कर विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। सी सी टी वी कैमरे, ड्रोन सर्वे व मालवाहक वाहनों की सख्त चैकिंग सुनिश्चित करें।
- मुख्यमंत्री ने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों को राजस्थान में लागू करने की संभावनाएं तलाशने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के निर्देश दिए।

जयपुर, 6 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे।

उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए। साथ ही, शर्मा ने क्रशर डस्ट के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने नए ब्लॉक्स की नीलामी की संभावनाएं तलाशने, डीएमएफटी और एनएमईटी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर इन्हें राजस्थान में लागू करने की संभावना पर कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया।

‘हम हिंदी विरोधी नहीं, प्राथमिक शिक्षा में इसे थोपने के खिलाफ हैं’

- उद्धव ठाकरे गुट ने महाराष्ट्र में हिन्दी भाषा पर उठे विवाद पर अपना रुख स्पष्ट किया।

मुंबई, 6 जुलाई। महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया था कि कक्षा 1 से 5 तक हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, लेकिन विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया। इस जीत का जश्न मनाने के लिए शनिवार को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे सालों बाद एक मंच पर आए। हालांकि, अगले ही दिन रविवार को उद्धव की शिवसेना ने साफ किया कि उनकी पार्टी हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं है। पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा तमिलनाडु में जो हिंदी विरोध है, उसमें वे न हिंदी बोलते हैं और न दूसरों को बोलने देते हैं। लेकिन महाराष्ट्र में हमारा ऐसा कोई रुख नहीं है। हम हिंदी बोलते हैं, यहां हिंदी फिल्में, थिएटर और संगीत भी है। हमारी लड़ाई सिर्फ प्राथमिक शिक्षा में हिंदी थोपने के खिलाफ है।

राउत ने कहा कि डीएमके नेता एम.के. स्टालिन को उनके संघर्ष के लिए शुभकामनाएं, लेकिन हमारी सीमाएं स्पष्ट हैं। स्टालिन ने जवाब में कहा, हमारी हिंदी विरोधी लड़ाई महाराष्ट्र पहुंची

उद्धव और राज ठाकरे को एक साथ मंच पर देखकर स्टालिन ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि तमिलनाडु और डीएमके द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी लड़ी गई हिंदी विरोधी लड़ाई अब बाहर निकलकर महाराष्ट्र तक पहुंच गई है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में मुंबई में हुई विजय रैली का उत्साह और जोश हमें गर्व और उम्मीद से भर देता है। हालांकि उद्धव गुट ने स्टालिन के समर्थन को सराहा, लेकिन स्पष्ट किया कि वे हिंदी भाषा के विरोध में नहीं हैं, केवल शिक्षा में जबरन थोपने के खिलाफ हैं।

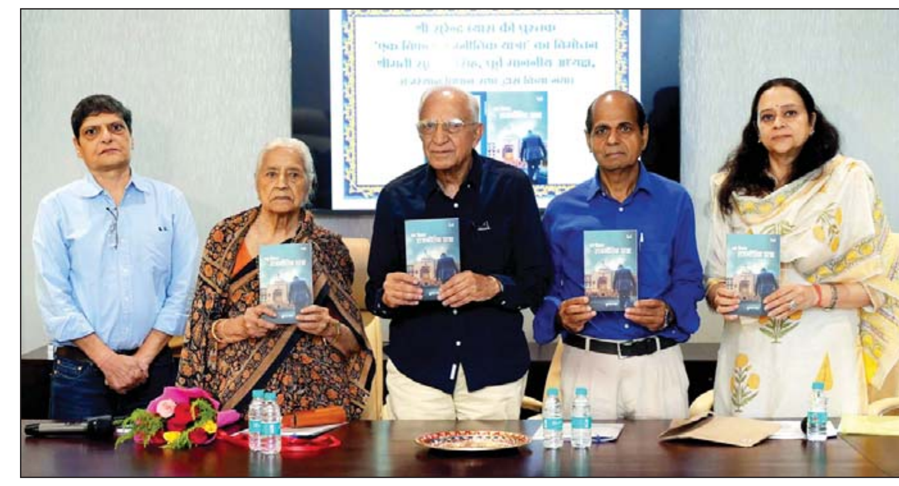

राजस्थान की पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने रविवार को पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' का विमोचन किया।

राजस्थान में मुख्यमंत्री व विपक्ष में सहयोग की परम्परा रही है - सुरेन्द्र व्यास

पूर्व स्पीकर सुमित्रा सिंह ने पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' का विमोचन किया

- सुमित्रा सिंह ने कहा कि व्यास ने विधानसभा में खूब मेहनत से ज्वलंत मुद्दे उठाये पर, विडम्बना यह रही है कि सुर्खियां तो खूब बटोरीं पर वांछित परिणाम तक नहीं पहुंच पाये।
- सुरेन्द्र व्यास ने भैरोंसिंह शेखावत के दामाद के मामले में उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी। जब व्यास विशेषाधिकार द्वारा महाभारत के अभिमन्यु की तरह पिट गये, तब भी उन्होंने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

जयपुर 6 जुलाई। राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र व्यास की पुस्तक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' का विमोचन रविवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने किया। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के चिन्तन कॉन्फ्रेंस हॉल में मुख्य अतिथि सुमित्रा सिंह ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि 4 बार मेरे साथ विधायक रहे व्यास ने विधानसभा में ज्वलंत मुद्दों को बड़ी शिद्दत के साथ उठाया और उन्हें परिणाम तक पहुँचाने के लिए खूब मेहनत की। कुछ मामलों को तो वे सुप्रीम कोर्ट तक ले गये लेकिन विडम्बना यह रही कि उन मामलों ने सुर्खियाँ तो खूब बटोरी लेकिन वांछित परिणाम तक नहीं पहुंच पाए। पुस्तक का शीर्षक ''एक विफल राजनीतिक यात्रा'' व्यास की इसी निराशा का परिणाम है जिसे इन्होंने भी स्वीकार किया है।

राजस्थान की महिलाओं में सर्वाधिक 9 बार विधायक रहीं 95 वर्षीय सुमित्रा सिंह ने कहा कि सुरेन्द्र व्यास सदन में बड़ी बेबाकी और तर्कों के साथ अपनी बात कहते थे जिसे बड़ी गम्भीरता से सुना जाता था। उन्होंने व्यास को पुस्तक के लिए बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि ये ऐसी पुस्तकें और लिखें जिनसे नये राजनीतिज्ञों को सीखने का मौका मिले।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में सदन के बाहर राजनेताओं के आपसी सम्बन्ध आज के समान कटु नहीं बल्कि मधुर होते थे। व्यास ने नौवीं विधानसभा के कार्यकाल में भैरोंसिंह शेखावत के दामाद के मामले में उनके लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी लेकिन जब व्यास विशेषाधिकार हनन के एक मामले में सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा महाभारत के अभिमन्यु की तरह चारों ओर से घिर गये तो भी अपने सिद्धान्तों से समझौता नहीं किया और माफी नहीं मांगी। ऐसी स्थिति में भी शेखावत ने व्यास की सदस्यता रद्द नहीं होने दी।

इस अवसर पर व्यास ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के बीच आपसी सहयोग के अनकहे समझौते की परम्परा रही है। पुस्तक में ज्वलंत उदाहरण देकर ऐसे समझौतों को सिद्ध करने का प्रयास किया गया है।

विधानसभा के पूर्व शोध एवं संदर्भ अधिकारी डॉ. कैलाश चन्द सैनी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पुस्तक, लेखक और मुख्य अतिथि के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा अंत में लेखक की भावनाओं के अनुकूल सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर लेखक व्यास की पुत्री डॉ. शिप्रा कुमार और दामाद संजय कुमार भी मौजूद थे।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के भतीजे के पुत्र की सड़क हादसे में मौत

मृतक रुद्रवीर अपने रिसॉर्ट से 30 किलोमीटर दूर जैसलमेर केक लाने जा रहे थे

- अशोक गहलोत के भतीजे अजय लम्बे समय से जैसलमेर में रहते हैं और दामोदरा गांव में बी एड कॉलेज का संचालन करते हैं। दामोदरा में ही उन्होंने एक रिसॉर्ट बना रखा है जहां शनिवार को जन्मदिन की पार्टी का आयोजन था।

जोधपुर, 6 जुलाई (का.सं.)। जैसलमेर में शनिवार रात हुए एक सड़क हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक रिश्ते के पोते की मौत हो गई। मृतक पूर्व सीएम अशोक गहलोत के भतीजे का पुत्र था।

जानकारी के अनुसार इंदिरा इंडोर स्टेडियम के पास कार पलटने से रुद्रवीर (21) पुत्र अजय गहलोत की मौत हो गई, तथा हादसे में उसके चार दोस्त घायल हो गए। सभी को निजी वाहन की मदद से जवाहर हॉस्पिटल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने रुद्रवीर को मृत घोषित कर दिया। चारों घायलों का इलाज शुरू हो गया है। गंभीर रूप से घायल कुणाल पुत्र श्याम सिंह को जोधपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार रुद्रवीर के एक दोस्त का शनिवार को जन्मदिन था। रुद्रवीर का जैसलमेर से तीस किमी दूर दामोदरा गांव के पास एक रिसॉर्ट है, जहां जन्मदिन मनाया जाना था। कुल दस दोस्त अलग-अलग गाड़ियों से जैसलमेर से वहां पहुंचे। रात करीब ग्यारह बजे सभी को याद आया कि वे केक लाना भूल गए हैं। तब रुद्रवीर अपनी कार में चार दोस्तों के साथ दामोदरा से केक लेने जैसलमेर रवाना हुआ। जैसलमेर आते समय रात करीब 11.30 बजे इंदिरा इंडोर स्टेडियम के पास तेज गति से दौड़ रही कार निर्माणाधीन सड़क पर अचानक पलट गई। दो बार पलटने के बाद कार सड़क के पास उलट गई।

गाड़ी रुद्रवीर चला रहा था और गाड़ी के पलटने पर वो गाड़ी से बाहर आकर गिरा और किसी पत्थर से टकराने से गंभीर रूप घायल हो गया।

हादसे के बाद राह से गुजर रही एक बोलेरो गाड़ी में सवार लोगों ने हादसाग्रस्त गाड़ी के शीशे तोड़कर सभी को बाहर निकाला और रुद्रवीर सहित सभी को जवाहर अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार मृतक रुद्रवीर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भतीजे अजय गहलोत का बेटा था। अजय गहलोत लम्बे समय से जैसलमेर में रहते हैं और दामोदरा गांव में बीएड कॉलेज का संचालन कर रहे हैं। दामोदरा में ही उन्होंने एक रिसॉर्ट भी बना रखा है, जहां शनिवार को जन्मदिन की पार्टी का आयोजन हुआ था। परिजन रुद्रवीर का शव लेकर जोधपुर आए और आज दोपहर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

अमित शाह ने भारत के पहले सहकारी वि.वि. का भूमि पूजन किया

नई दिल्ली, 06 जुलाई। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय ''त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी'' का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने त्रिभुवन दास पटेल को श्रद्धांजलि दी। इस यूनिवर्सिटी से सहकारिता में भाई-भतीजावाद खत्म होगा, पारदर्शिता आएगी और सहकारी यूनिवर्सिटी से प्रशिक्षण लेने वालों को रोजगार मिलेगा।

शाह ने कहा, इस यूनिवर्सिटी में युवाओं को तकनीकी विशेषज्ञता, अकाउंटेंसी, वैज्ञानिक अप्रोच और मार्केटिंग के साथ-साथ सहकारिता के संस्कार भी सीखने को मिलेंगे। एक सहकारी नेता हर सदस्य की भलाई के लिए जब काम करता है, तो राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में कितना बड़ा योगदान देता है, इसके आदर्श उदाहरण त्रिभुवन दास जी थे। इस लिए इस यूनिवर्सिटी के लिए सबसे उचित नाम 'त्रिभुवनदास है।

उन्होंने कहा, त्रिभुवन दास के ही विजन के कारण दुनियाभर की निजी डेयरियों के सामने आज हमारे देश की कोऑपरेटिव डेयरी सीना तानकर खड़ी हैं।

हरियाणा असिसटैंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया रद्द की जाये- सुरजेवाला

उन्होंने आरोप लगाया कि कई विषयों में प्रश्न पत्रों की सील टूटी मिली व गंभीर अनियमितताएं सामने आईं

- सुरजेवाला ने कहा कि 2024 में 26 विषयों में 2,424 पदों के लिये डेढ़ लाख अभ्यार्थियों ने आवेदन किया था।

हिसार, 6 जुलाई। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने असिस्टैंट भर्ती प्रक्रिया को लेकर हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) पर बड़ा हमला बोला है। आज हिसार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और एचपीएससी चेयरमैन आलोक वर्मा पर सीधा आरोप लगाते हुए पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दोबारा कराने की मांग की। सुरजेवाला ने आयोग को हेराफेरी सर्विस कमीशन करार दिया और न्यायिक जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि एचपीएससी में लगातार पेपर लीक, सवालों की कॉपी और आंसर की में गड़बड़ियों जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं।

सुरजेवाला ने बताया कि 29 मई 2025 को पोलिटिकल साइंस का पेपर लिया गया, जिसकी सील टूटी हुई पाई गई। 1 जून को आयोजित हिंदी के पेपर में भी यही स्थिति रही। 3 जून को भारी विरोध के बाद पेपर रद्द किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदी के प्रश्न पत्र में 27 सवाल पूरी तरह गलत थे। बाद में रिवाइज़ आंसर की में भी सही उत्तरों को गलत बताया गया, जिससे अभ्यर्थियों को भारी नुकसान हुआ।

सुरजेवाला ने ज्यॉग्राफी के पेपर में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) से सीधे 32 सवाल कॉपी किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि आयोग के चेयरमैन आलोक वर्मा खुद बिहार से हैं, जिससे इस नकल की संभावना और भी मजबूत होती है।

रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि 2019 के बाद से हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर की कोई भर्ती नहीं हुई। अगस्त 2024 में 26 विषयों में 2,424 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें लगभग डेढ़ लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। लेकिन भर्ती शुरू होते ही पेपर लीक, सवालों की नकल और आंसर की की गलतियों के चलते पूरा सिस्टम सवालों के घेरे में आ गया।

सुरजेवाला ने पूरे मामले की जिम्मेदारी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी पर डालते हुए हाईकोर्ट की सिटिंग जज से स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ परीक्षा नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है।

अवैध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। इसीलिए मैं देश के लोगों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ एकजुट होने का संदेश देने के लिए दिल्ली जा रहा हूं। मुरासिंह ने दावा किया कि अनियंत्रित घुसपैठ के कारण त्रिपुरा के अपने लोगों को अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

मोदी ने दलाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तिब्बत के अमदो के तकत्सेर में एक छोटे से गांव में किसान परिवार में हुआ था। जन्म के समय उनका नाम तेनज़िन ग्यात्सो था और दो वर्ष की आयु में उन्हें 13वें दलाई लामा, थुबतेन ग्यात्सो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया।

चीनी सेना द्वारा 1959 में, ल्हासा में तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह के क्रूर दमन के बाद, दलाई लामा भारत आ गए थे और तभी से यहीं रह रहे हैं।

नकाबपोश युवकों ने मुस्लिम परिवार के दो मकानों में आग लगाई

- भिवानी जिले के एक गांव की घटना में पुलिस व फायर ब्रिगेड ने तुरंत कार्यवाही की
- अभी आग लगाने वालों का पता नहीं चल पाया है।

भिवानी, 6 जुलाई। हरियाणा के भिवानी जिले के ढ़ाणी मांहू गांव की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। गांव में कुछ अज्ञात लोगों ने मुस्लिम परिवार के दो मकानों का सामान पहले बाहर फेंक कर मकान और सामान को आग के हवाले कर दिया गया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, अग्निशमन विभाग की गाड़ियां भी बुलाई गईं और आग पर काबू पाया गया।

भिवानी के ढ़ाणी मांहू गांव में हुसैन नामक शख्स के दो मकानों के सामान को कुछ नकाबपोश युवकों ने पहले बाहर फेंका और फिर आग के हवाले कर दिया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई तो बड़ी संख्या में पुलिस बलों ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। वहीं जिस घर में आग लगाई गई, उस घर के परिवार का कोई सदस्य मौके पर नहीं मिला है। पुलिस ने भी आसपास के लोगों से पूछताछ की है। ख़बर लिखे जाने तक आग लगाने वालों और परिवार के लोगों का पता नहीं चल सका है। अक्षय नाम के ग्रामीण के अनुसार, दर्जनों की तादाद में नकाबपोश युवकों ने घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने अपने मुंह ढ़ंक रखे थे। कुछ लोगों ने हथौड़ा ले रखा था जिससे उन्होंने तोड़फोड़ की। इसके बाद नकाबपोश मौके से फरार हो गए।

टेंडर के बाद स्वीकृति के लिए वित्त विभाग फाइल भेजने की व्यवस्था समाप्त

मुख्यमंत्री द्वारा लागू की गयी नई व्यवस्था से विकास कार्यों में तेजी आयेगी

- पिछली सरकार में यह व्यवस्था शुरू की गयी थी कि वित्त विभाग केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था, विभागों को प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए फाइल वित्त विभाग को भेजनी पड़ती थी। इससे 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लगता था।

जयपुर, 6 जुलाई। आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सुशासन देने के लिए संकल्पित राज्य सरकार, विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक त्वरित रूप से पहुँचाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी नीति के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रक्रिया में लगने वाले समय को न्यूनतम करने के लिए राज्य में अब नई व्यवस्था लागू की गई है।

टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्यकारी विभाग द्वारा वित्त विभाग को फाईल भेजने की व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। गत सरकार के समय शुरू हुई इस प्रक्रिया के कारण विकास कार्य शुरू होने में अनावश्यक विलंब हो रहा था। जिसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में यह नई व्यवस्था लागू की गई है।

विकास कार्यों की घोषणा कर धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में जानबूझ कर देरी करने की नीयत से गत सरकार के समय व्यवस्था की गई कि कार्यकारी विभाग जब कार्य की स्वीकृति के प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग को भिजवाता था, तब वित्त विभाग इस स्वीकृति के बजाय कार्य की केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था। इसके बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए संबंधित कार्यकारी विभाग को प्रस्ताव पुनः वित्त विभाग को भेजना पड़ता था।

इस दोहरी प्रक्रिया में 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा था। इससे एक ओर विकास कार्य की लागत बढ़ रही थी, वहीं दूसरी ओर आमजन को इनका समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रक्रिया में संशोधन कर इसे प्रभावी बना दिया गया है। अब कार्यकारी विभाग से प्राप्त प्रस्ताव वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत होते ही निविदा उपरान्त कार्यादेश जारी करने के लिए कार्यकारी विभाग को ही सक्षम बना दिया गया है।

कार्यकारी विभाग निविदा के उपरांत कार्यादेश राशि के आधार पर प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृत राशि को स्वयं ही पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे।

अतः प्रक्रिया के दूसरे चरण में पत्रावली वित्त विभाग को प्रेषित करने की आवश्यकता नही रहेगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से विकास कार्यों में तेजी आएगी और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करवाने का राज्य सरकार का संकल्प धरातल पर साकार हो सकेगा।

कांग्रेस- समाजवादी पार्टी गठबंधन अभी टूटा नहीं है- सलमान खुर्शीद

मुजफ्फरनगर, 06 जुलाई। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन अभी नहीं टूटा है। जब हमने साथ मिलकर चुनाव लड़ा तो हमें जो सफलता मिली। उस परिणाम को सबने देखा है। इस सफलता में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की भूमिका सभी समझते हैं। कांग्रेस हाईकमान इसे ध्यान में रखते हुए ही आगे कोई फैसला लेगा। मुज्फ्फरनगर में मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए सलमान खुर्शीद ने ये बात कही। सलमान खुर्शीद ने कहा कि इस गठबंधन का रिजल्ट सबके सामने है। फिलहाल बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियां चल रही हैं। ज्ञातव्य है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में इस गठबंधन ने भाजपा को कड़ी टक्कर देते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। सपा को 37 सीटों पर सफलता मिली जबकि कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल की।

युद्ध बंधकों पर हमास से बात करने इज़रायली दल कतर जायेगा

इज़रायली प्रधानमंत्री ने कतर के प्रस्ताव के आधार पर वार्ता करने के लिये सहमति जताई

यरूशलम, 06 जुलाई। इज़रायली प्रधानमंत्री बैन्जामिन नेतन्याहू ने हमास के साथ युद्ध बंधकों पर बातचीत करने के लिए रविवार को एक वार्ता दल को कतर जाने का निर्देश दिया है। इज़रायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के अनुसार, स्थिति का आकलन करने के बाद इज़रायल ने इस वार्ता के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है । वह गाज़ा में बंधक बनाए गए इज़रायलियों की रिहाई के लिए कतर के प्रस्ताव के आधार पर बातचीत जारी रखने पर सहमत हो गया है। प्रस्ताव में 60 दिन का युद्ध विराम, पांच चरणों में 10 इज़रायली बंधकों की रिहाई, 18 बंधकों के शवों को सौंपना तथा इज़रायली जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल है।

बयान में कहा गया कि इज़रायल को कल शाम जानकारी दी गई कि हमास ने प्रस्ताव में बदलाव की मांग की है जो इज़रायल को अस्वीकार्य है। इज़रायली सरकार के स्वामित्व वाले कान टीवी न्यूज़ ने कहा कि हमास ने जो बदलाव किए हैं उनमें युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता में शीघ्र बदलाव की गारंटी, समझौते की गारंटी देने वाले देशों में तुर्की को शामिल करना, मानवीय सहायता संबंधित विवरण और गाज़ा पट्टी से इज़रायली सैन्य बलों की वापसी शामिल है।उल्लेखनीय है कि चार जुलाई को हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने गाज़ा युद्ध विराम प्रस्ताव पर मध्यस्थों को सकारात्मक जवाब दिया है और वह इस रूपरेखा को लागू करने की प्रकिया संबंधी बातचीत में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908